शर्मा হার্ডওৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 309 | गुवाहाटी | गुरुवार, 12 जून, 2025 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

पाकिस्तानी नागरिक ने कोलकाता में दो बार डाला वोट — पेज 2
बीएसएफ जवानों के लिए जर्जर ट्रेन मुहैया कराने के मामले में चार अधिकारी निलंबित — पेज 3
प्रधानमंत्री मोदी ने आधुनिक भारत के निर्माण में बड़ी भूमिका निभाई : सीएम — पेज 5
विराट ओ रोहित के लिए ऑस्ट्रेलिया दौरे में विदायी कार्यक्रम रखेगा सीए — पेज 7

गर्मी : स्कूल जल्दी खुलने से छात्र कर रहे हैं परेशानी का सामना

गुवाहाटी। चिलचिलाती गर्मी के वापस आने के साथ ही असम में छात्र एक बार फिर भीषण गर्मी से जूझ रहे हैं और स्कूल के शेड्यूल को बनाए रखने की कोशिश कर रहे हैं। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) रोजाना हीटवेव की चेतावनी जारी कर रहा है, जिसमें भविष्यवाणी की गई है कि अगले कुछ दिनों तक उच्च तापमान बना रहेगा। इस साल, गर्मी जल्दी आ गई, मई में तापमान पहले ही जुलाई और अगस्त के दौरान देखे जाने वाले स्तर पर पहुंच गया। चल रही भीषण गर्मी के मद्देनजर असम के शिक्षा मंत्री डॉ. रनोज पेगू ने 10 जून को राज्य भर के जिला आयुक्तों (डीसी) को स्थानीय मौसम की स्थिति के आधार पर स्कूल के समय में फेरबदल करने की अनुमति दी। उन्होंने सभी डीसी से सतर्क रहने और छात्रों की सुरक्षा और भलाई सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक समायोजन करने का आग्रह किया। एहतियाती उपाय के तौर पर उठाया गया यह कदम जिला अधिकारियों को यह तय करने की छूट देता है कि उनके संबंधित क्षेत्रों के लिए क्या सबसे अच्छा है। इस निर्देश पर अमल करते हुए, कामरूप मेट्रो के जिला आयुक्त ने 11 जून को जिले के सभी सरकारी, प्रांतीय और निजी स्कूलों के लिए स्कूल के समय में बदलाव करने का आदेश जारी किया। संशोधित समय तुरंत प्रभावी हो गया है और 16 जून तक लागू रहेगा। यह निर्णय सार्वजनिक स्वास्थ्य के हित में लिया गया है और इसका उद्देश्य छात्रों को दोपहर की कड़ी गर्मी से बचाना है। दिशा-निर्देशों के अनुसार, स्कूलों को सुबह की सभाएं खुले मैदानों के बजाय कक्षाओं या छायादार क्षेत्रों में आयोजित करने का निर्देश दिया गया है। अगली सूचना तक सभी बाहरी गतिविधियां स्थगित कर दी गई हैं। छात्रों को हाइड्रेटेड रखने के लिए, स्कूलों को दिन में तीन से चार बार *वाटर बेल* बजाने और पर्याप्त पीने का पानी उपलब्ध कराने के लिए कहा गया है। अधिकारियों को यह -शेष पृष्ठ दो पर

13 जून के बाद भीषण गर्मी से राहत मिलने की संभावना

गुवाहाटी। राजधानी गुवाहाटी समेत असम के बड़े हिस्से भीषण गर्मी की चपेट में हैं, क्योंकि तापमान मौसमी मानदंडों से ऊपर चढ़ रहा है, साथ ही उमस भी बढ़ रही है। बोरझार में क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र ने असम और अरुणाचल प्रदेश के लिए अगले 48 घंटों के लिए गर्मी और उमस का अलर्ट जारी किया है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, असामान्य रूप से उच्च तापमान का कारण आसमान का साफ से लेकर आंशिक रूप से बादल छाए रहना है, जिसके परिणामस्वरूप दिन के समय तेज सौर विकिरण होता है। आईएमडी के एक अधिकारी ने कहा कि असम के कई स्थानों पर अधिकतम तापमान 35 डिग्री सेल्सियस से अधिक होने की उम्मीद है और यह सामान्य से 3 से 5 डिग्री सेल्सियस अधिक रह सकता है। बुधवार को सुबह -शेष पृष्ठ दो पर

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सरकार ने सत्र भूमि पर अतिक्रमण पर नकेल कसी : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को कहा कि उनकी सरकार ने सत्रों की भूमि पर दशकों से चल रहे अतिक्रमण को रोकने के लिए निर्णायक कार्रवाई की है। सत्रों मठवासी संस्थान हैं जो असमिया संस्कृति और 16वीं शताब्दी के संत-सुधारक श्रीमंत शंकरदेव की विरासत के केंद्र में हैं। मुख्यमंत्री ने एक्स पर लिखा कि असम की आत्मा हमारे सत्रों में बसती है - जो हमारी परंपरा के ध्वजवाहक और रक्षक हैं। दशकों से, उन पर अनियंत्रित अतिक्रमण किया जाता रहा है, लेकिन अब यह रुक गया है। हमारी सरकार ने उनकी पवित्रता की रक्षा के लिए निर्णायक कदम उठाए हैं। यह बयान अतिक्रमण के पैमाने पर बढ़ती चिंता के बीच आया है, जहां सरकार द्वारा नियुक्त आयोग ने खुलासा किया है कि 11 जिलों में 303 सत्रों की 1,898 हेक्टेयर से अधिक भूमि पर अवैध रूप से कब्जा कर लिया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, बरपेटा, नगांव और धुबड़ी जैसे इलाकों में अतिक्रमण की खबरें हैं। रिपोर्ट के अनुसार, अकेले बरपेटा में 2,000 बीघा से ज्यादा जमीन पर अवैध कब्जा है। इसके जवाब में, राज्य सरकार ने बेदखली अभियान शुरू किया है और मिशन बसुंधरा 3.0 के तहत सुरक्षात्मक जोनिंग उपाय शुरू किए हैं, जिसमें स्वामित्व को औपचारिक बनाने के लिए सत्रों और अन्य संस्थाओं को कानूनी भूमि पट्टा वितरित करना शामिल है। इस कदम को भूमि अधिकारों और कथित घुसपैठ को लेकर बढ़ते तनाव के बीच धार्मिक और सांस्कृतिक स्थलों की रक्षा के -शेष पृष्ठ दो पर

सीएम ने किया खटरा सत्र का दौरा, कीर्तन घर निर्माण और एक हजार बीघा भूमि देने की घोषणा

दरंग (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा बुधवार को दरंग जिले के ऐतिहासिक खटरा सत्र पहुंचे। उनकी अगवानी पारंपरिक गायन-बादन से की गई। पंचायत चुनावों से पहले किए गए वादे के अनुसार मुख्यमंत्री ने आज सत्र में पूजा-अर्चना की। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि खटरा सत्र के कीर्तन घर का पुनर्निर्माण किया जाएगा और सत्र की आर्थिक मजबूती के लिए राज्य सरकार द्वारा एक हजार बीघा कृषि भूमि प्रदान की जाएगी। कार्यक्रम के दौरान दरंग की कई लोक सांस्कृतिक झलकियां भी मुख्यमंत्री के समक्ष -शेष पृष्ठ दो पर

यूएस-चीन के बीच समझौता

चीनी वस्तुओं पर 55 प्रतिशत टैरिफ लगाएगा अमेरिका

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि संयुक्त राज्य अमेरिका एक नए समझौते के तहत चीन से मैग्नेट और दुर्लभ पृथ्वी खनिजों तक पहुंच सुनिश्चित करेगा, साथ ही एक महत्वपूर्ण टैरिफ वृद्धि की घोषणा करते हुए चीनी आयात पर शुल्क को 55 प्रतिशत तक बढ़ा दिया है। यह कदम चीन से जुड़ी आपूर्ति श्रृंखलाओं, विशेष रूप से महत्वपूर्ण खनिजों से जुड़ी आपूर्ति श्रृंखलाओं की बढ़ती -शेष पृष्ठ दो पर

ट्रंप, एलन मस्क और जेडी वेंस जहां दिखें वहीं मार दो : अलकायदा

नई दिल्ली। इस्लामी आतंकवादी समूह की तरफ से एक परेशान करने वाला वीडियो जारी किया है। इस वीडियो में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और कई शीर्ष सलाहकारों की हत्या की बात कही गई है। न्यूयॉर्क पोस्ट के अनुसार, उसने कहा कि इजरायल के प्रति उनका मजबूत समर्थन इस धमकी के पीछे का कारण है। यमन में रहने वाला यह व्यक्ति साद बिन अतेफ अल-अवलाकी है, जो अरब प्रायद्वीप में अल-कायदा (ओक्यूएपी) का नेता है। 34 मिनट के भड़काऊ वीडियो में आतंकवादी -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

वो जो अपने परिवार से अति लगाव रखता है भय और दुख में जीता है। सभी दुखों का मुख्य कारण लगाव ही है, इसलिए खुश रहने के लिए लगाव का त्याग आवश्यक है।

- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

केंद्र ने खाद्य तेलों पर आयात शुल्क घटाया

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्र सरकार ने सूरजमुखी, सोया और पाम जैसे कच्चे खाद्य तेलों पर बेसिक कस्टम ड्यूटी को 20 प्रतिशत से घटा कर 10 प्रतिशत कर दिया है। इससे कच्चे और परिष्कृत तेलों के बीच आयात शुल्क में अंतर 8.75 प्रतिशत से बढ़ कर -शेष पृष्ठ दो पर

दिग्विजय सिंह के भाई लक्ष्मण सिंह कांग्रेस से निष्कासित

नई दिल्ली (हि.स.)। कांग्रेस ने बुधवार को राज्यसभा सदस्य दिग्विजय सिंह के भाई लक्ष्मण सिंह को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से 6 वर्ष के लिए निलंबित कर दिया है। पार्टी की अनुशासनात्मक मामलों की समिति के महासचिव तारीक अनवर ने एक बयान में इसकी जानकारी दी। इसमें कहा गया है कि कांग्रेस अध्यक्ष ने मध्य प्रदेश से पूर्व विधायक लक्ष्मण सिंह को तत्काल -शेष पृष्ठ दो पर

राजा हत्याकांड : सोनम समेत सभी पांच आरोपी आठ दिन की पुलिस रिमांड पर भेजे गए

शिलांग (हि.स.)। मेघालय के सोहरा (चेरापूंजी) पहाड़ियों में हुए राजा रघुवंशी हत्याकांड में गिरफ्तार सोनम रघुवंशी, उसके कथित प्रेमी राज कुशवाहा और तीन भाड़े के हत्यारों आकाश राजपूत, विशालसिंह चौहान और आनंद कुर्मी को शिलांग के पूर्वी खासी हिल्स जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने आठ दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है। जिला न्यायाधीश की अदालत में पेश किए जाने से पहले सोनम रघुवंशी ने विशेष जांच दल (एसआईटी) की पूछताछ के दौरान अपने पति राजा रघुवंशी की हत्या में शामिल होने की बात कबूल की। इसके अलावा सोनम ने कबूल किया है कि अगर *भाड़े के हत्यारे* उसके पति राजा को मारने में विफल हो जाते, तो उसने उनकी हत्या सुनिश्चित करने के लिए एक वैकल्पिक योजना भी बनाई थी। -शेष पृष्ठ दो पर

राजा रघुवंशी के तीन हत्यारे गुवाहाटी के आनंद लॉज में ठहरे थे

गुवाहाटी (हि.स.)। चर्चित राजा रघुवंशी हत्या कांड के तीन कॉन्ट्रैक्ट किलर मेघालय जाने से पहले गुवाहाटी पहुंचे थे। यहां पर उन्होंने एक लॉज में ठहरे थे। इसका खुलासा मेघालय पुलिस के गुवाहाटी में चलाए गए अभियान के बाद हुआ है। जानकारी के अनुसार मध्य प्रदेश से तीन हत्या के आरोपित आकाश, विशाल और आनंद गुवाहाटी पहुंचे थे। यहां पर पान बाजार स्थित आनंद लॉज में तीनों ठहरे थे। जानकारी मिलते ही -शेष पृष्ठ दो पर

आगजनी, तोड़फोड़, पत्थरबाजी...

पश्चिम बंगाल के रवींद्रनगर में पुलिस पर हमला, दागे आंसू गैस के गोले

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के रवींद्र नगर के अकरा संतोषपुर इलाके में दो गुटों के बीच झड़प के दौरान पूरा इलाके रणक्षेत्र में तब्दील हो गया है। यह झड़प बुधवार सुबह शुरू हुई। दोपहर के बाद स्थिति लगभग नियंत्रण से बाहर हो गई। बाइकें जला दी गईं, पुलिस की गाड़ियां तोड़ दी गईं। एक पुलिसकर्मी भी खून से लथपथ था। एक महिला पुलिस अधिकारी ईंट लगने से घायल हो गई। बुधवार सुबह रवींद्र नगर में अशांति की आग फैलनी शुरू हो गई। हालांकि, दोपहर में पुलिस पर अचानक हमले शुरू हो गए। कुछ लोगों ने अपने घरों की छत से ईंटें फेंकी। इलाके में कई घरों और दुकानों में भी आग लगा दी गई। पुलिस ने शुरू में स्थिति को संभाला। -शेष पृष्ठ दो पर

सोनम ने कहा- इसे मार दो!

मेघालय पुलिस को मिले चौंकाने वाले सुराग

गुवाहाटी (हि.स.)। मेघालय पुलिस को बहुचर्चित राजा रघुवंशी हत्या कांड की जांच में कई चौंकाने वाले तथ्य हाथ लगे हैं। पत्नी सोनम रघुवंशी के सामने राजा की हत्या की गई। सोनम ने हत्यारे से कहा कि इसे मार दो! इसके बाद राजा रघुवंशी पर पहले धारदार हथियार से गले पर वार किया गया। फिर उसके सिर पर जोरदार हमला किया गया। हत्या को अंजाम देने वाले मुख्य आरोपित विशाल सिंह चौहान को बताया जा रहा है, जो पहले मध्यप्रदेश से पटना आया और फिर वहां से ट्रेन पकड़ गुवाहाटी पहुंचा। गुवाहाटी से तीनों आरोपित गाड़ी से सीधे चेरापूंजी पहुंचे थे। राजा की स्कूटी को पहले ही गायब कर दिया गया था। स्कूटी को मेघालय पुलिस इसी बीच जब्त कर -शेष पृष्ठ दो पर

सोनम की *बेवफाई* में डूबा मेघालय का टूरिज्म, बड़ी संख्या में बुकिंग्स हुई कैंसिल

शिलांग। राजा रघुवंशी मर्डर केस ने केवल दो परिवारों को चोट नहीं दी, बल्कि इंदौर से 2200 किलोमीटर दूर एक राज्य भी इस चोट के दर्द को सह रहा है। ये राज्य है मेघालय, जहां की राजधानी शिलांग में सोनम और राजा रघुवंशी अपना हनीमून मनाने गए थे। राजा की हत्या के बाद से मेघालय में टूरिज्म घट गया है। पर्यटकों के आने की संख्या भी कम हो गई है। लोग मेघायल को सुरक्षित नहीं मान रहे हैं। काफी होटलों में बुकिंग कैंसल हो गई है, जिससे यहां के स्थनीय लोग काफी निराश हैं। लोगों ने कहा कि हम तो अतिथियों का स्वागत करते हैं, लेकिन बिना कुछ किए ही बदनाम हो गए। दरअसल, राजा रघुवंशी की हत्या के लिए उसकी पत्नी सोनम ने मेघालय चुना और साजिश के तहत राजा को हनीमून के बहाने शिलांग लेकर आई। यहां विजाग में सुपारी किलर्स के साथ मिलकर सोनम ने अपने पति राजा रघुवंशी की हत्या कर दी। इस हत्या के बाद से पूरे मेघालय में जैसे एक तूफान आ गया हो। मेघालय सुरक्षित नहीं है। इस बात की अफवाह पर लोगों ने मेघालय आने में कमी कर दी है। टूरिज्म पर -शेष पृष्ठ दो पर

न खंभा, न तार, न मीटर- फिर भी भेज दिया 82 हजार का बिल, ग्रामीणों में आक्रोश

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले से बिजली विभाग की लापरवाही का मामला सामने आया है। जहां के नकुड़ विधानसभा क्षेत्र के गांव बहरामपुरा में पंचायत सचिवालय के नाम पर बिना किसी कनेक्शन, पोल या मीटर के ?82,354 का बिजली बिल जारी कर दिया गया। यह मामला अब क्षेत्र में गंभीर आक्रोश और प्रशासनिक उदासीनता का प्रतीक बन चुका है। ग्राम प्रधान विक्रम सिंह राठौड़ ने जानकारी दी कि पंचायत भवन का निर्माण वर्ष 2023 में शुरू हुआ, लेकिन बिजली विभाग ने अप्रैल 2022 से ही बिलिंग शुरू कर दी। हैरानी की बात यह है कि मौके पर आज तक कोई बिजली का खंभा, तार या मीटर तक -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

पाकिस्तानी नागरिक ने कोलकाता में दो बार डाला वोट

उत्तर 24 परगना (हि.स.)। पश्चिम बंगाल में गंभीर सुरक्षा चूक वाले मामले का खुलासा हुआ है। प्रवर्तन निदेशालय ने कोलकाता से गिरफ्तार पाकिस्तानी नागरिक आजाद मलिक के खिलाफ जांच तेज कर दी है, जिसने फर्जी दस्तावेजों के आधार पर भारत का मतदाता पहचान पत्र बनवाया और दो बार 2021 के विधानसभा चुनाव और 2024 के लोकसभा चुनाव में मतदान किया। गौरतलब है कि आजाद मलिक उत्तर 24 परगना जिले के दमदम उत्तर विधानसभा क्षेत्र का पंजीकृत मतदाता था, जो दमदम लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आता है। पूछताछ में उसने स्वयं दोनों बार मतदान करने की बात स्वीकार की है। यह सवाल उठ रहा है कि मतदाता सूची की नियमित समीक्षा के दौरान इतनी बड़ी चूक कैसे हुई और फर्जी दस्तावेजों को वैध कैसे मान लिया गया। ईडी ने भारत निर्वाचन आयोग और राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारी कार्यालय से संपर्क कर पूरे मामले की जानकारी मांगी है। एजेंसी यह जानना चाहती है कि आजाद ने कौन-कौन से दस्तावेजों के जरिए ईपीआईसी कार्ड हासिल किया और किस स्तर पर लापरवाही बरती गई। ईडी के मुताबिक प्रारंभ में आजाद मलिक ने खुद को बांग्लादेशी नागरिक बताया था और भारतीय पासपोर्ट समेत कई पहचान पत्र बनवा लिए थे लेकिन 29 अप्रैल को कोलकाता की विशेष अदालत में पेशी के दौरान उसने स्वीकार किया कि वह असल में पाकिस्तान का मूल निवासी है। उसने पहले फर्जी तरीके से बांग्लादेशी नागरिकता प्राप्त की और फिर भारतीय दस्तावेज हासिल कर भारत में रहना शुरू कर दिया। इस खुलासे ने राजनीतिक गलियारों में भी हड़कंप मचा दिया है। विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने इसे तृणमूल कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में विदेशी नागरिकों को मतदाता सूची में शामिल करने की साजिश करार दिया है। उल्लेखनीय है कि दक्षिण 24 परगना के काकद्वीप विधानसभा क्षेत्र का मतदाता न्यूटन दास सोशल मीडिया पर बांग्लादेश के छात्र आंदोलन में हिस्सा लेता नजर आ रहा है। आरोप है कि दास के पास भारत और बांग्लादेश दोनों की नागरिकता है। इस पर चुनाव आयोग ने राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को जांच के निर्देश दिए हैं। ईडी की जांच इस दिशा में इशारा कर रही है कि सीमावर्ती इलाकों में फर्जी दस्तावेजों के जरिये विदेशी नागरिकों को भारतीय नागरिकता और मतदान अधिकार दिलाने का संगठित रैकेट काम कर रहा है।

एक जुलाई से तत्काल टिकट बुकिंग के लिए अनिवार्य होगा आधार प्रमाणीकरण

नई दिल्ली (हि.स.)। भारतीय रेलवे ने तत्काल टिकट बुकिंग प्रणाली में महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं ताकि टिकट बुकिंग में पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित की जा सके। एक जुलाई से आईआरसीटीसी की वेबसाइट और मोबाइल ऐप पर तत्काल टिकट बुकिंग के लिए आधार प्रमाणीकरण अनिवार्य होगा। इसके अलावा 15 जुलाई से ऑनलाइन तत्काल बुकिंग के लिए आधार-आधारित ओटीपी प्रमाणीकरण भी अनिवार्य होगा। रेल मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि तत्काल टिकट बुकिंग प्रणाली में कई बदलाव किए हैं। पहला, ऑनलाइन तत्काल बुकिंग के लिए आधार प्रमाणीकरण अनिवार्य होगा। दूसरा, पीआरएस काउंटर्स और अधिकृत एजेंटों के माध्यम से तत्काल टिकट बुकिंग के लिए ओटीपी प्रमाणीकरण अनिवार्य होगा।

बूढ़ीदिहिंग नदी में डूबने के बाद युवक लापता, इलाके में सनसनी

डिब्रूगढ़ (हिंस)। डिब्रूगढ़ जिले के टेंगाखाट थाना क्षेत्र के पानधोआ गांव में एक युवक के बूढ़ीदिहिंग नदी में डूबकर लापता हो जाने की घटना से इलाके में सनसनी फैल गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मंगलवार की दोपहर करीब 3 बजे पानधोआ गांव के परीक्षित सोनोवाल का पुत्र नयनज्योति सोनवाल (20), तुलसी बरसैकिया का पुत्र सुप्रियो बरसैकिया (19) और बिपुल सोनोवाल का पुत्र देवजीत सोनोवाल (19) मोटरसाइकिल से लगभग दो किलोमीटर दूर बूढ़ीदिहिंग नदी के किनारे पहुंचे थे। नयनज्योति और सुप्रियो नदी पार कर *मेश चापरी* तक गए और लौटते समय नयनज्योति सोनोवाल नदी में डूब गया। साथ गए युवक उसे बचाने में असफल रहो और तत्काल परिवार के सदस्यों व परिचितों को सूचना दी। सूचना मिलते ही परिजन ने टेंगाखाट पुलिस को अवगत कराया। तत्पश्चात, डिब्रूगढ़ स्थित एसडीआरएफ टीम को शाम करीब 5-45 बजे मेजर राणा देउरी के नेतृत्व में मौके पर भेजा गया। टीम ने रात 7 बजे तक नदी में तलाशी अभियान चलाया, लेकिन अंधेरा हो जाने के कारण अभियान स्थगित करना पड़ा। जानकारी के अनुसार, बुधवार सुबह से डूबे युवक की तलाश दोबारा शुरू की गई है। अंतिम समाचार मिलने तक युवक का पता नहीं चल पाया है।

मंदिर प्रांगण में मिला संदिग्ध गौमांस इलाके में तनाव

चिरांग (हिंस)। चिरांग जिले के बिजनी क्षेत्र के उत्तर बल्लामगुड़ी स्थित हरीमंदिर प्रांगण में बुधवार सुबह संदिग्ध प्रतिबंधित गौमांस से भरा पैकेट मिलने से इलाके में तीव्र तनाव फैल गया। स्थानीय लोगों ने सुबह मंदिर प्रांगण में प्लास्टिक की थैली में मांस पड़ा देखा। लोगों ने आशंका जताई कि यह प्रतिबंधित गौमांस हो सकता है। सूचना मिलते ही बल्लामगुड़ी पुलिस चौकी की टीम मौके पर पहुंची और पैकेट को अपने कब्जे में ले लिया। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि किसी असामाजिक तत्व ने क्षेत्र की सांप्रदायिक सद्भावना को बिगाड़ने के उद्देश्य से यह आपत्तिजनक कार्य किया है। लोगों ने मांग की है कि इस कृत्य में संलिप्त दोषियों की शीघ्र पहचान कर उन्हें कड़ी सजा दी जाए।

पीएम ओली सहित चार मंत्रियों के खिलाफ चलेगा मुकदमा : एससी

काठमांडू (हि.स.)। सुप्रीम कोर्ट ने प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली और चार मंत्रियों के खिलाफ अदालत की अवमानना का मुकदमा चलेगा।इस सभी के खिलाफ 22 जून से निरंतर सुनवाई करने का आदेश सुप्रीम कोर्ट ने दिया है। सुप्रीम कोर्ट में चार वर्ष पहले इसी तरह के प्रावधान बजट में रखे जाने के खिलाफ दायर एक याचिका पर सुनवाई करते हुए उसे रद्द करके देश के बालू, गिट्टी आदि के निर्यात पर रोक लगा दी थी। इसके विपरीत सरकार ने हाल ही में पेश किए गए आम बजट में देश के बालू, गिट्टी आदि के निर्यात की छूट देने की घोषणा की गई है। ओली सरकार के आम बजट में एक बार फिर से उसी प्रावधान को प्रस्तावित किया गया है, जिसे सुप्रीम कोर्ट की फुल बेंच ने खारिज कर दिया था। इसे अदालत की अवमानना कहते हुए वरिष्ठ अधिवक्ता दिनेश त्रिपाठी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी।

No.DPRD/BTC/(15th FC)UT(VIII)Udl-02/2025/10 *Dated Kokrajhar the 9th June, 2025*

PRESS NOTICE
(e-Procurement)

The Director, P&RD, BTC, Kokrajhar invites bids for implementation of work *"Impt. of road with E/F & S/6 from Kashibari Bathou Mandir to Debeswar Boro house with RCC box culvert at Khasibari village"* for an amount not exceeding of Rs. 23,00,000.00 (Rupees twenty three lakhs) only under 15th Finance Commission to BTC for the year 2023-24 during 2025-26 under Untied Grant from the registered contractors of Class–I & Class-II (A, B & C) category of Assam PWD (Roads) / (Building), BTC.

Details may be seen at website http://assamtenders.gov.in and also at the Office of the undersigned during office hours.

Sd/- Director,
Panchayat& Rural Development,
BTC, Kokrajhar

IPR(BTC)/C/2025-26/787

No.DPRD/BTC/(SOPD)Udl-02/2025/8 *Dated Kokrajhar, the 4th June, 2025*

PRESS NOTICE
(e-Procurement)

The Director, P&RD, BTC, Kokrajhar invites bids for implementation of work "**Const. of E/F and S/G road from Sarubengra-Barbengra connecting road to Hagramari village through paddy field**" against tender value for an amount not exceeding of **Rs.20,00,000.00** (Rupees twenty lakhs) only under SOPD fund for the financial year 2025-26 from the registered contractors of Class-I & Class-II (A, B & C) category of Assam PWD (Roads)/(Building), BTC.

Details may be seen at website http://assamtenders.gov.in and also at the Office of the undersigned during office hours.

Sd/- Director,
Panchayat & Rural Development,
BTC, Kokrajhar

IPR(BTC)/C/2025-26/784

No.DPRD/BTC/(15th FC)UT(VIII)Udl-03/2025/10 *Dated Kokrajhar the 9th June, 2025*

PRESS NOTICE
(e-Procurement)

The Director, P&RD, BTC, Kokrajhar invites bids for implementation of work *"Const. of slab culvert at Mora nadi near Porja Samaj Cementary" for* an amount not exceeding of Rs. 22,00,000.00 (Rupees twenty two lakhs) only under 15th Finance Commission to BTC for the year 2023-24 during 2025-26 under Untied Grant from the registered contractors of Class–I & Class-II (A, B & C) category of Assam PWD (Roads) / (Building), BTC.

Details may be seen at website http://assamtenders.gov.in and also at the Office of the undersigned during office hours.

Sd/- Director,
Panchayat& Rural Development,
BTC, Kokrajhar

IPR(BTC)/C/2025-26/790

No: MHRB/66/Faculty/2025/4588

NOTICE FOR INTERVIEW

In pursuance of the Advertisement No: MHRB/66/Faculty/2025/4527 Dated 2nd April, 2025 and Notice No. MHRB/66/Faculty/2025/4541 Dated 22nd April, 2025, it is for information of all concerned that the Interview for recruitment to the post of Registrar/Demonstrator etc. in Government Medical College & Hospitals (except Dentistry Department) under Medical Education & Research Department, Government of Assam, will be held on **24th, 25th, 26th & 27th June, 2025** at Assam Administrative Staff College, Khanapara, Guwahati - 22.

Candidates are requested to visit the website **https://nhm.assam.gov.in** for details.

Sd/-
Secretary
Medical and Health Recruitment Board, Assam

-- DIPR /D/VBS-29 /12-Jun-25

पृष्ठ एक का शेष

गर्मी : स्कूल जल्दी ...

भी सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया गया है कि सभी पंखे ठीक से काम कर रहे हों और कक्षाओं में अच्छी तरह से हवादार हो। हालांकि, कई अभिभावकों और शिक्षकों का मानना है कि ये उपाय, हालांकि अच्छे इरादे से किए गए हैं, लेकिन इनसे व्यावहारिक राहत नहीं मिलती। उधर कामरूप (मेट्रो) के एक सरकारी स्कूल की शिक्षिका ने बताया कि कैसे बुनियादी ढांचे की कमी छात्रों और शिक्षकों दोनों के लिए स्थिति को कठिन बना रही है। यह छात्रों और शिक्षकों दोनों के लिए मुश्किल है। निजी स्कूलों के विपरीत, हमारे क्लासरूम में एयर कंडीशनर नहीं हैं, न ही वे बसों में यात्रा करते हैं। उनके लिए कक्षाएं जारी रखना मुश्किल है। भीड़भाड़, गर्मी और बिजली की कटौती ने स्थिति को और खराब कर दिया है, उसने कहा। एक अन्य अभिभावक ने स्कूल के समय में बदलाव की उपयोगिता पर सवाल उठाया, जबकि दिन का सबसे गर्म समय अपरिवर्तित रहता है। अभिभावक ने कहा कि इन पुनर्निर्धारित समय का क्या उपयोग है? दोपहर 12 बजे से दोपहर 2 बजे के बीच तापमान सबसे अधिक होता है और यही वह समय होता है जब बच्चे स्कूल में होते हैं। मुझे उम्मीद है कि प्रशासन स्कूलों के समय में बदलाव करने के बजाय अन्य वैकल्पिक समाधान लेकर आएगा। नए शेड्यूल के अनुसार, लोअर प्राइमरी स्कूल सुबह 7:30 से 11:30 बजे तक, मिडिल स्कूल सुबह 7:30 से 12 बजे तक और हायर सेकेंडरी स्कूल सुबह 7:30 से 12:30 बजे तक संचालित होंगे। यहां तक कि छात्र भी इस परेशानी से जूझ रहे हैं। गुवाहाटी के एक निजी स्कूल के छठी कक्षा के छात्र ने कहा कि काश गर्मी की छुट्टियां जल्दी आ जातीं। कक्षाओं में बहुत गर्मी होती है। माता-पिता, शिक्षकों और छात्रों के बीच आम भावना यह है कि सिर्फ कक्षाओं का समय बदलना ही पर्याप्त नहीं है। अब जरूरत इस बात की है कि अत्यधिक गर्मी की बढ़ती चुनौती से निपटने के लिए ज्यादा सोच-समझकर और व्यापक दृष्टिकोण अपनाया जाए। कुछ लोगों ने गर्मी की छुट्टियों को जल्दी घोषित करने या गर्मी के चरम पर पहुंचने पर अस्थायी रूप से ऑनलाइन या हाइब्रिड शिक्षा पर स्विच करने का सुझाव दिया है। दूसरों का मानना है कि सरकार को स्कूलों में बुनियादी ढांचे में सुधार करने पर ध्यान देना चाहिए, जैसे कूलर लगाना, बैकअप बिजली सुनिश्चित करना और कक्षाओं में भीड़भाड़ कम करना। हालांकि मौजूदा फैसले बच्चों की सुरक्षा के लिए हैं, लेकिन वे बिगड़ती जलवायु परिस्थितियों के मद्देनजर अस्थायी उपायों की सीमाओं को भी उजागर करते हैं। साल दर साल तापमान बढ़ने के साथ, असम में शिक्षा प्रणाली के लिए छात्रों के स्वास्थ्य और सीखने की सुरक्षा के लिए अधिक दीर्घकालिक समाधान अपनाने का समय आ गया है।

13 जून के बाद...

11 बजे तक, गुवाहाटी में 33 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया जा चुका था, जबकि उच्च सापेक्ष आर्द्रता के कारण बेचैनी का स्तर बढ़ गया था। मंगलवार को, उत्तरी लखीमपुर में राज्य में सबसे अधिक तापमान 38.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि दीमा हसाओ जिले के एक हिल स्टेशन हाफलोंग में सबसे कम न्यूनतम तापमान 21.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। भीषण गर्मी के बावजूद, मौसम विभाग ने अगले 24 घंटों में गुवाहाटी और अन्य जिलों के अलग-अलग हिस्सों में हल्की बारिश और बिजली गिरने का अनुमान लगाया है। गुरुवार, 12 जून को भी ऐसा ही मौसम रहने की उम्मीद है। 13 जून से राज्य के कई हिस्सों में मध्यम से भारी वर्षा होने का अनुमान है, जो असम में दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगमन का संकेत है, जिससे मौजूदा गर्मी से राहत मिलने की संभावना है। जबकि दिन की गर्मी चिंता का विषय बनी हुई है, रात का तापमान भी सामान्य से ऊपर बना हुआ है, न्यूनतम तापमान विभिन्न जिलों में औसत से 1.6 डिग्री सेल्सियस से 3.0 डिग्री सेल्सियस अधिक रहने की उम्मीद है। इससे लगातार गर्म और असहज रातें हो रही हैं, खासकर शहरी इलाकों में। अधिकारियों ने कहा कि कम से कम अगले 48 घंटों तक अधिकतम या न्यूनतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं होगा। चल रही गर्मी के मद्देनजर, आईएमडी ने विशेष रूप से शिशुओं, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं और पहले से ही स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं वाले व्यक्तियों के लिए सार्वजनिक स्वास्थ्य सलाह जारी की है। हालांकि ज्यादातर लोगों के लिए गर्मी का स्तर सहनीय माना जाता है, लेकिन संवेदनशील समूहों को निर्जलीकरण, थकावट और हीट स्ट्रोक सहित हल्की स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। अधिकारियों ने जनता से आग्रह किया है कि वे इस सप्ताह के अंत में ठंडी, वर्षा युक्त मानसूनी हवाएं आने तक सतर्क रहें, पानी पीते रहें तथा अनावश्यक बाहरी गतिविधियों से बचें।

सरकार ने सत्र ...

व्यापक प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। नगांव और मोरीगांव जिलों के कई सत्रों ने भी अतिक्रमित भूमि को शीघ्र वापस लेने की मांग को लेकर एकजुटता दिखाई है। उनका दावा है कि लगातार निष्क्रियता से असम की सांस्कृतिक पहचान खतरे में पड़ जाएगी।

सीएम ने किया खटरा...

प्रस्तुत की गईं। बाद में सत्र प्रबंधन समिति के अधिकारियों के साथ बैठक कर मुख्यमंत्री ने कीर्तन घर और मणिकूट के नए स्वरूप पर चर्चा की। साथ ही राज्य में बांग्लादेशी घुसपैठ और एनआरसी प्रक्रिया को लेकर भी उन्होंने कुछ अहम टिप्पणियां कीं। अपने इस यात्रा क्रम में मुख्यमंत्री ने ऐतिहासिक पथरूघाट के शहीद वेदी पर जाकर 140 स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि भी अर्पित की।

ट्रंप, एलन मस्क और ...

नेता ने अमेरिकी मुसलमानों से बदला लेने और उन लोगों पर हमला करने का आग्रह किया जिन्हें उसने काफिर अमेरिकी बताया है। उसने ट्रंप, वेंस के साथ-साथ विदेश मंत्री मार्को रुबियो, रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ और अरबपति एलन मस्क जैसे लोगों का नाम लिया। अल-अवलाकी ने कहा कि उनका और उनके परिवारों का और उन सभी लोगों का पीछा करो जिनका व्हाइट हाउस के राजनेताओं से कोई संबंध है या जो उनके करीब हैं। उन्होंने आगे कहा कि गाजा में हमारे लोगों के साथ जो कुछ हो रहा है, उसके बाद कोई सीमा रेखा नहीं है, और सुरक्षा सूत्रों के अनुसार, ट्रम्प पर हाल ही में हुए यहूदी विरोधी हमलों और पूर्व हत्या के प्रयासों का समर्थन किया है। वीडियो में अमेरिका में यहूदी लोगों के खिलाफ हिंसा को बढ़ावा देने का व्यापक प्रयास भी शामिल है। यहूदियों के लिए एक भी सुरक्षित जगह न छोड़ें - जैसे उन्होंने फिलिस्तीनियों के लिए कोई घर, आश्रय या रहम नहीं छोड़ी है। यहां तक कि अस्पतालों पर भी बमबारी की जा रही है। अल-अवलाकी मार्च 2024 में ओक्यूएपी का प्रमुख बन गया और उसके सिर पर स्टेट डिपार्टमेंट ने 6 मिलियन अमेरिकी डॉलर का इनाम रखा है। ओक्यूएपी को आधिकारिक तौर पर अमेरिकी सरकार द्वारा एक विदेशी आतंकवादी संगठन घोषित किया गया है। एसोसिएटेड प्रेस ने बताया कि अल-अवलाकी का वीडियो नेतृत्व संभालने के बाद उसका पहला वीडियो था और उसने गाजा संघर्ष को लेकर मिस्र, जॉर्डन और खाड़ी देशों के नेताओं को निशाना बनाकर अकेले हमला करने का भी आग्रह किया था। विश्लेषकों के अनुसार, ऐसा प्रतीत होता है कि ओक्यूएपी गाजा में बढ़ते तनाव और यमन में ईरान समर्थित हौथी आंदोलन के बढ़ते प्रभाव के बीच पुन: प्रमुखता हासिल करने का प्रयास कर रहा है।

राजा हत्याकांड : सोनम समेत ...

पुलिस के सवालों का जवाब देते हुए सोनम ने बताया कि उसने सेल्फी लेने के बहाने राजा को पहाड़ी की खाई के किनारे धकेलने की योजना बनाई थी। पूछताछ के दौरान दिए गए बयान को जांच कर रहे पुलिस अधिकारियों ने रिकॉर्ड किया। यह बयान जज के सामने भी रिकॉर्ड किया गया। मेघालय पुलिस की एसआईटी के समक्ष गिरफ्तार प्रेमी राज कुशवाहा और तीन भाड़े के हत्यारों ने अपने इकबालिया बयान में कहा है कि राजा की हत्या सोनम की योजना के अनुसार की गई। पूछताछ के बाद कोर्ट ने सोनम और उसके चार साथियों को आठ दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया। राज्य पुलिस की एक टीम सोनम रघुवंशी को लेकर मंगलवार आधी रात को शिलांग पहुंची थी। उसे बुधवार को मेडिकल जांच के लिए शिलांग शहर के पोलो इलाके में स्थित गणेश दास अस्पताल स्वास्थ्य जांच के लिए ले जाया गया। इसके बाद सोनम को कड़ी सुरक्षा के बीच जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अदालत में पेश किया गया। पुलिस सोनम को दोबारा सोहरा (चेरापूंजी) स्थित घटनास्थल पर लेकर जाएगी और उस दिन के घटनाक्रम को फिर से दोहराएगी।

राजा रघुवंशी के तीन ...

मेघालय पुलिस बुधवार को गुवाहाटी पहुंचकर आनंद लॉज में छापेमारी की। मेघालय पुलिस ने आनंद लॉज से सीसीटीवी फुटेज अपने साथ ले गई है। माना जा रहा है कि राजा रघुवंशी हत्या कांड की गुत्थी को सुलझाने में आनंद लॉज का सीसीटीवी फुटेज भी अहम कड़ी साबित होगा।

पश्चिम बंगाल के ...

ईंटों की बारिश कुछ देर के लिए रुक गई। इसके बाद ईंट फेंकने का दूसरा दौर फिर शुरू हो गया। एक महिला कांस्टेबल को ईंट से गहरी चोट लगी है। सफेद रूमाल पकड़े पुलिस वाले बातचीत करके स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए आगे बढ़े। आरोप है कि उस समय भी ईंटें फेंकी गईं। एक पुलिस कार को ईंटों से तोड़कर नष्ट कर दिया गया। पूरा इलाका युद्धक्षेत्र जैसा दिखाई दे रहा है। पुलिस आंसू गैस के गोले दागकर स्थिति को नियंत्रण में लाने की कोशिश कर रही है। विपक्ष ने पहले ही इस स्थिति पर सवाल उठाना शुरू कर दिया है। विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने भी इस घटना पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने आरोप लगाया कि ममता बनर्जी के शासनकाल में कानून-व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है। शुभेंदु अधिकारी भवानी भवन पहुंच गए और पुलिस और ममता बनर्जी की सरकार पर आरोप लगाया। सत्तारूढ़ पार्टी का प्रतिनिधित्व कर रहे कुणाल घोष ने कहा कि पुलिस और प्रशासन मामले की जांच कर रहे हैं। मैं इस मामले पर कोई राजनीतिक टिप्पणी नहीं करूंगा। महेशतला में फल की दुकान खोलने को लेकर दो समूहों के बीच झड़प शुरू हुई। यह झड़प बाद में हिंसक मारपीट में बदल गई। इलाके के कई घरों में तोड़फोड़ की गई। रवींद्रनगर पुलिस स्टेशन के सामने एक बाइक को आग लगा दी गई। हिंसक भीड़ ने पुलिस पर पत्थर फेंके। कई लोग घायल हो गए। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने हंगामे के लिए ममता बनर्जी की सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने फेसबुक पोस्ट में कहा कि पुलिस स्टेशन के ठीक सामने एक शिव मंदिर में तोड़फोड़ की गई है। स्थानीय हिन्दुओं पर क्रूर हमले किये गए हैं। यहां तक कि पुलिस को भी नहीं बख्शा गया। एक पुलिस अधिकारी को इतनी बुरी तरह पीटा गया कि उसका सिर फट गया। उन्होंने कहा कि सबसे भयावह बात यह है कि पुलिस को यह अच्छी तरह पता था कि इस घटना के पीछे कौन है, क्योंकि यह घटना तथाकथित *शांतिप्रिय* समुदाय के सदस्यों द्वारा अंजाम दी गई थी। फिर भी, उनके खिलाफ कार्रवाई करने के बजाय, पुलिस ने हिंदुओं पर लाठीचार्ज किया। उन्होंने आरोप लगाया किपवित्र तुलसी मंच को ध्वस्त कर दिया गया है, तुलसी के पेड़ों को उखाड़ दिया गया है और हिंदुओं को अपशब्द कहे गए हैं। दुकानों को लूटा गया, तोड़फोड़ की गई और यहां तक कि इलाके में कुछ हिंदुओं के घरों को भी निशाना बनाया गया।

सोनम की बेवफाई में...

इसका असर पड़ने लगा है। होटल इंडस्ट्री में भी काफी बुकिंग कैंसिल की गई हैं। शिलांग के अल्पाइन होटल के मैनेजर सचिन का कहना है कि इस घटना के बाद से होटल इंडस्ट्री पर फर्क पड़ा है। 5 से 10 प्रतिशत बुकिंग कैंसिल हुई है और नई बुकिंग कम आई है। काफी नुकसान हो रहा है। सचिन का कहना है कि मेघालय पूरी तरह सुरक्षित है और इसे बदनाम करने की साजिश की गई है। वहीं मेघालय टूरिज्म फोरम के एग्जीक्यूटिव मेंबर कमल अग्रवाल का भी कहना है कि मेघालय टूरिज्म पर काफी असर पड़ा है। होटल बुकिंग कैंसिल हो रही है। कुछ हल्का-फुल्का नुकसान टूरिज्म इंडस्ट्री को हुआ है। राजेश का भी कहना है कि ये बड़ा टूरियूएसट प्लेस है। यहां पर्यटकों के आने से लोगों को रोजगार मिलता है, लेकिन थोड़ा बहुत नुकसान जरूर हुआ है। मेघालय को बदनाम करने की कोशिश की, लेकिन मेघालय सुरक्षित जगह है। राजा रघुवंशी हत्या के बाद होटल में बुकिंग कैंसिल होने का असर टैक्सी इंडस्ट्री पर भी पड़ा है। ड्राइवरों का कहना है कि अब लोग मेघालय कम आ रहे हैं। उनकी कई बुकिंग कैंसिल हुईं। ड्राइवरों का कहना है कि अगर दो बुकिंग भी कैंसिल हुई तो काफी नुकसान हुआ है। बता दें कि करीब 16 लाख पर्यटक हर साल मेघालय घूमने आते हैं, लेकिन इस घटना के बाद टूरिज्म पर जो असर पड़ा है, उसको लेकर यहां के तमाम लोग और मंत्री भी नाराज हैं। आज तो सोनम रघुवंशी के भाई गोविंद रघुवंशी ने मेघालय सरकार से माफी तक मांगी। गोविंद ने कहा कि मैंने मेघालय सरकार पर काफी आरोप लगाए थे। उसके लिए माफी मांगता हूं।

न खंभा, न तार..

नहीं लगा है और ना ही किसी प्रकार का आवेदन किया गया। प्रधान राठौड़ का आरोप है कि बिना किसी भौतिक सत्यापन के, विभाग ने अपनी रिपोर्ट में दर्शा दिया कि वहां बिजली कनेक्शन चालू है। दिसंबर 2024 में जब उन्हें पहली बार ?70,694 का बिल थमाया गया, तो उन्होंने विभाग से संपर्क कर आपत्ति जताई। लेकिन अब तक न कोई संशोधन हुआ और न ही किसी अधिकारी ने जिम्मेदारी ली। जनवरी 2025 में बिल की राशि बढ़कर ?82,354 हो चुकी है। जबकि भवन अब भी निर्माणाधीन है और बिजली फिटिंग तक नहीं हुई है। 16 दिसंबर को अधिशासी अभियंता को लिखित शिकायत दी गई, लेकिन विभागीय अधिकारी अब तक फाइलें टालते और एक-दूसरे पर जिम्मेदारी डालते नजर आ रहे हैं। प्रधान ने इस मामले को एसडीएम तक भी पहुंचाया, लेकिन विभाग की रिपोर्ट में फिर वही झूठ दोहराया गया कि कनेक्शन चालू है। विक्रम सिंह राठौड़ ने इसे *ग्राम पंचायत को नुकसान पहुंचाने की साजिश और भ्रष्टाचार की मिसाल* बताया है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई, तो वे उच्च अधिकारियों से शिकायत और कानूनी कार्रवाई करेंगे। पूरे गांव में बिजली विभाग की इस हरकत से गहरा रोष है। वहीं, जब पत्रकारों ने इस मामले में विभागीय अधिकारियों से संपर्क किया, तो कोई भी अधिकारी जवाब देने को तैयार नहीं हुआ।

केंद्र ने खाद्य तेलों ...

19.25 प्रतिशत हो गया है। उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के अनुसार यह फैसला सितंबर 2024 में हुई शुल्क वृद्धि और अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कीमतों में उछाल के कारण घरेलू स्तर पर बढ़ती खाद्य तेल की कीमतों को नियंत्रित करने के लिए लिया गया है। सरकार ने तेल उद्योग और संघों को परामर्श जारी किया है कि शुल्क में कटौती का पूरा लाभ उपभोक्ताओं को दिया जाए। मंत्रालय का कहना है कि 19.25 प्रतिशत का शुल्क अंतर घरेलू रिफाइनिंग को प्रोत्साहित करेगा और परिष्कृत तेलों के आयात को घटाएगा। इससे घरेलू उद्योग को बढ़ावा मिलेगा और किसानों को भी उचित मूल्य मिल सकेगा। खाद्य तेलों पर आयात शुल्क, तेल की लैंडेड कॉस्ट और खुदरा कीमतों को प्रभावित करता है।

दिग्विजय सिंह के ...

प्रभाव से 6 साल के लिए निष्कासित कर दिया है। ऐसा उनकी पार्टी विरोधी गतिविधियों के चलते किया गया है। कांग्रेस की ओर से इस बारे में जानकारी नहीं दी कि आखिर किन गतिविधियों के चलते उन्हें निष्काषित किया गया है लेकिन हाल के समय में उन्होंने कुछ ऐसे बयान दिए थे जिसने कांग्रेस आलाकमान को असहज कर दिया था। उन्होंने पार्टी नेतृत्व के अपरिपक्व होने की बात कही थी। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर के बाद रॉबर्ट वाड्रा और कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर यह टिप्पणी की थी।

चीनी वस्तुओं पर ...

वैश्विक जांच के बीच उठाया गया है। अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार समूह ने बुधवार (11 जून) को चेतावनी दी कि कई वैश्विक ब्रांड अपनी आपूर्ति श्रृंखलाओं, विशेष रूप से झिंजियांग क्षेत्र से जुड़ी आपूर्ति श्रृंखलाओं के माध्यम से जबरन श्रम प्रथाओं में शामिल हो सकते हैं। रिपोर्ट में इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि खनिजों या उन खनिजों पर आधारित उत्पादों का स्रोत बनाने वाली कई कंपनियों को अनजाने में सुदूर-पश्चिमी चीन में मानवाधिकारों के उल्लंघन का समर्थन करने का जोखिम हो सकता है। दुर्लभ मृदा खनिज इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रिक वाहन और सैन्य हार्डवेयर सहित उच्च तकनीक उद्योगों में आवश्यक घटक हैं। चीन वर्तमान में इन सामग्रियों का दुनिया का सबसे बड़ा उत्पादक और निर्यातक है, जिससे उन तक पहुंच अमेरिका के लिए एक प्रमुख रणनीतिक चिंता बन गई है। ट्रंप की घोषणा बीजिंग पर बढ़े हुए टैरिफ के माध्यम से आर्थिक दबाव और अमेरिकी उद्योगों के लिए महत्वपूर्ण संसाधनों को सुरक्षित करने के बीच संतुलन बनाने का सुझाव देती है। हालांकि, चीनी आपूर्ति श्रृंखलाओं से जुड़ी मानवाधिकार संबंधी चिंताओं के कारण नैतिक सोर्सिंग और सख्त निगरानी की मांगें तेज होने की संभावना है।

सोनम ने कहा- इसे ...

चुकी है। हत्या के वक्त आकाश राजपूत नामक युवक सड़क पर खड़ा होकर लोगों की गतिविधि पर नजर रख रहा था। आकाश जिस बाइक का इस्तेमाल कर रहा था, उसे भी अब पुलिस ने जब्त कर लिया है। पत्नी सोनम का सोशल मीडिया पर किया गया एक पोस्ट अब जांच का अहम हिस्सा बन गया है। 23 मई को दोपहर 2:15 बजे राजा के सोशल मीडिया अकाउंट से *सात जनम की साथी* वाला एक पोस्ट किया गया, जो दरअसल उसकी हत्या के बाद डाला गया था। पुलिस के मुताबिक, यह पोस्ट सोनम ने राजा के मोबाइल से किया था ताकि हत्या के बाद भी राजा के जीवित होने का भ्रम बना रहे। हत्या के बाद सोनम अकेली शिलांग से गुवाहाटी आई और कामाख्या स्टेशन से ट्रेन पकड़कर सीधे गाजीपुर (उत्तर प्रदेश) चली गई। इस हत्या की साजिश इंदौर में सोनम और उसके प्रेमी राज कुशवाहा ने रची थी। लगातार फोन पर संपर्क में रहते हुए राज कुशवाहा ने पूरी साजिश को अंजाम दिलवाया। मेघालय पुलिस को मिले इन तमाम तथ्यों से साफ है कि हत्या का पूरा प्लान सोनम के इशारे पर ही हुआ। सोनम घटनास्थल पर मौजूद थी और उसी के कहने पर राजा रघुवंशी की हत्या कर दी गई।

बीएसएफ जवानों के लिए जर्जर ट्रेन मुहैया कराने के मामले में चार अधिकारी निलंबित

नई दिल्ली/गुवाहाटी (हिंस)। बीएसएफ जवानों की यात्रा के लिए जर्जर ट्रेन मुहैया कराने के पांच दिन पुराने मामले में अलीपुरद्वार कोचिंग डिपो के चार अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया है। जवानों को गंतव्य तक जाने के लिए दूसरी ट्रेन भी मुहैया कराई गयी। बीएसएफ के 1200 जवानों को 6 जून को त्रिपुरा से अमरनाथ जाना था। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे ने जो ट्रेन जवानों को मुहैया कराई उसमें खिड़कियां-दरवाजे टूटे थे। ट्रेन का वीडियो भी अब सामने आया है। इसमें टॉयलेट टूटा हुआ दिख रहा है है, लाइट नहीं है। सीटों पर गद्दियां भी गायब हैं। फर्श पर कॉकरोच दिखाई दे रहे हैं। जवानों ने इस ट्रेन पर चढ़ने से ही इनकार कर दिया था। रेल मंत्री वैष्णव ने आज नई दिल्ली स्थित नेशनल मीडिया सेंटर में पत्रकारों से कहा कि त्रिपुरा से कश्मीर ड्यूटी पर जा रहे बीएसएफ जवानों के लिए पुरानी ट्रेन की तैनाती से जुड़ी घटना को गंभीरता से लिया गया है। इस चूक के लिए अलीपुरद्वार डिवीजन के चार अधिकारियों को आज से तत्काल प्रभाव से

निलंबित कर दिया गया है। ये अधिकारी अलीपुरद्वार मंडल से हैं, जिनमें अलीपुर कोचिंग डिपो के कोचिंग डिपो अधिकारी और अलीपुर मंडल के तीन सीनियर सेक्शन इंजीनियर शामिल हैं। रेल मंत्री ने यह स्पष्ट किया कि सुरक्षा बलों की गरिमा और सुविधा सर्वोपरि है और इस प्रकार की लापरवाही किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। रेल मंत्रालय द्वारा इस पूरे प्रकरण की जांच के आदेश भी दे दिए गए हैं। सुनिश्चित किया जा रहा है कि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के सीपीआरओ कपिंजल किशोर शर्मा ने हिन्दुस्थान समाचार को बताया कि बीएसएफ जवानों की यात्रा के लिए दूसरी ट्रेन मुहैया करा दी गयी है। हालांकि सुरक्षा कारणों से ट्रेन की टाइमिंग का खुलासा नहीं किया गया। बीएसएफ के 1200 जवानों में त्रिपुरा फ्रंटियर, गुवाहाटी फ्रंटियर और एमएंडसी फ्रंटियर कंपनियां शामिल हैं। इन सभी कंपनियों के 1200 जवानों को अमरनाथ यात्रा की ड्यूटी के लिए रवाना होना था। यह स्पेशल ट्रेन उदयपुर रेलवे स्टेशन (त्रिपुरा) से 6 जून को जम्मू तवी रेलवे स्टेशन के लिए चलनी थी। उदयपुर (त्रिपुरा), आमबासा (त्रिपुरा), बदरपुर (असम), ग्वालपारा (असम) और कूचविहार (पश्चिम बंगाल) रेलवे स्टेशन से बीएसएफ जवानों को *स्पेशल ट्रेन* में सवार होना था। इस बीच बीएसएफ द्वारा आपत्ति दर्ज कराने के बाद 6 जून को रवाना होने वाली ट्रेन को रद्द कर दिया गया। उल्लेखनीय है कि अमरनाथ यात्रा पहली बार 38 दिन की हो रही है। इस बार यह तीन जुलाई से नौ अगस्त तक चलेगी। इस साल यात्रा की अवधि पिछले साल के 52 दिनों के मुकाबले घटाकर 38 दिन कर दी गई है।

अपहरण कर लूटपाट मामले में शामिल चार आरोपी गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के भरलुमुख थाना क्षेत्र में एक सब्जी विक्रेता के साथ अपहरण और लूटपाट की घटना के 24 घंटे के भीतर पुलिस ने मामले का पर्दाफाश करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मामला भरलुमुख थाना कांड संख्या 96/2025 धारा 310(2)/140(2) बीएनएस के तहत दर्ज किया गया है। शिकायतकर्ता मुनीन्द्र दास (काहिलीपाड़ा, शांति नगर निवासी) ने बताया कि 10 जून की सुबह लगभग 4-40 बजे जब वह माछखोवा सब्जी मंडी जा रहे थे, तभी बीआर फूकन रोड पर एक बलेनो कार सवार पांच लोगों ने उन्हें जबरन

गाड़ी में बिठा लिया और 1500 रुपए नकद लूटने के बाद कामाख्या गेट के पास एटी रोड पर छोड़ दिया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सिराजुल इस्लाम (21, मिलन नगर, थाना हातीगांव), बाबुल अली उर्फ जोनाब (32, गरिखाली माजदिया, थाना सर्थेबाड़ी, जिला बरपेटा), जाकिर अली (37, दौलतोल, थाना हाजो, जिला कामरूप ग्रामीण) तथा साहेब अली उर्फ सहजान (31, बरनी, थाना हाजो, जिला कामरूप ग्रामीण) के रूप में हुई एक पुलिस ने आरोपियों से अपहरण और लूटपाट में प्रयुक्त मारुति सुजुकी बलेनो कार (एएस-01-जीई-3543) बरामद की है। भरलुमुख थाना प्रभारी व उनकी टीम ने तकनीकी जांच और त्वरित कार्रवाई के जरिए 24 घंटे के भीतर मामला सुलझा लिया। आरोपी साहेब अली उर्फ सहजान पूर्व में सातगांव थाना कांड संख्या 12/25, धारा 309(2) बीएनएस में भी गिरफ्तार हो चुका है। पुलिस आगे की जांच में जुटी है।

धुबड़ी मंदिर में गौमांस पहुंचे आईजीपी अखिलेश सिंह, सात हिरासत में

धुबड़ी (हिंस)। धुबड़ी मंदिर में गौमांस बरामदगी की घटनाओं तथा उसके बाद उत्पन्न हुई स्थिति की समीक्षा के लिए आईजीपी अखिलेश कुमार सिंह ने दौरा किया। उन्होंने स्थानीय पुलिस अधिकारियों से मुलाकात कर स्थिति का जायजा लिया। आईजीपी सिंह ने जानकारी दी कि मंदिर परिसर में संदिग्ध घटना को लेकर दो मामले दर्ज किए गए हैं और अब तक सात व्यक्तियों को हिरासत में लिया गया है। उधर, बीते तीन दिनों से धुबड़ी में बनी तनावपूर्ण स्थिति अब धीरे-धीरे सामान्य होती दिख रही है। हालात में सुधार को देखते हुए शहर में लागू की गई भारतीय दंड संहिता की धारा 163(1) को हटा लिया गया है।

एडवांटेज असम 2.0 के प्रस्तावों की मंत्री बिमल बोरा की अध्यक्षता में समीक्षा

गुवाहाटी (हिंस)। राज्य में औद्योगिक निवेश को बढ़ावा देने के उद्देश्य से *एडवांटेज असम 2.0* के तहत साइन किए गए कुछ महत्वपूर्ण औद्योगिक प्रस्तावों की समीक्षा आज उद्योग, वाणिज्य और सार्वजनिक उद्यम विभाग के मंत्री बिमल बोरा की अध्यक्षता में जनता भवन के कार्यालय कक्ष में की गई। इस महत्वपूर्ण बैठक में समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करने वाले औद्योगिक प्रतिष्ठानों के तकनीकी पक्ष, उत्पादकता, औद्योगिक स्थान की उपलब्धता, भूमि आवंटन, आधारभूत संरचना विकास, बिजली आपूर्ति, राज्य सरकार द्वारा प्रदान की जाने वाली सहूलियतें, रोजगार की संभावनाएं आदि विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। इस अवसर पर उद्योग विभाग के विशेष सचिव राकेश अग्रवाला, सचिव डॉ. लक्ष्मणन एस, इंदिरा कलिता, आयुक्त एनाम चरण कुमार सिंह, असम औद्योगिक विकास निगम के प्रबंध निदेशक मानवेन्द्र प्रताप सिंह समेत विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। बैठक में प्राप्त प्रस्तावों के क्रियान्वयन को प्राथमिकता देते हुए एडवांटेज असम 2.0 को प्रभावी रूप देने पर जोर दिया गया। मंत्री बिमल बोरा ने कहा कि इन औद्योगिक विकास योजनाओं के माध्यम से असम में रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे, जिससे राज्य की आर्थिक तरक्की पर दूरगामी प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को इस दिशा में सतत प्रयासरत रहने के निर्देश देते हुए ऐसे समीक्षात्मक बैठकें नियमित रूप से आयोजित करने की भी वकालत की।

पीएमएवाई पर कार्य की समीक्षा बैठक में शामिल हुए मंत्री रंजीत कुमार दास

तामुलपुर (हिंस)। तामुलपुर जिला उपायुक्त कार्यालय में आयोजित एक समीक्षा बैठक में मंत्री रंजीत कुमार दास ने प्रधानमंत्री आवास योजना (पीएमएवाई) के कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। बैठक में उन्होंने बताया कि तामुलपुर जिले में अब तक 98 प्रतिशत कार्य सफलता पूर्वक पूर्ण हो चुके हैं। उन्होंने निर्देश दिया कि शेष कार्य आगामी 14 अगस्त तक हर हाल में पूर्ण किए जाएं। मंत्री दास ने जिले के स्थानीय उत्पाद-विशेषकर तामुल की ढकुवा प्लेट निर्माण उद्योग-के विस्तार पर भी विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि जिले में स्थानीय संसाधनों के माध्यम से छोटे-बड़े उद्योगों की स्थापना को बढ़ावा देना चाहिए, जिससे आत्मनिर्भरता और रोजगार को बढ़ावा मिलेगा।

बाक्सा जिले में कौशल यात्रा पहल की शुरुआत

मुशालपुर। असम कौशल विकास मिशन (एएसडीएम) के प्रमुख कार्यक्रम कौशल यात्रा के हिस्से के रूप में मंगलवार को बाक्सा जिले में कौशल जागरूकता कार्यक्रम शुरू किया गया। मुशालपुर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों और स्थानीय युवाओं के बीच कौशल-आधारित शिक्षा और प्रशिक्षण को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन बाक्सा जिला आयुक्त गौतम दास, एसीएस ने किया, जिन्होंने एक समर्पित कौशल जागरूकता मोबाइल वैन को भी हरी झंडी दिखाई। सभा को संबोधित करते हुए, डीसी ने आज की दुनिया में कौशल विकास के महत्व पर जोर दिया, छात्रों से उनकी रुचि के क्षेत्रों में पेशेवर प्रशिक्षण लेने का आग्रह किया। उन्होंने युवाओं को भविष्य के लिए तैयार और आत्मनिर्भर बनाने के लिए असम सरकार द्वारा कौशल यात्रा पहल की सराहना की। इस अवसर पर उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों में जाहेरुल इस्लाम, स्कूल

निरीक्षक, बीडीसी मुशालपुर; एसआर मंडल, महाप्रबंधक, डीआईसीसी; निरुपमा हलोई, मुशालपुर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की प्रधानाचार्य; और श्री कैलाश दास, जिला परियोजना प्रबंधक, बाक्सा। उन्होंने छात्रों को संबोधित किया और कौशल विकास के विभिन्न पहलुओं पर बातचीत की, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों में कुशल पेशेवरों की बढ़ती मांग पर प्रकाश डाला गया। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा द्वारा 8 सितंबर, 2023 को राज्यव्यापी रूप से शुरू की गई कौशल यात्रा का उद्देश्य एक एकीकृत कौशल शहर की स्थापना करना और असम के सभी जिलों और ब्लॉकों में कौशल केंद्र स्थापित करना है। इस मिशन का उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण और बुनियादी ढांचे तक पहुंच प्रदान करके पारंपरिक शिक्षा और आधुनिक उद्योग आवश्यकताओं के बीच की खाई को पाटना है।

बीटीआर ने जमीनी स्तर पर नेतृत्व का जश्न मनाया

मुशालपुर में सामुदायिक कैडर सम्मेलन आयोजित किया गया

मुशालपुर। बीटीआर-स्तरीय सामुदायिक कैडर सम्मेलन आज एकीकृत टेक्सटाइल पार्क, खारूजान, मुशालपुर, बाक्सा में आयोजित किया गया। असम राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत पदोन्नत सामुदायिक कैडर के समर्पण को सम्मानित करने और स्वीकार करने के लिए आयोजित इस कार्यक्रम में ग्रामीण विकास को आगे बढ़ाने में जमीनी स्तर के नेतृत्व की ताकत और प्रभाव को प्रदर्शित किया गया। इस कार्यक्रम में असम सरकार के माननीय पंचायत और ग्रामीण विकास मंत्री श्री रंजीत कुमार दास ने भाग लिया, जिन्होंने ग्रामीण महिलाओं को सशक्त बनाने और सामुदायिक संस्थानों को मजबूत करने के लिए सरकार की दृढ़ प्रतिबद्धता को दोहराया। बीटीआर के माननीय मुख्य कार्यकारी सदस्य श्री प्रमोद बोरो ने भी कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। अपने संबोधन में, बीटीसी प्रमुख ने सामुदायिक कैडर के अटूट प्रयासों और एक शांतिपूर्ण, स्मार्ट और हरित बोड़ोलैंड के निर्माण में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि हमारे कार्यकर्ता ग्रामीण प्रगति की नींव हैं। उनकी प्रतिबद्धता एक आत्मनिर्भर और समावेशी बोड़ोलैंड को आकार

दे रही है। उन्होंने विकास कार्यक्रमों के क्रियान्वयन में प्रशासन को समर्पित समर्थन के लिए टीआरआईएफ द्वारा सह-प्रशासित बीटीआर विकास फेलोशिप के प्रयासों की भी सराहना की। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री उरखाओ ब्रह्म, कार्यकारी सदस्य राकेश ब्रह्म, विल्सन हंसदा, धर्म नारायण दास, विधान सभा परिषद के सदस्य माधव चंद्र छेत्री, हेमंत राभा और रेओ रेओआ नरजिहारी सहित कई प्रमुख गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में बीटीआर, एएसआरएटएम के प्रधान सचिव अक्षदीप और जिला और ब्लॉक प्रशासन के अन्य अधिकारी शामिल हुए। इस सम्मेलन में बीटीआर के 2500 से अधिक सामुदायिक कार्यकर्ताओं,वीसीडीसी और टीसीएलसीसी के अध्यक्षों, क्लस्टर लेवल फेडरेशन के नेताओं और अन्य जमीनी स्तर के हितधारकों की भारी भागीदारी देखी गई। इस अवसर पर ग्रामीण महिलाओं के सामाजिक-आर्थिक उत्थान के उद्देश्य से बीटीसी सरकार की प्रमुख योजनाओं पर भी प्रकाश डाला गया, जिसमें लखपति अबो, महिला किसान उत्पादक कंपनियां, महिला-अनुकूल कृषि मशीनरी और बोड़ोलैंड पिग मिशन शामिल हैं। इस कार्यक्रम का एक मुख्य आकर्षण चयनित कैडरों को फील्ड किट का औपचारिक वितरण था, जो उनके निरंतर जमीनी स्तर पर जुड़ाव के लिए प्रशासन की सराहना और समर्थन का प्रतीक था। सरकार ने आश्वासन दिया कि आने वाले दिनों में बीटीआर के सभी सामुदायिक कैडरों को उनके संबंधित ब्लॉकों के माध्यम से ये किट प्राप्त होंगे। इस कार्यक्रम का समापन एक शानदार तरीके से हुआ, जिसने महिला नेतृत्व और समुदायों की ताकत पर निर्मित एक समावेशी, सशक्त और समृद्ध ग्रामीण बोड़ोलैंड के दृष्टिकोण को मजबूत किया।

धार्मिक भावनाएं आहत करने के आरोप में दो और गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। पुलिस ने सोशल मीडिया पर धार्मिक भावनाओं को आहत करने वाली पोस्ट करने के आरोप दो और लोगों को गिरफ्तार किया है। इसी के साथ अब तक इस तरह के आरोप में 92 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने इसकी जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने एक्स पर पोस्ट कर बताया कि हिंदू विरोधी तत्वों को पकड़ा गया। कार्रवाई जारी है। उन्होंने आगे बताया कि सोशल मीडिया पर सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील पोस्ट करने के आरोप में लखीमपुर पुलिस ने सबिकुल इस्लाम और नगांव पुलिस ने भगवान कृष्ण एवं रुक्मिणी पर अपमानजनक टिप्पणी करने के आरोप में दुलाल बोरा को गिरफ्तार किया है। इस तरह के मामलों में शामिल गिरफ्तार किए गए लोगों की कुल संख्या 92 हो गई है।

रंगिया में रथ यात्रा महोत्सव के तहत जलभरन कार्यक्रम

रंगिया (निसं)। रंगिया के श्री श्री जगन्नाथ बुढागोंसाईं थान में आसन्न रथ यात्रा महोत्सव के तहत जलभरन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। रंगिया के पूब सीतारा स्थित श्री श्री जगन्नाथ बुढागोंसाईं थान में रथ यात्रा महोत्सव के तहत आज जलभरन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। तृतीय वार्षिक रथ यात्रा के प्रारंभिक कार्यक्रम के रूप में आयोजित किए गए। जलभरन के कार्यक्रम में क्षेत्र के धार्मिक लोगों ने भाग लिया। रंगिया शहर के पदुमपुखुरी तक धार्मिक शोभायात्रा का आयोजन कर जलभरन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। भक्तों ने हाथों में लाए पात्रों में मंगलमय वातावरण में जल लिया और पुन: यात्रा करते हुए जयकारे के साथ थान प्रांगण की ओर बढ़ चले। भक्ति रस का अनुपम समाहार होने वाले इस कार्यक्रम के समानांतर कल स्नान यात्रा का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस उपलक्ष्य में शाम को गणपति भजन और संध्या आरती का आयोजन किया गया की जानकारी मिली है।

लायंस उमंग का जिलापाल ने किया औपचारिक दौरा

क्लब के सेवा कार्यों की मुक्तकंठ से की सराहना

गुवाहाटी। समाज सेवा के क्षेत्र में अपने कार्यों से एक अलग पहचान बन चुकी महिलाओं की अग्रणी संस्था लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी उमंग का जिलापाल ने औपचारिक दौरा किया। क्लब की अध्यक्ष पायल चड्ढा ने बताया कि लायंस उमंग द्वारा किए जा रहे दो विशेष सेवा मूलक एवं जन कल्याण कार्यों की समीक्षा जिलापाल सीमा गोयनका ने किया। चाइल्ड शोषण रोकथाम के लिए कार्य कर रही उत्साह नामक गैर सरकारी संगठन के नए केंद्र हेतु लायंस उमंग की ओर से कैंडी फ्लॉस परियोजना के अंतर्गत एयर कंडीशन, वाटर फिल्टर सहित अन्य सभी तरह की मूलभूत जरूरतो को पूरा किया। तत्पश्चात क्लब के परमानेंट प्रोजेक्ट राजगढ़ रोड स्थित निर्मात्री में चल रहे बिनामूल्य शिक्षा का दौरा किया। इस दौरान जिलापाल ने नि:शुल्क शिक्षा हासिल करने वाले विद्यार्थियों से बातचीत कर उनका अनुभव जाना। जिलापाल सीमा गोयनका ने क्लब के इस कार्य की सराहना करते हुए कहा कि बच्चे देश का भविष्य है ऐसे में लेंस उमंग की सदस्याए भारत निर्माण करने की दिशा में शानदार कार्य कर रही है। उन्होंने क्लब की अध्यक्ष पायल चड्ढा व उनकी पूरी टीम को इस कार्य के लिए बधाई दी और कहा कि यह कार्य अन्य क्लबो के लिए एक प्रेरणा स्रोत हैं। इस दौरान जिलापाल ने दसवीं की परीक्षा में बेहतर अंकों से उत्तीर्ण हुए बिना मूल्य शिक्षा हासिल करने वाले बच्चों को पुरस्करित भी किया। क्लब की सचिव स्वाति चौधरी ने बताया कि जिला पाल के औपचारिक दौरे के दौरान कोषाध्यक्ष बबीता मोर के अलावा क्लब की सभी सदस्याएं मौजूद थी।

मंगलदै में अफ्रीकन स्वाइन फीवर की पुष्टि, 130 सूअरों को किया नष्ट

दरंग (हिंस)। असम के मंगलदै क्षेत्र के कुमारपारा गांव में अफ्रीकन स्वाइन फीवर की पुष्टि होने के बाद हड़कंप मच गया है। पशुपालन विभाग ने अब तक लगभग 130 सूअरों को संक्रमित मानते हुए मारकर दफना दिया है। यह बीमारी गांव के पांच सुअर पालकों-दीपक शहरिया, जगत डेका, दुर्लभ डेका, भवेन डेका और हृदयानंद डेका-के फार्मों में फैली। इनमें से कई किसान सुअर पालन के जरिए आत्मनिर्भर बनने का सपना देख रहे थे, लेकिन अब यह बीमारी उनके लिए आर्थिक संकट बन गई है। मारे गए सूअरों में 40 गर्भवती थीं। सभी सुअर पालकों ने सरकार से उपयुक्त मुआवजा देने और भविष्य में ऐसे रोगों से बचाव के लिए टीकाकरण की व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की है।

कुआं खोदते समय मिट्टी धंसने से व्यक्ति की दर्दनाक मौत

चिरांग असम (हिंस)। पानी को जीवन कहा जाता है, लेकिन चिरांग जिले में इसी जीवनदायिनी पानी की तलाश में एक व्यक्ति को अपनी जान गंवानी पड़ी। भारत-भूटान सीमा के पास खुंग्रिंग फॉरेस्ट रेंज के अंतर्गत 2 नंबर सत्यपुर वनगांव में एक बेहद दर्दनाक हादसा हुआ। परिवार के लिए पीने के पानी का इंतजाम करने के मकसद से खुद कुआं खोद रहा 49 वर्षीय शख्स चेरमेन मुसाहारी मिट्टी धंसने से उसमें दब गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। यह हादसा सोमवार दोपहर करीब 12 बजे हुआ, लेकिन दुर्भाग्यवश आज तक उसका शव नहीं निकाला जा सका है। गांववालों ने प्रशासन को बिना सूचना दिए खुद ही एक जेसीबी मशीन लगाकर शव को निकालने की कोशिश की, लेकिन वे सफल नहीं हो पाए। आज रूनिखाता थाना पुलिस को घटना की जानकारी दी गई, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची है। अब एसडीआरएफ की टीम को मौके पर रवाना किया गया है ताकि मिट्टी में दबे व्यक्ति के शव को बाहर निकाला जा सके।

No: DDB-18/WSC&BC/2023-2024/656 *Dated Dotma the 11/06/2025*

NOTICE INVITING TENDER

Sealed Tender are invited in F-2 Form for the works shown below from the intending Registered Contractor of class-I and class-II (A, B & C) categories of Assam PWD (Roads & Building)/PHED with affixing Non-refundable court fee of Rs.8.25 (Rupees Eight and twenty-five paise) only in a prescribed Form for 1 (One) Nos of construction work under SOPD for the financial year of 2024-25 of Adivasi Welfare and Development Council. The Tender will be received on 07/07/2025 up to 2.P.M. in the office of the undersigned and will be opened on same day at 2.30 P.M. in the office of the undersigned.

Name of Work	Estimated Amount	Bid Security (In favour of BDO Dotma)	Cost of BID document (D/D) @ 0.03% (Aprox) (In favour of BDO Dotma)
"Construction of Village road with earth filling & sand gravelling at No.4 Sialmari Adivasi Village(Approx Length 600 mtrs).	Rs.7,50,000.00	1% on Estimate amount for ST/SC/OBC & 2% for General	Rs.225/-

The details may be seen at Notice Board in the Office of the Block Development Officer, Dotma Development Block from 16/06/2025 to 07/07/2025 up to 2 P.M.

Sd/-
Block Development Officer
Dotma Development Block, Dotma

IPR(BTC)/C/2025-26/841

संपादकीय

सवालों के साथ जनगणना

अंततः सरकार ने जनगणना की घोषणा कर ही दी। इस बार सामान्य जनगणना के साथ-साथ जातीय जनगणना भी की जाएगी। उम्मीद करते हैं कि जातीय जनगणना के आंकड़े पूरी ईमानदारी के साथ सार्वजनिक किए जाएंगे। 2011 में जो जनगणना कराई गई थी, उसमें जातीय डाटा अलग से इका किया गया था, लेकिन कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार ने उस डाटा को सार्वजनिक नहीं किया था। सरकार की दलीलें क्या थीं, अब यह पुराना मुद्दा हो गया है। जातीय जनगणना के साथ सामाजिक न्याय और समरसता के राष्ट्रीय मुद्दे भी नत्थी हैं। क्या जातीय संख्या के आधार पर समुदायों के हित संबोधित किए जाएंगे? क्या आरक्षण की अधिकतम सीमा 50 फीसदी को खंडित कर उसे बढ़ाया जाएगा? क्या मौजूदा मोदी सरकार इस मुद्दे पर सर्वोच्च अदालत के सामने जाएगी? महत्वपूर्ण यह है कि शीर्ष अदालत का नजरिया क्या रहता है? यह जनगणना, 2027 होगी। 2011 के बाद यह जनगणना कराई जा रही है। आजादी के बाद और संविधान लागू होने के बाद प्रत्येक 10 वर्ष के बाद जनगणना कराई जाती रही है। कोरोना वैश्विक महामारी के कारण 2021 में जनगणना नहीं कराई जा सकी, लिहाजा अब कराई जा रही है। फिलहाल यह माना जा रहा है कि 1 मार्च, 2026 से आरंभ होकर जनगणना मार्च, 2027 तक पूरी कराई जा सकती है। बेशक जनगणना की खबर अच्छी है, लेकिन कई बड़े सवालिया निशानों के साथ यह खबर हम तक पहुंची है। सबसे अहम सवाल तो यह है कि जनगणना का अंतिम आंकड़ा और डाटा क्या 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले सार्वजनिक किया जाएगा? जनगणना के डाटा से परिसीमन का महत्वपूर्ण अभियान भी जुड़ा है। परिसीमन के बाद ही लोकसभा सीटों में बढ़ोतरी कर उन्हें 800 से अधिक किया जा सकेगा। परिसीमन के बाद ही महिला आरक्षण कानून लागू किया जा सकेगा। हालांकि संसद से यह विधेयक पारित किया जा चुका है। यदि जनगणना का डाटा 2029 के आरंभ में ही सामने आता है, तो लोकसभा के इसी कार्यकाल में ही परिसीमन आयोग गठित किया जा सकता है। यदि पहले की जनगणनाओं की तरह डाटा में देरी हुई और उसे छापने में कमोबेश 2 साल लगे, तो परिसीमन की कवायद 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले पूरी नहीं होगी, लिहाजा जनगणना, 2027 दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के लिए न केवल आंकड़ों का संकलन होगी, बल्कि राजनीतिक आयाम के मद्देनजर भी महत्वपूर्ण होगी। जनगणना के आकलन और विश्लेषण किए जाएंगे कि अगले लोकसभा चुनाव से पहले चुनावी राजनीति की गति, आयाम और समीकरण बदले हैं अथवा नहीं। यदि सरकार माहवार या सालाना आधार पर खुलासा करेगी कि जनसंख्या का अंतिम आंकड़ा क्या होगा और परिसीमन को लेकर उसकी योजनाएं क्या हैं, तो उसी आधार पर जनगणना और जातीय जनगणना की व्याख्या की जाएगी। मसलन-परिसीमन आयोग 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले ही अपना काम शुरू कर सकता है, लेकिन सरकार मौजूदा 543 सीटों के लिए ही लोकसभा चुनाव कराए और बढ़ी हुई सीटें अगले लोकसभा चुनाव, 2034 तक जोड़ी जाएं, तो उसके राजनीतिक फलितार्थ बेहद विवादास्पद भी हो सकते हैं। दक्षिण भारत में विपक्ष की अधिकतर सरकारें हैं। दक्षिण ने जनसंख्या-वृद्धि को बड़ी सफलता से नियंत्रित किया है। परिसीमन से उन्हें घाटा हो सकता है। भाजपा का राजनीतिक वर्चस्व उत्तर और पश्चिम के राज्यों में है। वहां परिसीमन के बाद लोकसभा सीटें अनुपात में खूब बढ़ती हैं, तो ऐसे राजनीतिक असंतुलन पर देश में बहस छिड़ सकती है। यदि स्पष्टता नहीं हुई, तो राजनीतिक कड़वाहट भी पैदा होगी और देश में विभाजन के हालात उभर सकते हैं। आर्थिक तौर पर मजबूत हो रहा भारत ऐसे हालात नहीं चाहेगा। उत्तर बनाम दक्षिण नहीं होने देगा, लिहाजा जनगणना और परिसीमन दोनों ही बेहद नाजुक मुद्दे हैं। हम अनभिज्ञ हैं कि देश में शहरी और ग्रामीण आबादी के बीच कितने गहरे फासले हैं? कई और भी सवाल हैं। बहरहाल, जनगणना ही तमाम उलझे सवालों के जवाब दे सकती है।

सरकार की दलीलें क्या थीं, अब यह पुराना मुद्दा हो गया है। जातीय जनगणना के साथ सामाजिक न्याय और समरसता के राष्ट्रीय मुद्दे भी नत्थी हैं। क्या जातीय संख्या के आधार पर समुदायों के हित संबोधित किए जाएंगे? क्या आरक्षण की अधिकतम सीमा 50 फीसदी को खंडित कर उसे बढ़ाया जाएगा? क्या मौजूदा मोदी सरकार इस मुद्दे पर सर्वोच्च अदालत के सामने जाएगी? महत्वपूर्ण यह है कि शीर्ष अदालत का नजरिया क्या रहता है? यह जनगणना, 2027 होगी। 2011 के बाद यह जनगणना कराई जा रही है। आजादी के बाद और संविधान लागू होने के बाद प्रत्येक 10 वर्ष के बाद जनगणना कराई जाती रही है। कोरोना वैश्विक महामारी के कारण 2021 में जनगणना नहीं कराई जा सकी, लिहाजा अब कराई जा रही है। फिलहाल यह माना जा रहा है कि 1 मार्च, 2026 से आरंभ होकर जनगणना मार्च, 2027 तक पूरी कराई जा सकती है। बेशक जनगणना की खबर अच्छी है, लेकिन कई बड़े सवालिया निशानों के साथ यह खबर हम तक पहुंची है। सबसे अहम सवाल तो यह है कि जनगणना का अंतिम आंकड़ा और डाटा क्या 2029 के लोकसभा चुनाव से पहले सार्वजनिक किया जाएगा? जनगणना के डाटा से परिसीमन का महत्वपूर्ण अभियान भी जुड़ा है। परिसीमन के बाद ही लोकसभा सीटों में बढ़ोतरी कर उन्हें 800 से अधिक किया जा सकेगा। परिसीमन के बाद ही महिला आरक्षण कानून लागू किया जा सकेगा। हालांकि संसद से यह विधेयक पारित किया जा चुका है।

आप का नजरीया

सरकार का हरित कत्र्तव्य

हरित राज्य के चरित्र में हिमाचल के संस्कार अगर बदल जाते हैं, तो पहाड़ की खिड़कियां चारों तरफ हरा ही हरा देखेंगी। सरकार ने ई-टैक्सी के मार्फत जो प्रणाली शुरू की, उसकी दूसरी खेप उतर रही है। पहले 39 इलेक्ट्रिक टैक्सियां विभिन्न विभागों के साथ संबद्ध हो कर चलीं और अब तीस और जुड़ जाएंगी। इन वाहनों में पचास फीसदी सबसिडी उपलब्ध है, फिर भी इस मुहिम के लिए एक बड़ा दस्तूर चाहिए। अगर प्रदेश के भीतर ही तमाम सरकारी गाडियां हरी हो जाएं, तो देखने और समझने का कत्र्तव्य बदल जाएगा। सुक्खू सरकार अपना हरित कत्र्तव्य समझ कर पहले ही राज्य के भीतर ग्रीन कोरिडोर चिन्हित कर चुकी है और जिसके ऊपर आधारित इलेक्ट्रिक चार्जिंग स्टेशन स्थापित हो रहे हैं। हमने बहुत पहले लिखा था कि हिमाचल को इलेक्ट्रिक आधार पर परिवहन के विकल्प चुनने होंगे। इसी परिप्रेक्ष्य में परवाणू-शिमला रज्जु मार्ग व शिमला का स्थानीय ट्रांसपोर्ट नेटवर्क आधारित रोप-वे बड़ी परियोजनाएं प्रयासरत हैं। इलेक्ट्रिक वाहनों की शुरुआत में यूं तो राष्ट्रीय ग्रीन ट्रिब्यूनल के आदेश प्रेरित करते रहे हैं, लेकिन वर्तमान सरकार ने इसकी अनिवार्यता को पूरी तरह पहचाना है। स्मार्ट सिटी परियोजना के तहत धर्मशाला व शिमला में इलेक्ट्रिक बसों के कारण पर्यावरणीय व आर्थिक लाभकारी स्थिति उभरी है। अब एचआरटीसी ने इलेक्ट्रिक बसों की तरफ राज्य की संभावना में कदम रखे हैं। हिमाचल अगर राज्य में पर्यटक टैक्सी सेवा को इलेक्ट्रिक वाहनों की अनिवार्यता के साथ जोड़ दे, तो बहुत बड़ा बदलाव आएगा। आरंभिक तौर पर शिमला, धर्मशाला व मनाली के टैक्सी आपरेटरों के साथ मिलकर काम करना होगा और इसे संभव करने के लिए किसी वाहन कंपनी को स्टेट का ब्रांड बना देना चाहिए। अगर हम उदाहरण के लिए टाटा से इलेक्ट्रिक वाहन अनुबंध कर लें तो हिमाचल देश के लिए एक मॉडल सिद्ध होगा। ऐसे में वाहनों की खेप को सीधे उतारा जा सकता है। सरकार इसे रोजगार नीति के तहत सुविधाओं से यूं तो जोड़ चुकी है, लेकिन अब इसे पूरी तरह सुनिश्चित करना होगा। शिमला, मनाली, धर्मशाला या अन्य पर्यटक व धार्मिक स्थलों के लिए इलेक्ट्रिक टैक्सी की अनिवार्यता के पर्यावरणीय कारणों के साथ इसका किफायती संचालन किराए में भी छूट दे सकता है। परिवहन और पर्यावरण की अपनी चुनौतियों से जूझ रहे हिमाचल को अब अपनी क्षमता के अनुरूप नीतियां बनानी होंगी, वरना सैर-सपाटे से जुड़ा बाहरी प्रदेशों का प्रदूषण यहां अपनी डेस्टीनेशन खोज लेगा। पिछले मात्र 54 दिनों के आंकड़े ने अटल टनल को प्रदूषण की सुरंग बना दिया है। इस दौरान एक करोड़ पर्यटक और करीब दो लाख वाहन अगर गुजरते रहे, तो मानना पड़ेगा कि इस फिजा में जहर आने की रफ्तार बहुत तेज है। ऐसे में अगर मनाली के आगे केवल इलेक्ट्रिक वाहन ही चलें, तो हमारी प्रकृति को भी मुस्कराने का संबल मिलेगा, वरना अटल टनल प्रदूषण की महज सुरंग बन कर रह जाएगी।

बीमारी और अनहोनी के लिए एक बलि का बकरा खोजने के बहाने के रूप में महिलाओं को निशाना बनाया जाता है

विकास को मुंह चिढ़ा रही हैं डायन जैसी कुप्रथाएं

योगेंद्र योगी

> मानवता को कलंकित करने वाली ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए कानून बना है किन्तु ऐसे कानूनों का भी वही हाल है, जैसा निर्भया बलात्कार कांड के बाद महिलाओं की सुरक्षा के लिए बने कानूनों का हुआ है। निर्भया मामले के बाद फांसी तक प्रावधान किया गया, इसके बावजूद देश में ऐसी घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। इससे जाहिर है कि सिर्फ कानून के बूते महिलाओं के साथ होने वाले अत्याचारों को नहीं रोका जा सकता। मुजफ्फरपुर की यह वारदात डायन प्रथा की कोई इकलौती घटना नहीं है। झारखंड, बिहार, असम, ओडिशा और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में आज भी डायन के नाम पर महिलाओं को प्रताड़ित किया जाता है।

बिहार में मुजफ्फरपुर के मोतीपुर में 70 वर्षीय बुजुर्ग महिला को डायन होने के आरोप में गांव वालों ने घसीटा, पीटा और मैला पिलाने की कोशिश की। यह घटना अंधविश्वास और डायन प्रथा की वजह से हुई, जो बच्चों की बीमारी का दोष महिला पर मढने के लिए की गई। देश के राज्यों में ऐसी घटनाएं निजी दुश्मनी या संपत्ति हड़पने के लिए आम हैं। मानवता को कलंकित करने वाली ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए कानून बना है किन्तु ऐसे कानूनों का भी वही हाल है, जैसा निर्भया बलात्कार कांड के बाद महिलाओं की सुरक्षा के लिए बने कानूनों का हुआ है। निर्भया मामले के बाद फांसी तक प्रावधान किया गया, इसके बावजूद देश में ऐसी घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। इससे जाहिर है कि सिर्फ कानून के बूते महिलाओं के साथ होने वाले अत्याचारों को नहीं रोका जा सकता। मुजफ्फरपुर की यह वारदात डायन प्रथा की कोई इकलौती घटना नहीं है। झारखंड, बिहार, असम, ओडिशा और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में आज भी डायन के नाम पर महिलाओं को प्रताड़ित किया जाता है। परिवार की सम्पत्ति हड़पने की साजिश में, कभी निजी दुश्मनी में, तो कभी महज बीमारी और अनहोनी के लिए एक बलि का बकरा खोजने के बहाने के रूप में महिलाओं को निशाना बनाया जाता है। क्रूरता के कलंक की यह कथा भारत में छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, झारखंड और ओडिशा सहित कई राज्यों में कानूनी प्रावधानों को ठेंगा दिखाते हुए बेखौफ जारी है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) के 2022 के आंकड़े इस अमानवीय सच्चाई की केवल एक झलक दिखाते हैं। इन आंकड़ों के मुताबिक, 2022 में डायन प्रथा के नाम पर देशभर में 85 हत्याएं दर्ज हुईं। लेकिन जो दर्द पुलिस रिकॉर्ड में दर्ज नहीं हो पाता, उसकी संख्या कहीं अधिक है। कई पीड़ित महिलाएं तो कभी पुलिस स्टेशन तक पहुंच ही नहीं पातीं। डर, समाज का दबाव और अक्सर पुलिस की अनदेखी, इस काली गिनती को अधूरा छोड़ देती है। एनसीआरबी के 2014 में आंकड़े के मुताबिक़ झारखंड में 2012 से 2014 के बीच 127 महिलाओं की हत्या डायन बताकर कर दी गई। राज्यसभा में एक सवाल के जवाब में तत्कालीन गृह राज्यमंत्री एचपी चौधरी ने ये आंकड़े बताए थे। वर्ष 2022 में ऐसे अपराधों में कमी आई है, लेकिन इसे पूरी तरह से खत्म होने में शायद अभी भी दशकों लग जाएं। यह समस्या सिर्फ भारत तक सीमित नहीं है। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (2021) की रिपोर्ट बताती है कि 2009 से 2019 के बीच विश्व के 60 देशों में करीब 20,000 ऐसी घटनाएं सामने आईं, जहां लोगों को डायन बताकर प्रताड़ित किया गया।

एक नई रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ओडिशा के 30 जिलों में से 12 जिलों, विशेषकर मयूरभंज, क्योंझर, सुंदरगढ़, मलकानगिरी, गजपति और गंजम- में डायन-शिकार अभी भी अत्यधिक प्रचलित है। इस तरह की अंधविश्वासी प्रथाओं के ज़्यादातर शिकार स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं या फसल खराब होने के कारण होते थे। अध्ययन के अनुसार, लगभग 27 प्रतिशत मामले बच्चों में स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के कारण, 43.5 प्रतिशत वयस्क परिवार के सदस्य की स्वास्थ्य समस्याओं के कारण, 24.5 प्रतिशत दुर्भाग्य या ज़मीन हड़पने के कारण और 5 प्रतिशत फसल खराब होने के कारण होते हैं। इस खौफनाक कुप्रथा की सबसे बड़ी शिकार महिलाएं बनती हैं। खासकर वे जो विधवा हैं, अकेली हैं या मानसिक स्वास्थ्य की चुनौतियों से जूझ रही हैं। समाज के बीमार हिस्से ने इन्हें हर अनहोनी का कारण मान लिया है। अगर किसी घर में कोई बीमार पड़ जाए, फसल खराब हो जाए या गांव में कोई अनजानी विपत्ति आ जाए, तो इन बेबस महिलाओं को ही दोषी ठहराया जाता है। अंधकार के बीच उम्मीद की किरण भी दिखाई देती है। असम की बीरूबाला राभा ने इसी प्रथा के खिलाफ अकेले मोर्चा खोला था। उन्होंने अपना पूरा जीवन डायन प्रथा के खिलाफ संघर्ष में झोंक दिया. उनकी मेहनत रंग लाई और असम में इसके खिलाफ कानून बना। असम सरकार का दावा है कि इस कानून के प्रावधान दूसरे राज्यों के ऐसे कानूनों के मुकाबले कठोर हैं। लेकिन सामाजिक कार्यकर्ताओं का कहना है कि महज कानून बना कर सदियों पुरानी इस कुप्रथा को खत्म करना संभव नहीं है। इसके लिए बड़े पैमाने पर सामाजिक जागरूकता जरूरी है। दिल्ली स्थित संगठन पार्टनर्सस फार ला इन डेवलपमेंट नामक एक संगठन ने अपने शोध में कहा कि डायन प्रथा की जड़ें पितृसत्तात्मक मानसिकता, आर्थिक झगड़ों, अंधविश्वास और दूसरी निजी और सामाजिक संघर्ष में छिपी हैं। ज्यादातर मामले पुलिस के पास ही नहीं पहुंचते। ऐसे में सरकारी आंकड़े इस भयावह समस्या की सही तस्वीर नहीं दिखाते। देश में डायन प्रथा कब से शुरू हुई, इसका कोई प्रामाणिक इतिहास तो नहीं मिलता लेकिन यह सदियों पुरानी है। राजस्थान के ग्रामीण इलाकों में डाकन या डायन प्रथा कोई छह-सात सौ साल पहले से चलन में थी। इसके तहत अपनी जादुई ताकतों के कथित इस्तेमाल से शिशुओं को मारने के आरोप में महिलाओं की पीट-पीट कर हत्या कर दी जाती थी। उस दौर में वहां हजारों औरतें इस कुप्रथा का शिकार हुई थीं। राजपूत रियासतों ने 16वीं सदी में कानून बना कर इस प्रथा पर रोक लगा दी थी। वर्ष 1553 में उदयपुर में पहली बार इसे गैर-कानूनी घोषित कर दिया गया था। बावजूद इसके यह बेरोक-टोक जारी रही। यह प्रथा असम के मोरीगांव जिले में फली-फूली। इस जिले को अब काले जादू की भारतीय राजधानी कहा जाता है। दूर-दराज से लोग काला जादू सीखने यहां आते हैं। नेशनल क्राइम रिकाड्र्स ब्यूरो (एनसीआरबी) के आंकड़ों के मुताबिक, वर्ष 2000 से 2016 के बीच देश के विभिन्न राज्यों में डायन करार देकर 2,500 से ज्यादा लोगों को मार दिया गया। उनमें ज्यादातर महिलाएं थीं। इस मामले में झारखंड का नाम सबसे ऊपर है। एनसीआरबी के आंकड़ों के मुताबिक राज्य में वर्ष 2001 से 2014 के बीच डायन होने के आरोप में 464 महिलाओं की हत्या कर दी गई। उनमें से ज्यादातर आदिवासी तबके की थीं। लेकिन सामाजिक कार्यकर्ताओं का दावा है कि एनसीआरबी के आंकड़े तस्वीर का असली रूप सामने नहीं लाते। डायन के नाम पर होने वाली हत्याओं की तादाद इससे कई गुनी ज्यादा है। लेकिन ग्रामीण इलाकों में डायन के खिलाफ लोगों की एकजुटता की वजह से ज्यादातर मामले पुलिस तक नहीं पहुंच पाते। डायन प्रथा हो या निर्भयाकांड, सरकारें कानून बना कर अपनी जिम्मेदारी को पूरा मान लेती हैं, जमीनी धरातल पर हकीकत में तस्वीर बदले या न बदले। आई.टी सैक्टर, चिकित्सा, विज्ञान एवं तकनीक, प्रबंधन क्षेत्र, रॉकेट साइंस सहित विभिन्न क्षेत्रों ने भारत ने विश्व में अपना लोहा मनवाया है। विश्व की प्रमुख कंपनियों में से ज्यादातर के सीईओ भारतीय हैं। इसके बावजूद भारत में डायन जैसी कुप्रथा के मौजूद होने को यही माना जा सकता है कि असंतुलित विकास ऐसे कुरीतियों के लिए जिम्मेदार है। देश के विभिन्न राज्यों में डायन प्रथा के खिलाफ कानून होने के बावजूद अब तक इस सामाजिक कुरीति पर अंकुश नहीं लग सका है। गरीबी और विकास की बुनियादी सुविधाओं से वंचित इलाकों में ऐसे घटनाओं से जाहिर है कि असमानता चाहे जिस भी स्तर पर हो, जब तक उसका खात्मा नहीं होगा तब तक विकास की तमाम सफलाताओं के बावजूद महिलाएं अत्याचार की चक्की में पिसती रहेंगी।

देश दुनीया से

दुश्मनों से सटी सरहदें बलिदान की तलबगार

ग्यारह अप्रैल 2025 को अखनूर सेक्टर में नियत्रंण रेखा पर घुसपैठ कर रहे तीन आतंकियों को सेना ने हलाक करके घाटी में पाकिस्तान की एक बड़ी साजिश को नाकाम कर दिया था। मगर अफसोश उस एनकाउंटर में सैन्य दस्ते का नेतृत्व करने वाले हिमाचल के सूबेदार 'कुलदीप चंद' '9 पंजाब' शहीद हो गए। पहलगाम हमले के बाद सेना द्वारा पाकिस्तान पर 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान पुंछ सेक्टर में एलओसी पर पाक गोलीबारी में दस मई 2025 को हिमाचल के एक अन्य शूरवीर सूबेदार मेजर 'पवन कुमार' '25 पंजाब' बलिदान हो गए। 20 मई 2025 को कारगिल में एवलांच की चपेट में आने से हिमाचल के सैनिक 'नवीन कुमार' वीरगति को प्राप्त हो गए। गत दो जून को सिक्किम में भीषण सैलाब में आपदा राहत में ड्यूटी के दौरान भूस्खलन की चपेट में आने से सिरमौर के जांबाज सैनिक 'मनीष ठाकुर' वीरगति को प्राप्त हो गए। 22 मई 2025 को राष्ट्रपति द्वारा रक्षा अलंकरण समारोह में प्रदान किए गए वीरता पदकों में दो वीरता पदक हिमाचल के हिस्से आए हैं। कश्मीर में 23 जुलाई 2024 को आतंकियों से लडक़र शहीद हुए हिमाचल के जांबाज 'दिलावर खान' को अदम्य साहस के लिए 'कीर्ति चक्र' मरणोपरांत से सरफराज किया गया। हिमाचल के हवलदार 'रोहित नेगी' 'हाई अल्टीट्यूड वारफेयर स्कूल' में प्रशिक्षक के तौर पर तैनात थे। 18 हजार छह सौ फीट की बुलंदी पर पर्वतारोहण प्रशिक्षण के दौरान आठ अक्तूबर 2023 को रोहित नेगी अपने सैन्य दल के साथ हिमस्खलन की चपेट में आ गए थे। नौ महीने की अथक खोज के बाद आठ जुलाई 2024 को सेना ने रोहित नेगी, ठाकुर बहादुर अले व गौतम राजवंशी के शव बरामद किए थे। खौफनाक हिमखंडों के बीच निर्भीक पर्वतारोहण कौशल के लिए बलिदान हुए रोहित नेगी को 'शौर्य चक्र' मरणोपरांत से अलंकृत किया गया। स्मरण रहे हिमाचल प्रदेश के कर्नल 'मदन लाल चड्ढा' 'पैराशूट रेजिमेंट' सन1965 के दौर में उसी 'हाई अल्टीट्यूड वारफेयर स्कूल' के कमाडेंट थे। उस वक्त पाकिस्तान ने 'आपरेशन जिब्राल्टर' मंसूबे को अंजाम देकर कश्मीर पर हमला कर दिया था। कर्नल चड्ढा ने 'हवास' स्कूल के प्रशिक्षु जवानों की कंपनी के नेतृत्व में कश्मीर के 'सोनमर्ग' पर कब्जा करने वाले पाक सैन्य दस्ते पर जोरदार हमला करके पाक मंसूबे को ध्वस्त करके 31 अगस्त 1965 को अपना सर्वोच्च बलिदान दिया था। युद्ध में शूरवीरता के लिए कर्नल मदन लाल चड्ढा को 'वीर चक्र' मरणोपरांत से नवाजा गया था। 21 अक्तूबर 1962 को चीन की 'पीपल्स लिबरेशन आर्मी' ने अरुणाचल प्रदेश पर हमला किया था। अरुणाचल के 'वालोंग सेक्टर' में चीनी सेना को मुंहतोड़ जवाब देने के लिए सेना की 'चार डोगरा' बटालियन तैनात थी। पीएलए पर जवाबी हमले में 16 नवंबर 1962 को कांगड़ा के सिपाही 'कर्म चंद कटोच' बलिदान हो गए थे। उस हमले के दौरान वालोंग में भारी हिमसख्लन के कारण सैनिकों के शव बर्फ की आगोश में समा गए थे। जुलाई 2010 में वालोंग में सडक़ निर्माण में लगे 'बीआरटीएफ' के जवानों को कर्मचंद का शव मिला था। जंग के दौरान हाथ पर बांधे गए 'डिस्क' से शव की शिनाख्त हुई। 48 वर्षों बाद सेना ने 15 जुलाई 2010 को कर्मचंद कटोच का शव उनके गांव 'अजोगर' में पहुंचा कर अंतिम संस्कार किया था। छह फरवरी 2022 को अरुणाचल के कामेंग सेक्टर में एलएसी पर गश्त के दौरान सेना की 'जैक राइफल' के सात जवान हिमस्खलन की चपेट में आकर वीरगति को प्राप्त हो गए, जिनमें 'अंकेश भारद्वाज' व 'राकेश कुमार' का संबंध हिमाचल से था। सात फरवरी 1968 को भारतीय वायुसेना का ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट 'एएन 12' चंडीगढ़ से लेह की उड़ान पर था, मगर खराब मौसम के चलते विमान लेह में नहीं उतरा। नतीजतन विमान ने दोबारा चंडीगढ़ का रुख किया, लेकिन विमान चंडीगढ़ नहीं पहुंचा। उसमें सवार 102 सैनिकों का कई वर्षों तक कोई पता नहीं चला। दरअसल वो विमान हिमाचल के रोहतांग में 'ढाका' ग्लेशियर के पास क्रैश हो गया था। रोहतांग दर्रे के पास एक पर्वतारोही दल को सन2003 में बेली राम नामक सैनिक का शव मिला। उसके बाद सेना ने खोजी अभियान शुरू किया। सन2007 में चार और सैनिकों के शव बरामद हुए। सन2018 में उस जहाज का मलबा भी मिला। सर्च ऑपरेशन में लगी सेना को 56 वर्षों बाद तीन अक्तूबर 2024 को नारायण सिंह बिष्ट, थामस चेरियन, मलखान सिंह व मुंशी राम नामक सैनिकों के शव बरामद हुए। शवों की पहचान वर्दी पर लगी 'नेम प्लेट' तथा पर्स में मौजूद कागजात से हुई। पार्थिव शवों को उन सैनिकों के गृह नगर पहुंचाया गया। 20 फरवरी 2019 को किन्नौर में एलएसी पर 'शिपकी लॉ' के नजदीक जैक राइफल के पांच जवान हिमस्खलन की आगोश में समा गए थे, जिनमें 'राजेश ऋषि' सोलन जिला से थे। 29 मई 1984 को सियाचिन में गश्त के दौरान बर्फीले तूफान की आगोश में समा गए '19 कुमाऊं' के 20 सैनिकों में से 14 जवानों के शव कुछ दिनों बाद मिले थे। एक सैनिक 'चंद्रशेखर' का शव 38 वर्षों बाद सन2022 में मिला था। बाकी पांच सैनिकों के शव आज तक लापता हैं। लिहाजा सैन्य संघर्षों पर सवाल उठाने वालों के लिए यहां 'मुजफ्फर रज्मी' की तहरीर का जिक्र करना लाजिमी है, 'इस राज को क्या जाने साहिल के तमाशाई, हम डूब के समझे हैं दरिया तेरी गहराई'। मफहूम ये है कि सैन्य संघर्षों व सैन्य जीवन की हकीकत का इल्म केवल अपना यौवन वतन की सरहदों को समर्पित करने वाले सैनिकों को ही होता है।

कुछ अलग

न्यू नार्मल है बेढंगी बात

बात मन की हो या फालतू। होगी तो बेढंगी ही। फिर इन दोनों बातों को बेढंगी बात ही क्यों न कहा जाए या माना जाए। विशेषज्ञ भले इन तीनों बातों को हिंदी की सामान्य बोलचाल में प्रयोग होने वाले मुहावरे मानते हुए कहते हों कि इनके अर्थ और संदर्भ एक-दूसरे से बिल्कुल अलग हैं। पर देश और दुनिया के वर्तमान हालात देखते हुए मुझे लगता है कि पहली दोनों बातें अर्थात् मन की बात और फालतू बात बेढंगी बात के ही दो पहलू हैं। बेढंगी बात वर्तमान विश्व का वह खरा सिक्का है जो आजकल ख़ूब प्रचलन में है। सत्ता में बैठे पात्र मतदाताओं द्वारा चुने हुए राजा और सामंत, उनके चेले-चपाटे तथा राजभक्त, सभी बेढंगी बात करने और कहने में माहिर हैं। राजभक्तों को आप चाहें तो अंधभक्त भी कह सकते हैं। वास्तव में राजभक्त और देशभक्त में दिन-रात का अंतर है। लेकिन सरकारी या राजशाही की भाषा में राजभक्ति या अंधभक्ति ही सच्ची देशभक्ति है। सही या गलत सवाल पूछने या ढंग की बात करने पर न केवल राजा, सामंत तथा उनके चेले-चपाटे, बल्कि राजभक्त भी आपकी सेवा में ट्रोल्स, सामाजिक निगरानीकर्ता, गौ-रक्षक और तमंचे पेश कर सकते हैं। अगर आप थोड़े भाग्यशाली हुए तो आपको धमकाते हुए पाकिस्तान जाने की सलाह दी जा सकती है। इससे भी बात न बनने पर तो आपको देशद्रोही साबित करने के लिए देश की दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मुकद्दमा दायर किया जा सकता है। हो सकता है आपको मेरी बात बेढंगी लग रही हो, पर आजकल चलन इसी बात का है। संसद हो या सडक़, रैली हो या सम्मेलन, जो भी बात होती है, बेढंगी ही होती है। नए जमाने का नया नार्मल है, न्यू नार्मल। अगर आपको अब भी यकीन न हो तो...जी की रगों में बहता हुआ गरम सिंदूर देख लें या उन्हें अपने सरकारी प्रांगण के बीचों-बीच सिंदूर का पौधा लगाते हुए देख लें। इससे भी मन न भरे तो हर साल सावन में कांवडियों पर उत्तम प्रदेश की योगी पुलिस द्वारा की जाने वाली या गुजरात के रोड शो में कर्नल सोफिया के परिवार द्वारा...जी पर की जाने वाली पुष्प वर्षा देख लें। शायद इन मिसालों से आपको विश्वास हो जाए कि बात चाहे मन की हो या फालतू, होती बेढंगी ही है। अगर ऐसा न होता तो करने वाले को मन की बात या फालतू बात कहने की जरूरत ही न पड़ती। वैसे विशेषज्ञ मन की बात उस बात को कहते हैं जो किसी के दिल में छुपी हो, जिसे वह वास्तव में सोचे या महसूस करे, लेकिन आम तौर पर कह न पाता हो। इसे भावनात्मक, सच्ची और निजी बात की श्रेणी में रखा जा सकता है। यह सकारात्मक और आत्मीय संवाद को दर्शाती है। अब पता नहीं आप मुझसे इत्तिफाक होने पर ऑल इंडिया रेडु (रेडियो) पर हर अंतिम रविवार को आने वाली...जी की 'मन की बात' को किस श्रेणी में रखना पसंद करें।

दृष्टि कोण

'मेक इन इंडिया' इलेक्ट्रिक कारों का भविष्य

इलेक्ट्रिक वाहनों के प्रयोग से वायु प्रदूषण को बड़ी हद तक कम किया जा सकता है, क्योंकि इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोग से ग्रीन हाऊस गैसों का उत्सर्जन लगभग न के बराबर होता है। कई बार यह भी कहा जाता है कि जिस बिजली का उपयोग इलेक्ट्रिक वाहनों की बैटरी को चार्ज करने के लिए किया जाता है, यदि वो कोयले या गैस से बनती है तो अप्रत्यक्ष रूप से इलेक्ट्रिक वाहन कुछ हद तक और भी ग्रीन हाऊस गैसों का उत्सर्जन करते हैं। यह भी सही है कि ईवी वाहनों के निर्माण के समय भी जरूर कुछ हद तक प्रदूषण फैलता है, लकिन यदि ईवी वाहनों के कुल जीवन को देखा जाए तो पेट्रोल, डीजल, गैस आदि से चलने वाले वाहनों के मुकाबले इलेक्ट्रिक वाहनों में कहीं कम ग्रीन हाऊस गैसों का उत्सर्जन होता है। इसीलिए घनी आबादी वाले शहरों में, जहां वाहनों से आने वाला धुआं बड़ी मात्रा में हवा को प्रदूषित करता है, इलेक्ट्रिक वाहनों का उपयोग शहरों को अधिक स्वस्थ और रहने योग्य बनाने में सहायक हो सकता है। साथ ही इलेक्ट्रिक वाहनों के उत्पादन के साथ यदि नवीकरणीय स्त्रोतों से भी बिजली का उत्पादन हो, स्मार्ट ग्रिड का विकास हो और स्वच्छ बैटरी उत्पादन और उनकी रीसाईकलिंग की भी व्यवस्था भली भांति की जाए तो शहरों की हवा को ठीक करने में इलेक्ट्रिक वाहनों का बड़ा योगदान हो सकता है। इसलिए दिल्ली और अन्य महानगरों के वातावरण को बेहतर करने और उन्हें रहने योग्य बनाने में इलेक्ट्रिक वाहनों का बड़ा महत्व है। लेकिन इसके साथ ही साथ यह भी जरूरी है कि इलेक्ट्रिक वाहनों के निर्माण में देश आत्मनिर्भर भी बने। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार भारत में इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी)

बाजार 2030 तक 250 बिलियन डॉलर का हो सकता है। 2021 में बाजार का मूल्य 1.45 बिलियन डॉलर और 2022 में 3.21 बिलियन डॉलर था। भारत में इलेक्ट्रिक वाहन बाजार तेजी से बढ़ रहा है। विभिन्न मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, पिछले साल ईवी की बिक्री दस लाख का आंकड़ा पार कर गई और 2030 तक यह संख्या 170 लाख यूनिट तक पहुंचने की उम्मीद है। बाजार में तेजी के रुझान के साथ, देश के अधिकांश कार निर्माताओं ने अपने कुछ सबसे ज्यादा बिकने वाले वर्तमान मॉडल को इलेक्ट्रिक वर्जन में बनाना भी शुरू कर दिया है। काफी समय से इस बात पर विवाद चल रहा था कि अमरीकी कंपनी टेस्ला भारत में इलेक्ट्रिक कारों का निर्माण करेगी या नहीं। टेस्ला उनकी कारों पर भारत में आयात शुल्क में कमी के लिए पैरवी कर रही थी। उनका तर्क था कि वे अपनी इलेक्ट्रिक कारों को लाकर भारतीय बाजारों को परखना चाहते हैं और इसलिए वे भारत में अपनी स्थिति को परखने के लिए आयात शुल्क में छूट की मांग कर रहे हैं। हालांकि, कंपनी के इस ढुलमुल रवैये से भारत में विनिर्माण सुविधाएं शुरू करने के उनके वास्तविक इरादे पर संदेह पैदा हो रहा था। लेकिन अब यह लगभग स्पष्ट हो गया है कि कंपनी भारत में अपनी टेस्ला कार का विनिर्माण शुरू करने में रुचि नहीं रखती है। हाल ही में भारत में ईवी नीति की घोषणा करते हुए सरकार ने भी यह संकेत दिया है कि टेस्ला कंपनी देश में अपनी कारों का विनिर्माण करने में रुचि नहीं रखती है। सरकार ने इस बीच भारत में इलेक्ट्रिक कारों के विनिर्माण को प्रोत्साहित करने वाली नीति पेश की है। हालांकि नई ईवी नीति 15 प्रतिशत की रियायती टैरिफ दर पर इलेक्ट्रिक कारों के आयात की भी अनुमति देती है, लेकिन आयातित कारों की कुल संख्या पर 8000 कारों की सीमा है, जिसके बाद आयात शुल्क 115 प्रतिशत तक जा सकता है। नीति में 35000 डॉलर से अधिक कीमत वाली किसी भी आयातित इलेक्ट्रिक कार पर शुल्क में कटौती की पेशकश की गई है, बशर्ते निर्माता तीन साल के भीतर स्थानीय संयंत्र स्थापित करने के लिए कम से कम 42500 करोड़ रुपए या लगभग 500 मिलियन डॉलर का निवेश करे।

प्रधानमंत्री मोदी ने आधुनिक भारत के निर्माण में बड़ी भूमिका निभाई : सीएम

सिरसा (हिंस)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने बुधवार को सिरसा में संत कबीर जयंती पर आयोजित प्रदेश स्तरीय समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हमेशा संत कबीर के विचारों को आधुनिक भारत की नींव बताया है। संत कबीर के विचारों को आगे बढ़ाते हुए आजादी के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आधुनिक भारत के निर्माण में बड़ी भूमिका निभाई है। पिछले 11 सालों में प्रधानमंत्री के नेतृत्व में सरकार ने कल्याणकारी योजनाएं चलाकर गरीबों को सशक्त व मजबूत करने का काम किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हरियाणा सरकार ने भी सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मूल

मंत्र पर चलते हुए समाज के हर वर्ग के उत्थान के लिए अनेक योजनाएं और नीतियां लागू की हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार का मूल दर्शन अंत्योदय है, पंक्ति में खड़े अंतिम व्यक्ति का उत्थान है। यही संत कबीर का मार्ग है, यही हमारी नीतियों का आधार है। उन्होंने कहा कि जब वंचित अनुसूचित जाति के लिए आरक्षण के प्रावधान पर सुप्रीम कोर्ट का निर्णय आया तो हरियाणा सरकार ने उस निर्णय को प्रदेश में लागू करने का काम किया और डीएससी समाज को उसका हक दिया। समारोह में मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने कहा कि संत कबीर जैसे महापुरुषों की शिक्षाएं आज के समाज के लिए अत्यंत प्रासंगिक हैं। उन्होंने सत्य, समानता, भाईचारे और मानवता का संदेश दिया, जिसे जन-जन तक पहुंचाना हम सभी का कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि वर्षों तक डीएससी समाज को संघर्ष करना पड़ा। अनेक बार अन्य सरकारों और मुख्यमंत्रियों के समक्ष यह मुद्दा उठाया गया, लेकिन समाधान के बजाय केवल आश्वासन और आंदोलन मिले। समाज के नेताओं को विरोध प्रदर्शन करने पड़े और कई आंदोलनकारियों को जेल तक जाना पड़ा। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल कौशिक ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि यह दिन केवल महापुरुष की जयंती का नहीं है, बल्कि एक ऐसे युगपुरुष की स्मृति का दिन है, जिन्होंने समाज को जात-पात और भेदभाव से ऊपर उठाकर समरसता का मार्ग दिखाया। उन्होंने कहा कि संत कबीर के विचार आज भी प्रेरणा देते हैं और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी उन्हीं के सिद्धांतों के अनुरूप समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर चल रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने दुनिया को अहिंसात्मक युद्ध की नई तकनीक सिखाई : डॉ. मोहनदास

कोटा (हिंस)। भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री एवं राज्यसभा सांसद डॉ. मोहनदास अग्रवाल ने पत्रकारों से कहा कि विश्व बैंक द्वारा 8 जून को जारी सूचना के अनुसार, भारत में अत्यधिक गरीबी से प्रभावित आबादी में 17.2 करोड़ की कमी आ गई है। वर्ष 2011-12 में ऐसे गरीबों की संख्या 16.22 प्रतिशत थी जो 11 वर्षों में घटकर 2.3 प्रतिशत रह गई है। नरेंद्र मोदी सरकार के 11 वर्ष पूरे होने पर उन्होंने कहा कि हाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुनिया को अहिंसात्मक युद्ध की नई तकनीक सिखाई, जिसमें ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से आतंकवाद के खिलाफ लेप्रोस्कोपिक युद्ध लड़कर पाकिस्तान को घुटने टेकने पर मजबूर कर दिया। भारतीय सेना ने 100 से अधिक आतंकवादियों के साथ उनके महत्वपूर्ण ठिकानों व प्रशिक्षण केंद्रों को भी ध्वस्त कर दिया। डॉ. अग्रवाल ने कहा कि 11 साल पहले 2014 में भारत दुनिया के सबसे संकटग्रस्त देशों की सूची में था। तब भारत का सकल घरेलू उत्पाद मात्र 2.1 ट्रिलियन डालर था तो 2025 में बढ़कर 4.3 ट्रिलियन डालर हो गया है। जिसके बल पर भारत दुनिया की चौथी बडी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। इतना ही नहीं, 2014 में भारत की प्रति व्यक्ति आय मात्र 72 हजार रू थी जो आज बढ़कर 2.36 लाख रू तक हो चुकी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की मान्यता है कि देश के संसाधनों पर पहला अधिकार गरीबों का है। देश के गरीब वर्ग को 4 करोड़ आवास, 12 करोड़ शौचालय, 15 करोड़ घरों में शुद्ध पेयजल कनेक्शन, 12 करोड़ गरीबों को निशुल्क गैस कनेक्शन व गैस सब्सिडी, 11 करोड़ किसान सम्मान निधि, 56 करोड़ मरीजों को आयुष्मान योजना का लाभ, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना, 68 लाख स्ट्रीट वेंडर्स को लाभ देते समय वोट बैंक की राजनीति से परे सभी वर्गों के गरीब परिवारों को प्राथमिकता दी। डॉ. राधामोहन ने कहा कि 2014 में 2 लाख रू की आय ही आयकर से मुक्त थी, उसे बढ़ाकर 12.75 लाख रू तक कर दिया है। कॉर्पोरेट टैक्स को 35 प्रतिशत से घटाकर 15 प्रतिशत कर दिया है। बैंकों की रेपो दरों में 1 प्रतिशत कमी होने से नागरिकों को होम, पर्सनल व कार लोन की किश्तों में कमी आई है। मोदी सरकार ने किसानों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुये 3.7 करोड़ की किसान सम्मान निधी 1.76 लाख करोड़ की फसल बीमा योजना, 93 हजार करोड़ की सिंचाई योजनायें 25 करोड़ मुद्रा स्वास्थ्य कार्ड, 2 लाख करोड़ रू की खाद सब्सिडी, गेंहू की एमएसपी 2425 रू क्विंटल करना धान का न्यूनतम सपोर्ट मूल्य 2369 रू क्विंटल सहित किसान क्रेडिट कार्ड से 7 प्रतिशत ब्याज दर पर ऋण सीमा 6 लाख करके किसानों की आय को दोगुना करने का प्रयास किया है।

पौधा नहीं दिखा तो सैलरी नहीं! ग्रीन मिशन पर प्रशासन का सख्त रुख

मीरजापुर (हिंस)। विंध्य और गंगा दोनों अब हरियाली की उम्मीद में हैं। पेड़ लगाना अब सिर्फ औपचारिकता नहीं, प्रशासनिक जिम्मेदारी बन चुका है। गड्ढा खोदोगे, पौधा लगाओगे तो वेतन पाओगे। वरना... ? हरियाली का यह युद्ध अब सिर्फ धरती के लिए नहीं, इंसान की जिम्मेदारी का भी इम्तिहान है। जिलाधिकारी ने जिला पर्यावरण एवं गंगा समिति की बैठक में साफ शब्दों में कह दिया कि अब सिर्फ मीटिंग में बैठने से काम नहीं चलेगा, धरातल पर पौधे दिखने चाहिए। इसके लिए गड्ढा भी पहले से खुदा होना चाहिए वरना जिम्मेदार अधिकारियों की सैलरी रोक दी जाएगी। डीएम ने कहा कि पौधरोपण का सीजन आने ही वाला है। ऐसे में हर विभाग को अपना होमवर्क पूरा करना होगा। पौधरोपण के लिए कौन-सी जगह चुनी गई है, कितने गड्ढे खुदे और उनकी देखभाल की योजना क्या है। ये सब दो दिन के अंदर वन विभाग को सौंपना होगा। लापरवाह अफसरों की खैर नहीं! पिछली बैठक में निर्देश मिलने के बावजूद जिन अफसरों ने कोई कार्य योजना नहीं दी और जो बिना सूचना के बैठक से गायब रहे- जैसे लोक निर्माण विभाग के प्रांतीय और निर्माण खंड के अधिशासी अभियंता व प्राविधिक शिक्षा संस्थान के प्राचार्य, पर डीएम ने सीधी कार्रवाई की और वेतन रोकने के आदेश दिए। कौन कितने पौधे लगाएगा? वन विभाग के प्रभागीय अधिकारी अरविंद राज मिश्र ने बताया कि इस साल वृक्षारोपण का बड़ा लक्ष्य तय किया गया है। वन विभाग को 44, 90, 600 पौधे, ग्राम्य विकास विभाग को 24, 45, 900, पर्यावरण विभाग को 4 लाख, नगर विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, सिंचाई आदि सभी विभागों को उनके हिसाब से लक्ष्य दिए गए हैं। गंगा किनारे भी हरियाली का प्लान डीएम ने कहा कि गंगा घाटों, चबूतरों, तालाबों और बंजर जमीनों पर भी पेड़ लगाने की योजना बने। इस बार सिर्फ पौधा लगाकर फोटो खिंचवाना नहीं, उनकी सुरक्षा और देखभाल की जिम्मेदारी तय की जाए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में हर ब्लॉक से 5-5 ऐसी जगहें चिन्हित की जाएं जहां बड़े स्तर पर वृक्षारोपण किया जा सके।

राजस्थान : 24 घंटे में तीन सड़क हादसे, 12 की मौत व 24 घायल, कहीं दूल्हा तो कई दुल्हन की गई जान

जयपुर (हिंस)। राजस्थान में 24 घंटे के दौरान तीन अलग-अलग जिले जैसलमेर, जालोर और जयपुर ग्रामीण जिले में तीन सड़क दुर्घटनाओं में दूल्हा-दुल्हन समेत 12 लोगों की मौत हो गई। इन दुर्घटनाओं में 24 से अधिक लोग घायल हुए हैं। जैसलमेर की दुर्घटना में दूल्हा सहित तीन लोगों की और जयपुर ग्रामीण जिले की दुर्घटना में दुल्हन समेत पांच की लोगों की मौत हुई है। जालौर जिले की दुर्घटना में चार लोगों की मौत हुई है। जैसलमेर जिले के बासनपीर गांव के पास मंगलवार देर रात हुए हादसे में शादी के बाद लौट रही कार को एक अज्ञात तेज रफ्तार वाहन ने टक्कर मार दी। इस हादसे में दूल्हा लीलाराम (45), उसकी बहन मूली देवी (35) और 9 माह के मासूम हितेश की मौत हो गई। नवविवाहिता दुल्हन बसंती सहित चार लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं, जिन्हें जोधपुर रेफर किया गया है। पुलिस के अनुसार कार दुल्हन का रिश्तेदार चला रहा था और सभी पोकरण से शादी करके लौट रहे थे। दुर्घटना की सूचना मिलने पर ओड समाज के बड़ी संख्या में लोग जवाहिर अस्पताल की मोर्चरी के बाहर एकत्र हो गए। इन लोगों ने प्रशासन से मुआवजा देने और आरोपित चालक को जल्द गिरफ्तार करने की मांग की। दूसरी दुर्घटना जयपुर ग्रामीण के भटकाबास (रायसर) क्षेत्र में बुधवार सुबह करीब 6-10 बजे हुई। दौसा-मनोहरपुर राष्ट्रीय राजमार्ग-148 पर ट्रक और बारातियों से भरी जीप की आमने-सामने भिड़ंत होने से दुल्हन समेत पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि आठ लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस अधीक्षक (जयपुर ग्रामीण) आनंद शर्मा के अनुसार मंडोली जिला शहडोल, मध्य प्रदेश निवासी दुल्हन भारती (18), सीकर के श्रीमाधोपुर निवासी जीतू (33) पुत्र हरदयाल कुमावत, सुभाष (28) पुत्र मालीराम मीणा, झुंझुनू जिले के गुढ़ागौड़जी निवासी रवि कुमार (17) पुत्र छोटूराम मीणा की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि गंभीर रूप से घायल एक अन्य व्यक्ति ने निम्स हॉस्पिटल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। पुलिस ने परिजनों को हादसे की सूचना देकर सभी शवों का पोस्टमार्टम में रखवा दिया है। परिजनों के आने पर पोस्टमार्टम करवाया जाएगा। रायसर थानाधिकारी रघुवीर के अनुसार जीप सवार बाराती मध्यप्रदेश के शहडोल जिले से राजस्थान के झुंझुनूं जिले के उदयपुरवाटी लौट रहे थे। टक्कर इतनी जोरदार थी कि जीप के परखच्चे उड़ गए और शवों को बाहर निकालने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। इस दुर्घटना में झुंझुनूं जिले के उदयपुरवाटी निवासी दूल्हा विक्रम मीणा (25), मोनू (28) पुत्र शंकरलाल मीणा, अलवर जिले के मंडावर निवासी प्रभु दयाल मीणा (45), सीकर जिले के श्रीमाधोपुर निवासी नरेश कुमार (35), नीमकाथाना निवासी रामू (30), श्रीमाधोपुर निवासी शंकर (35), झुंझुनूं जिले के गुढागौड़जी निवासी छोटेलाल (45) और संदीप पुत्र ताराचंद घायल हुए हैं। तीसरी दुर्घटना जालोर जिले के आहोर थाना क्षेत्र में मंगलवार देर रात हुई। बताया जा रहा कि एक सांड के सड़क पर आ जाने से जीप और बोलेरो वाहन की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। इस दुर्घटना में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि 13 अन्य घायल हुए हैं। आहोर थानाधिकारी करण सिंह ने बताया कि हादसा रात करीब 12 बजे चरली गांव के पास हुआ। दोनों वाहनों में कुल 19 लोग सवार थे। मृतकों की पहचान उम्मेदपुर निवासी पूरण सिंह, जगदीश सिंह, रखमा देवी और शारदा देवी के रूप में हुई हैं। घायलों को सुमेरपुर और आहोर के अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

पानी की समस्या : क्लोजर खत्म होने के बाद भी समस्या जस की तस

जोधपुर (हिंस)। भीषण गर्मी में मारवाड़ जबरदस्त पानी की समस्या से गुजर रहा है। लगातार लोग पानी की समस्या से जूझ रहे हैं, मगर जलदाय विभाग पानी का पूरा बंदोबस्त नहीं कर पा रहा है। लिफ्ट कैनाल का क्लोजर खत्म हुए भी एक सप्ताह से ज्यादा समय हो गया है और पानी भी कायलाना में आना शुरू हो गया है, मगर जनता को पूरा पानी नहीं मिल पा रहा है। आज पानी की समस्या को लेकर दल्ले खां चक्की पेट्रोल पंप के नजदीक लोगों का गुस्सा पानी को लेकर फूट गया। लोग सड़क पर उतर आए और प्रदर्शन करने लगे। इससे वहां पर यातायात व्यवस्था भी बाधित हो गई। आज सुबह दल्ले खां चक्की के निवासियों ने जलदाय विभाग के खिलाफ नारेबाजी की और पानी की मांग को लेकर जोरदार प्रदर्शन किया। सड़क पर उतरे लोगों ने पुलिस के बेरिकेड को लाकर रख दिया और प्रदर्शन करने लगे। जिससे यातायात व्यवस्था लड़खड़ा गई। सड़क पर वाहनों का जाम लग गया। रास्ता जाम होने की सूचना पर पुलिस वहां पहुंची और लोगों से समझाइश कर मामला शांत करवाया गया। बाद में जलदाय विभाग अफसरों को पानी की समस्या से अवगत कराया गया। बता दें कि भीषण गर्मी में शहर में पेयजल संकट प्रतिवर्ष गहरा जाता है। मगर जलदाय विभाग कोई प्रबंध नहीं कर पाता है। कई दिनों से लोग पानी की समस्या से गुजर रहे है। पानी की मांग को लेकर पानी की टंकियों पर चढ़ प्रदर्शन कर चुके है।

हर चुनौती का सामना करते हुए आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने का साहस दिखा रहा है भारत : मंत्री कर्नल राज्यवर्धन

बीकानेर (हिंस)। उद्योग एवं वाणिज्य, युवा मामले एवं खेल विभाग में कैबिनेट मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने बुधवार को बीकानेर में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित भारत का अमृत काल, सेवा सुशासन व गरीब कल्याण के 11 साल ऐतिहासिक प्रगति के है, उनके मजबूत और निर्णायक नेतृत्व में भारत हर चुनौती का सामना करते हुए आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने का साहस दिखा रहा है। दो दिवसीय प्रवास पर बीकानेर आए राठौड़ ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि हमारी सीमाएं सुरक्षित है, भारत एक उभरती हुई वैश्विक शक्ति बन चुका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सब का साथ, सबका विकास, सबका प्रयास, सबका विश्वास मंत्र ने देश को विकास की मुख्य धारा से जोड़ा है। आज देश का हर वर्ग और हर क्षेत्र एक साझा संकल्प के साथ विकसित भारत के लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है। भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तानी धरती पर 9 आतंकवादी कैंप और 11 एयरबेस तबाह कर दुनिया में भारत की ताकत का डंका बजाया और दुनिया को भारत की ताकत से अवगत करवाया है। राठौड़ ने कहा भारत के आम जनमानस के हित व गरीब कल्याण के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य किए हैं।

चिराग पासवान से बुनकरों की जगी उम्मीद, पीएम मित्र योजना के तहत मेगा टेक्सटाइल पार्क की मांग

भागलपुर (हिंस)। केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने भागलपुर के बुनकरों, कारीगरों और सिल्क उद्योग से जुड़े लोगों के लिए नई उम्मीदें जगा दी हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर भागलपुर को पीएम मित्र योजना के अंतर्गत मेगा टेक्सटाइल पार्क में शामिल करने की मांग की है। चिराग पासवान की इस पहल ने सिल्क सिटी कहे जाने वाले भागलपुर के लाखों बुनकरों और कारीगरों की उम्मीदों को नया प्रकाश दिया है। वर्तमान में यहां की बुनकरी और कारीगरी से जुड़े लोगों की स्थिति अत्यंत दयनीय है। रेशमी कपड़ों के निर्माण से लेकर बाजार तक पहुंचाने की प्रक्रिया में उन्हें कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। यह भी एक कटु सत्य है कि हर चुनावी मौसम में बुनकरों को सिर्फ आश्वासन ही मिलता रहा है। लेकिन इस बार चिराग पासवान की सक्रियता से उनमें एक वास्तविक बदलाव की आशा जागी है। अगर भागलपुर को मेगा टेक्सटाइल पार्क का दर्जा मिल जाता है तो इससे न केवल यहां के परंपरागत उद्योग को नया जीवन मिलेगा बल्कि स्थानीय रोजगार के भी व्यापक अवसर सृजित होंगे।

आतंकियों के मारे जाने पर राहुल गांधी को होती है तकलीफ : पंकज सिंह

बलरामपुर (हिसं)। जब भी आतंकवादी मारे जाते हैं या पाकिस्तान के खिलाफ कोई कार्रवाई होती है, तब राहुल गांधी रोना रोते हैं। उन्हें भारतीय सेना के शौर्य पर गर्व करने की बजाय पाकिस्तान के नुकसान की चिंता अधिक रहती है। उक्त बातें भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं नोएडा के विधायक पंकज सिंह ने बुधवार को केंद्र सरकार के 11 वर्ष पूर्ण होने पर भाजपा द्वारा आयोजित प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन के दौरान आयोजित प्रेस वार्ता में कहीं। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन *सिंदूर* हमारे देश की सेना के साहस का प्रतीक है। आज पूरा विश्व भारत के साथ खड़ा है, जबकि पाकिस्तान अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर अलग-थलग पड़ा हुआ है। भाजपा कार्यालय अटल भवन में आयोजित प्रेस वार्ता में उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने रक्षा क्षेत्र को सशक्त किया है। अधिकतर स्वदेशी मिसाइलों का प्रयोग कर आतंकी शिविरों और पाकिस्तान एयरबेस को निशाना बनाया गया। इससे भारत में बनी हथियार प्रणालियों की मांग विश्व स्तर पर बढ़ी है। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष बलरामपुर आगमन पर अटल भवन में उनका भव्य स्वागत किया गया। उन्होंने तुलसी पार्क में लगी प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। इसके बाद एमएलके पीजी कॉलेज में भाजपा द्वारा आयोजित प्रबुद्ध सम्मेलन में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के 11 वर्ष पूर्ण हो चुके हैं। प्रधानमंत्री मोदी देश के प्रधान सेवक के रूप में कार्य कर रहे हैं। 2014 से पहले देश में तुष्टिकरण की राजनीति हावी थी, लेकिन अब सरकार सुशासन को प्राथमिकता दे रही है। आईएमएफ के अनुसार, 2027 तक भारत तीसरी सबसे बड़ी

अर्थव्यवस्था बनेगा। डिजिटल लेन-देन के मामले में भारत विश्व में अग्रणी है, जहां 49 प्रतिशत लेन-देन ऑनलाइन हो रहा है। 116 करोड़ मोबाइल उपयोगकर्ता देश की डिजिटल प्रगति का प्रमाण हैं। मध्यम वर्ग को आयकर स्लैब में बदलाव से राहत मिली है और सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे लाभार्थियों के खातों में पहुंच रहा है। कार्यक्रम में क्षेत्रीय उपाध्यक्ष एवं जिला प्रभारी राहुल राज रस्तोगी ने कहा कि 2014 के बाद देश में व्यापक बदलाव देखने को मिले हैं। 23 शहरों में मेट्रो सेवा चालू हो चुकी है, 160 नए एयरपोर्ट बनाए गए हैं, और 99 प्रतिशत गांवों को सड़क से जोड़ा गया है। महिलाओं को भारतीय सेना में स्थायी नियुक्ति दी गई है, और भारत में सबसे अधिक महिला पायलट हैं। इस अवसर पर क्षेत्रीय उपाध्यक्ष राहुल राज रस्तोगी, जिला पंचायत अध्यक्ष आरती तिवारी, विधायक पल्टूराम, कैलाश नाथ शुक्ल, राम प्रताप वर्मा, पूर्व विधायक शैलेश कुमार सिंह शैलू, नपाप अध्यक्ष धीरेन्द्र प्रताप सिंह धीरू, भाजपा जिलाध्यक्ष रवि मिश्रा, जिला मीडिया प्रभारी डीपी सिंह वैस, जिला मीडिया संयोजक अवधेश पांडेय सहित कई कार्यकर्ता व पदाधिकारी मौजूद रहे।

लापरवाही में सिंचाई विभाग के 70 अधिकारियों व कर्मचारियों पर कार्रवाई

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा सरकार ने कार्य में कोताही बरतने तथा भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने के आरोप में सिंचाई विभाग के 70 अधिकारियों व कर्मचारियों को चार्जशीट किया है। नायब सरकार के सत्ता में आने के बाद यह पहला मौका है, जब इतने बड़े स्तर पर कार्रवाई की गई है। हरियाणा की सिंचाई मंत्री श्रुति चौधरी ने भी 70 विभागीय अधिकारियों तथा कर्मचारियों को चार्जशीट किए जाने की पुष्टि की है। सिंचाई विभाग के अधिकारियों व कर्मचारियों पर लगातार भ्रष्टाचार में लिप्त होने और काम में लापरवाही बरतने के आरोप लग रहे थे। इस पर सिंचाई विभाग ने 70 अधिकारियों व कर्मचारियों को चार्जशीट किया है। इन अधिकारियों और कर्मचारियों की लिस्ट में जेई, एसडीओ और एक्सियन के भी नाम शामिल हैं। इन अफसरों के खिलाफ रूल-7 के तहत कार्रवाई की गई है। वहीं, इनमें सात एसई भी हैं।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय पहले सदन में पहुंचें फिर राफेल पर करें टिप्पणी : केशव प्रसाद मौर्य

वाराणसी (हिंस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के 11 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में बुधवार को यहां सर्किट हाउस में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कांग्रेस और समाजवादी पार्टी पर जमकर तंज कसा। केंद्र सरकार की उपलब्धियों को गिनाने के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना कर उपमुख्यमंत्री ने कांग्रेस के साथ उसके प्रदेश अध्यक्ष अजय राय पर हमला बोला। उपमुख्यमंत्री मौर्य ने चुटकी लेते हुए कहा कि बयानवीरता में प्रदेश अध्यक्ष अजय राय का कोई जवाब नहीं है। अजय राय सदन तो आ नहीं सकते हैं। पहले वह सदन तक पहुंचने की क्षमता अर्जित करें, फिर राफेल जैसे मसलों पर टिप्पणी करें। उपमुख्यमंत्री ने केंद्र सरकार पर हमलावर राहुल गांधी को निशाने पर लेकर कहा कि वे पाकिस्तान की भाषा बोलते हैं और चीन के नजरिए

से भारतीय राजनीति करते हैं। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव की राजनीति राष्ट्रविरोधी प्रवृत्तियों से प्रेरित है। समाजवादी पार्टी अब *समाप्तवादी पार्टी* बन चुकी है। अखिलेश यादव की नकारात्मक राजनीति को जनता ने नकार दिया है। प्रयागराज महाकुंभ के दौरान हुए हादसे पर उपमुख्यमंत्री मौर्य ने कहा कि महाकुंभ ऐतिहासिक है, दुखद घटना का हमें खेद है, जिन परिवारों ने हादसे में अपनों को खोया है, उनके प्रति हमारी संवेदना है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी हादसे पर दुख जता चुके हैं। एक सवाल के जबाब में उपमुख्यमंत्री ने कहा कि बनारस के विकास कार्यों में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के विरुद्ध जांच की जाएगी और गड़बड़ी पाए जाने पर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। इसके पहले वाराणसी एयरपोर्ट पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने उपमुख्यमंत्री का गर्मजोशी से स्वागत किया। तल्ख धूप और तापलहरी के बीच एयरपोर्ट पर स्वागत के लिए जुटे भाजपा नेताओं को देख उपमुख्यमंत्री गदगद नजर आए। बाबतपुर एयरपोर्ट पर भाजपा काशी क्षेत्र के अध्यक्ष दिलीप पटेल के नेतृत्व में जिलाध्यक्ष हंसराज विश्वकर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्य, रोहनिया विधायक सुनील पटेल, शैलेंद्र किशोर पांडेय, आरपी कुशवाहा, दिनेश मौर्य, मनीष पटेल, पार्टी के प्रोटोकॉल प्रभारी शैलेश पांडेय आदि ने उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य की अगवानी की।

सरकार ने भूमिहीनों को जमीन व युवाओं को रोजगार में की वादा खिलाफी : ललन

नवादा (हिंस)। जन सुराज पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं संगठन विस्तार समिति के संयोजक नवादा के डीएम रहे ललन जी यादव ने कहा है कि राज्य सरकार ने भूमिहिनों को जमीन तथा बेरोजगारों को रोजगार देने सहित कई बड़ा पूरा करने में पूर्णता सफल रही है जिस कारण बिहार की जनता विधानसभा चुनाव में उन्हें धूल चटकार ही दम लेगी। वे बुधवार को नवादा जान स्वराज कार्यालय में प्रेस वार्ता को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने मीडियाकर्मियों से बात करते हुए बताया कि वर्तमान राज्य सरकार द्वारा दो वर्ष पूर्व किए गए वादों को अब तक पूरा नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि जातीय जनगणना में चिह्नित 94 लाख गरीब परिवारों को रोजगार के लिए 2 लाख रुपए की सहायता राशि और 50 लाख भूमिहीन दलित और

अतिपिछड़ा समाज के परिवारों को 3 डिसमिल जमीन देने के मामले में सरकार ने धोखा किया। दाखिल खारिज में भ्रष्टाचार तथा भूमि सर्वे के नाम पर लूट जारी है। ललन जी ने घोषणा की कि इन मुद्दों पर सरकार की वादाखिलाफी के विरोध में जन सुराज द्वारा एक राज्यव्यापी हस्ताक्षर अभियान चलाया जाएगा, जिसकी शुरुआत आज बुधवार को नवादा जिले से हो रही है। इस अभियान का उद्देश्य उन वंचित नागरिकों को जागरूक करना है, जिन्हें सरकार की घोषणाओं के बावजूद आज तक लाभ नहीं मिला है। उन्होंने प्रेस वार्ता के बाद संगठन के पदाधिकारियों के साथ बैठक की।

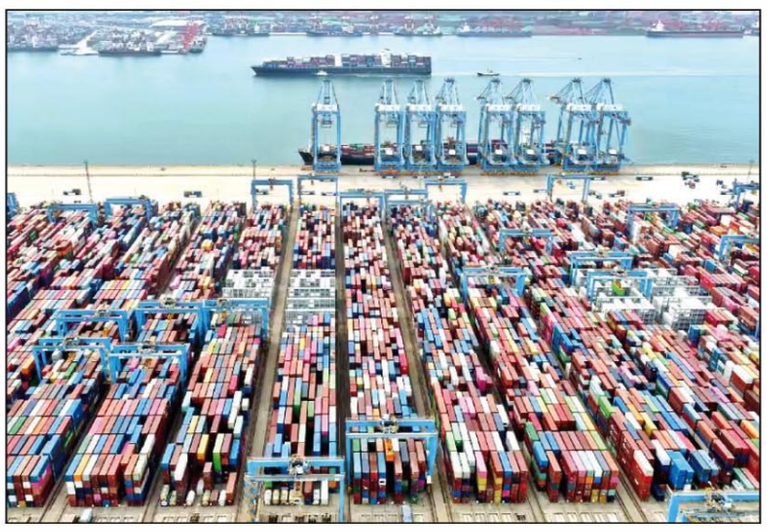

भारत-अमेरिका ट्रेड डील में फंसा पेंच, अमेरिकी दबाव को मानने से भारत का इनकार

नई दिल्ली

भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित ट्रेड डील में कुछ मुद्दों को लेकर मामला फंसता नजर आ रहा है। भारत और अमेरिका के प्रतिनिधियों के बीच 4 से 10 जून के बीच दिल्ली में आपसी व्यापार से जुड़े सभी मुद्दों पर विस्तार से बातचीत हुई। इसके बाद अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के कुछ सदस्य वापस लौट गए, जबकि कुछ सदस्यों की अभी भी भारतीय प्रतिनिधिमंडल से बातचीत जारी है। बताया जा रहा है कि एग्रीकल्चर, डेयरी, मेडिकल और डिजिटल सर्विसेस को लेकर भारत ने अमेरिका की मांग को पूरी तरह से ठुकरा दिया है। अमेरिका इन सेक्टर्स को ओपन करने का दबाव बना रहा है लेकिन भारत ने ऐसा करने से साफ इनकार कर दिया है। भारतीय पक्ष का मानना है कि दोनों देशों के बीच होने वाली ट्रेड डील पूरी तरह संतुलित होनी चाहिए, जिससे दोनों देशों के हितों का परस्पर ध्यान रखा जा सके। भारत और अमेरिका दोनों देश डोनाल्ड ट्रंप की सरकार द्वारा शुरू की गई टैरिफ पॉलिसी को ध्यान में रखते हुए ट्रेड डील करना चाहते हैं। फिलहाल डोनाल्ड ट्रंप ने रेसिप्रोकल टैरिफ पर 8 जुलाई तक के लिए रोक लगा दी है। यही कारण है कि दोनों देशों के प्रतिनिधिमंडल 8 जुलाई के पहले ट्रेड डील को आखिरी रूप दे देना चाहते हैं, ताकि दोनों देशों के बीच होने वाले परस्पर कारोबार पर कोई असर न पड़े। ट्रेड डील को लेकर शुरू हुई बातचीत में अमेरिकी पक्ष पहले से ही डेयरी और एग्रीकल्चर सेक्टर को ओपन करने का दबाव बना रहा है। दूसरी ओर, भारत ने इन क्षेत्रों को संवेदनशील मानते हुए खोलने से इनकार कर दिया है। भारतीय पक्ष का मानना है कि अगर डेयरी और एग्रीकल्चर जैसे सेक्टर्स को पूरी तरह से ओपन कर दिया जाता है, तो इससे इन सेक्टर्स में विदेशी कंपनियों के साथ होने वाली प्रतिस्पर्धा को नियंत्रित करना मुश्किल हो जाएगा, जिससे भारतीय कारोबारियों को नुकसान का सामना करना पड़ सकता है। जानकारों का कहना है कि भारत द्वारा इन सेक्टर्स को ओपन करने से साफ-साफ इनकार कर देने की वजह से भारत-अमेरिका ट्रेड डील के बीच गतिरोध की स्थिति बन गई है। अमेरिका का कहना है कि अगर भारत इन सेक्टर्स को ओपन करने के लिए तैयार नहीं होता है, तो फिर दोनों देशों के बीच ट्रेड डील नहीं हो सकती है। जानकारों के मुताबिक अमेरिकी पक्ष एग्रीकल्चर गुड्स और डेयरी प्रोडक्ट्स पर ड्यूटी में भारत की ओर से तो बड़ी कटौती की मांग कर रहा है, लेकिन इसके बदले वो भारतीय उत्पादों को अमेरिकी बाजार में आसान एंट्री देने के लिए तैयार नहीं है। बताया जा रहा है कि बातचीत के दौरान अभी तक दोनों पक्ष ट्रेड डील को जल्द से जल्द अंतिम रूप देने की बात पर तो सहमति जता रहे हैं, लेकिन जिन मुद्दों पर गतिरोध बना हुआ है, उन पर अभी रास्ता निकलता नहीं दिख रहा है। हालांकि दावा किया जा रहा है कि 8 जुलाई के पहले कोई ना कोई रास्ता निकाल लिया जाएगा।

न्यूज ब्रीफ

यूरोपीय संघ एफटीए से 'ऊर्जा और कच्चा माल' अध्याय हटाने पर राजी

नई दिल्ली। भारत ने यूरोपीय संघ (ईयू) को प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के तहत 'ऊर्जा और कच्चा माल' अध्याय को बातचीत से अलग रखने तैयार कर लिया है। यूरोपीय संघ ने एकतरफा तरीके से उस अध्याय को शामिल किया था। इसमें भारत से पेट्रोलियम उत्पादों, रसायनों, कपास, लौह और इस्पात, तांबा और अन्य महत्वपूर्ण धातुओं जैसे कच्चे माल की निर्बाध आपूर्ति की प्रतिबद्धता अनिवार्य करने का प्रावधान था। 12 से 16 मई को नई दिल्ली में मुक्त व्यापार समझौते के लिए 11वें दौर की बातचीत के बाद यूरोपीय आयोग ने कहा था कि इस पर बात करने से पहले सहमति बनी थी कि ऊर्जा और कच्चे माल के अध्याय पर चर्चा को फिलहाल अलग रखा जाएगा। कोविड-19 महामारी और रूस-यूक्रेन युद्ध जैसी भू-राजनीतिक घटनाओं के कारण कई देशों में ऊर्जा और कच्चे माल की आपूर्ति की सुरक्षा को लेकर जबरदस्त रुचि पैदा हुई है। चीन द्वारा हाल ही में दुर्लभ खनिज मैग्नेट के निर्यात पर प्रतिबंध ने भी विविध स्रोतों से विश्वसनीय आपूर्ति श्रृंखला सुनिश्चित करने की जरुरत बताई।
यूरोपीय संघ अधिकांश कच्चे माल की आपूर्ति के लिए पूरी तरह तीसरे देशों पर निर्भर है। आपूर्ति जोखिम को कम करने के लिए यूरोपीय संघ ने तय किया है कि 2030 से किसी भी कच्चे माल की आपूर्ति का 65 फीसदी से ज्यादा हिस्सा किसी एक देश से आयात नहीं किया जाएगा। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव के संस्थापक ने कहा कि यूरोपीय संघ का व्यापार समझौते का रुख विरोधाभासों से भरा है क्योंकि वह विकासशील देशों से कोई प्रतिबंध नहीं चाहता है जबकि कार्बन-उत्सर्जन वाली वस्तुओं पर कर, सख्त प्रौद्योगिकी हस्तांतरण नियंत्रण जैसे प्रतिबंध को लागू करने का अधिकार अपने पास रखता है।

अगले पांच साल में भारतीय कंपनियां करेंगी बड़े पैमाने पर निवेश

नई दिल्ली। भारत की कंपनियां अगले पांच साल में बड़े पैमाने पर निवेश करने की योजना बना रही हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक इस दौरान पूंजीगत खर्च दोगुना होकर 850 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। बिजली, बिजली ट्रांसमिशन, एयरलाइंस और ग्रीन हाइड्रोजन जैसे सेक्टर इस निवेश के केंद्र में रहेंगे। मजबूत बैलेंस शीट, बेहतर नकदी प्रवाह और सरकार की अनुकूल नीतियों के दम पर कंपनियां अपने कारोबार को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की तैयारी में हैं। बिजली, एयरलाइंस और ग्रीन हाइड्रोजन जैसे सेक्टर होंगे निवेश का केंद्र रिपोर्ट में बताया गया है कि भारत की शीर्ष 100 लिस्टेड कंपनियां, जिनका कुल राजस्व 1 ट्रिलियन डॉलर और 2025 में 150 अरब डॉलर का है, इस निवेश का बड़ा हिस्सा अपनी कमाई से पूरा करेंगी। इससे उनका कर्ज नियंत्रण में रहेगा। इसके अलावा अनलिस्टेड रिन्यूएबल एनर्जी और एयरलाइन कंपनियों के बड़े निवेश प्लान को भी इस रिपोर्ट में शामिल किया गया है। बिजली और ट्रांसमिशन सेक्टर में करीब 300 अरब डॉलर का नया निवेश किया जाएगा, जो कुल कैपेक्स का एक तिहाई से ज्यादा है।

भारत में 'रिनॉल्ट बोरेल' के नाम से पेश की जाएगी बिगस्टेर

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में 7-सीटर एसयूवी की श्रेणी में रिनाल्ट कंपनी भी अपनी नई एसयूवी के साथ उतारने की तैयारी कर रही है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में बिगस्टेर नाम से जानी जाने वाली यह एसयूवी भारत में 'रिनॉल्ट बोरेल' के नाम से पेश की जाएगी। टेस्टिंग के दौरान इसकी स्पाई शॉट्स सामने आई हैं, जिसमें यह एक बड़ी और दमदार एसयूवी के रूप में नजर आई। भारत में इसे 7-सीटर लेआउट में लॉन्च किया जा सकता है, जिससे यह सीधे तौर पर लोकप्रिय एसयूवीको चुनौती देगी। रिनॉल्ट बोरेल को भारत में खास तौर पर डिजाइन और फीचर्स के लिहाज से प्रतिस्पर्धी बनाया जाएगा। इसमें रडार-बेस्ड अडास, 10.1-इंच टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, वेंटिलेटेड सीट्स, वायरलेस चार्जिंग और ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल जैसे फीचर्स दिए जा सकते हैं। सुरक्षा के लिहाज से इसमें छह एयरबैग्स, एबीएस, ईबीडी, ईएससी और इसोफिक्स माउंट्स की संभावना है। इंजन विकल्पों की बात करें तो रिनॉल्ट बोरेल में पेट्रोल, माइल्ड-हाइब्रिड और स्ट्रॉन्ग-हाइब्रिड पावरट्रेन दिए जा सकते हैं।

पीयूष गोयल ने स्विट्जरलैंड के प्रमुख उद्योगपतियों से भारत के 11 साल के विकास पर की चर्चा, सभी ने किया निवेश का वादा, अब जाएंगे स्वीडन

बर्न (स्विट्जरलैंड)

भारत के केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योगमंत्री पीयूष गोयल ने स्विटजरलैंड के खूबसूरत शहर बर्न की दो दिवसीय सफल यात्रा का समापन, गर्मजोशी, मधुर यादों और नई साझेदारियों के साथ किया। गोयल ने अपने एक्स हैंडल पर लिखा, भारत की विकास कहानी में स्विस उद्योग जगत के नेताओं और प्रमुख हितधारकों की जिज्ञासा, रुचि और विश्वास से बेहद प्रभावित हूं। आगे रोमांचक अवसर हैं।

पीयूष गोयल ने एक्स पर लिखा, स्विसमेम उद्योग दिवस पर अलग-अलग इंडस्ट्री से जुड़े 1,000 से अधिक स्विस उद्यमियों के सम्मेलन को संबोधित करना मेरे लिए सम्मान की बात रही। मेरे साथ स्विस फेडरल काउंसलर पर्मेलिन जी भी शामिल हुए। उन्होंने पिछले 11 वर्ष में प्रौद्योगिकी, नवाचार और व्यापार के लिए बेहतरीन अवसर प्रदान करने के मामले में भारत के उल्लेखनीय परिवर्तन को उजागर करने के अवसर का लाभ उठाया।

केंद्रीयमंत्री गोयल ने लिखा, स्विस उद्योग जगत को भारत में विकास और निवेश के लिए अद्वितीय अवसरों का पता लगाने के लिए प्रोत्साहित किया है। उन्होंने भारत के कुशल और प्रतिभाशाली कार्यबल और सुविधाजनक व्यापार पारिस्थितिकी तंत्र का लाभ उठाया। अब भारत-स्विस संबंधों का नया मजबूत अध्याय शुरू हो रहा है। इस सम्मेलन की प्रमुख भागीदार हेलेन बुडलिगर अर्टिडा ने गोयल की एक्स पोस्ट को जस का तस अपने एक्स हैंडल पर साझा किया। उल्लेखनीय है स्विसमेम स्विट्जरलैंड के मैकेनिकल और इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग उद्योगों (एमईएम उद्योगों) और संबंधित प्रौद्योगिकी-उन्मुख क्षेत्रों का प्रमुख संघ है।

गोयल ने कहा कि इस दौरे के दौरान दुनिया की सबसे बड़ी कंटेनर शिपिंग कंपनी और परिवहन एवं लॉजिस्टिक्स में वैश्विक अग्रणी, मेडिटेरेनियन शिपिंग कंपनी के सीईओ सोरेन टॉफ्ट के साथ अत्यंत उपयोगी बातचीत हुई। उन्होंने भारत के तेजी से बढ़ते शिपिंग, लॉजिस्टिक्स और बंदरगाह बुनियादी ढांचे के विस्तार करने में निवेश की रुचि दिखाई। निकट भविष्य में महत्वपूर्ण साझेदारी की आशा है। इसके अलावा टिकाऊ पैकेजिंग समाधानों में अग्रणी एसआईजी ग्रुप के सीईओ सैमुअल सिग्रिस्ट के साथ सार्थक चर्चा हुई।

उन्होंने कहा कि बर्न में विश्वस्तर पर मान्यता प्राप्त फार्मा और लाइफ साइंसेज समूह के प्रतिनिधियों से नोवार्टिस के नेतृत्व के साथ बातचीत उपयोगी रही। चर्चा भारत में उनकी अनुसंधान एवं विकास सुविधा और अत्याधुनिक, किफायती स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने और आगे नवाचार करने के अवसरों पर केंद्रित रही। गोयल ने स्विस घड़ी और आभूषण निर्माण कंपनी द स्वैच ग्रुप एजी के सीएफओ थिएरी केनेल से भी मुलाकात की है।

चीन की मैग्नेट पाबंदी से वाहन कंपनियां के उत्पादन पर मंडरा रहा खतरा

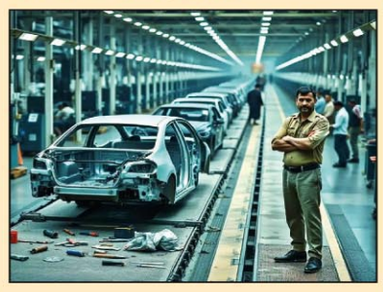

नई दिल्ली। चीन से दुर्लभ मैग्नेट का आयात करने वाली इकाइयां अब अप्रत्याशित स्थिति से जुड़े प्रावधान का सहारा लेने पर विचार कर रही हैं। वे अपनी कानूनी टीम से इस बारे में सलाह ले रही हैं। ये इकाइयां दुर्लभ मैग्नेट की आपूर्ति मूल उपकरण विनिर्माताओं को करती हैं। चीन बड़े पैमाने पर इन दुर्लभ खनिज मैग्नेट की आपूर्ति दूसरे देशों को करता है। आयातक अब 'फोर्स मेजर' का सहारा लेने पर कर रहे विचार ये आयातक इसलिए अप्रत्याशित स्थिति का प्रावधान लागू करने पर विचार कर रहे हैं क्योंकि इससे उन्हें अनुबंध समय पर पूरा नहीं करने की सूरत में जुर्माने से बचने में मदद मिलेगी। उन्हें डर है कि इनकी आपूर्ति समय पर नहीं करने पर जुर्माना लग सकता है। मैग्नेट की आपूर्ति रुकने पर वाहन कंपनियां उत्पादन नहीं कर पाएंगी। चीन ने अप्रैल में दुर्लभ खनिजों एवं मैग्नेट के निर्यात पर पाबंदी लगा दी है जिससे भारत में भी वाहन उद्योग और अन्य क्षेत्रों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। इस साल 4 अप्रैल से 35 आयातकों को चीन से दुर्लभ मैग्नेट की आपूर्ति पूरी तरह ठप है। चीनी सरकार के समक्ष इनके आयात के लिए किए गए उनके आवेदन भी मंजूर नहीं हुए हैं। सोना-कॉमस्टार ने चीन के नए निर्यात नियंत्रण नियमों के अंतर्गत आवेदन किया था लेकिन वह अस्वीकार हो गया है।

डेट म्युचुअल फंड्स मई में नहीं जीत सके निवेशकों का भरोसा, लगा तगड़ा झटका

गिरावट के बावजूद कई डेट फंड कैटेगरी में निवेशकों की दिलचस्पी बढ़ी

नई दिल्ली

डेट म्युचुअल फंड्स मई में निवेशकों का भरोसा नहीं जीत सके। बीत महीने इन फंड्स में 15,908 करोड़ रुपए का नेट आउटफ्लो देखा गया। यह अप्रैल में हुई 2.19 लाख करोड़ की मजबूत इनफ्लो के उलट था। डेट म्युचुअल फंड्स में यह निकासी मुख्य रूप से लिक्विड और ओवरनाइट फंड में बड़े रिडेम्पशन के कारण हुई। गिरावट के बावजूद कई डेट फंड कैटेगरी में निवेशकों की दिलचस्पी बढ़ी। कॉरपोरेट बॉन्ड फंड्स ने 11,983 करोड़ रुपए के इनफ्लो के साथ बढ़त हासिल की है।

आंकड़ों के मुताबिक मई में निवेशकों ने अकेले लिक्विड फंड्स से 40,205 करोड़ रुपए निकाले। जबकि अप्रैल में इस कैटेगरी में 1,18,656 करोड़ का निवेश आया। वहीं, बीत महीने ओवरनाइट फंड्स में 8,120 करोड़ रुपए का नेट आउटफ्लो दर्ज किया गया।

जबकि अप्रैल में इस कैटेगरी में 23,899 करोड़ का इनफ्लो आया था। ये दोनों कैटेगरी, आमतौर पर बड़े संस्थागत निवेशों को आकर्षित करती हैं। ये फंड्स शॉर्ट टर्म में लिक्विडिटी की जरूरतों और ट्रेजरी निर्णयों के प्रति ज्यादा संवेदनशील हैं।

मिरे असेट इन्वेस्टमेंट मैनेजर्स (इंडिया) की डिस्ट्रीब्यूशन और स्ट्रेटेजिक अलायंस की प्रमुख बताती है कि मई 2025 में डेट म्युचुअल फंड्स से 15,908 करोड़ की निकासी का एक कारण एडवांस टैक्स भुगतान के लिए मौसमी रिडेम्पशन दबाव हो सकता है। 15 जून एडवांस टैक्स भुगतान की एक बड़ी समय-सीमा होती है, खासकर कंपनियों के लिए। कंपनियां अक्सर इन भुगतानों की तैयारी के लिए मई में अपने लिक्विड और अल्ट्रा-शॉर्ट-टर्म डेट फंड्स से निवेश निकाल लेती हैं। बीपीएन फिनकैप के डायरेक्टर एके निगम ने कहा कि निवेशक अब डेट से इक्विटी की ओर जा रहे हैं। वे उम्मीद कर रहे हैं कि ब्याज दरों में कटौती से उन्हें इक्विटी में बेहतर रिटर्न मिलेगा।

हुंडई ने लॉन्च की वर्ना एसएक्स प्लस, कीमत और फीचर्स ने ग्राहकों किया आकर्षित

दक्षिण कोरियाई कार निर्माता हुंडई ने भारत में अपनी मशहूर सेडान वर्ना का नया एसएक्स प्लस वेरिएंट पेश किया है, जो कीमत और फीचर्स के लिहाज से ग्राहकों के लिए एक आकर्षक विकल्प बन गया। यह वेरिएंट मैनुअल और ऑटोमैटिक दोनों ट्रांसमिशन में उपलब्ध है, जिनकी एक्स-शोरूम कीमतें 13.79 लाख और 15.04 लाख रुपए रखी गई हैं। इस नए वेरिएंट में पहले टॉप एसएक्स (ओ) मॉडल में मिलने वाले कई प्रीमियम फीचर्स शामिल किए गए हैं, जिनमें एलईडी हेडलाइट्स, 16-इंच एलॉय व्हील्स, रियर स्पॉइलर, फ्रंट पार्किंग सेंसर्स, 8-स्पीकर बोस साउंड सिस्टम, हीटेड और वेंटिलेटेड फ्रंट सीट्स तथा लेदरेट अपहोल्स्ट्री जैसी सुविधाएं प्रमुख हैं। वर्ना एसएक्स प्लस में 1.5 लीटर का 4-सिलिंडर नेचुरल एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन दिया गया है, जो 115एचपी की पावर और 143.8एनएम का टॉर्क जनरेट करता है। यह इंजन 6-स्पीड मैनुअल या सीवीटी ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन के साथ उपलब्ध है और दावा किया गया है कि यह कार 18 से 19 किमी प्रति लीटर का माइलेज देती है। सुरक्षा के लिहाज से भी यह वेरिएंट काफी दमदार है, जिसमें छह एयरबैग्स, एबीएस के साथ ईबीडी, इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी कंट्रोल (ईएससी), टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम (टीपीएमएस) और रियर पार्किंग कैमरा जैसे फीचर्स स्टैंडर्ड दिए गए हैं। इसके साथ ही कंपनी ने अपने चुनिंदा मॉडल्स के लिए नया वायर्ड-टू-वायरलेस एडॉप्टर भी पेश किया है जिसकी कीमत 4,500 रखी गई है। यह एडॉप्टर वायरलेस एप्पल कारप्ले और एन्डार्ड ऑटो को सपोर्ट करता है और वेरना एसएक्स(ओ), एसएक्स टूबो और एसएक्स(ओ) टूबो वेरिएंट्स के लिए उपयुक्त है।

रेयर अर्थ्स की कमी के चलते मारुति सुजूकी ने ई-विटारा का प्रोडक्शन किया कम

चीन के प्रतिबंधों ने ग्लोबल ऑटो इंडस्ट्री को हिला कर रख दिया

नई दिल्ली

रेयर अर्थ्स की कमी के चलते मारुति सुजूकी ने अपनी पहली इलेक्ट्रिक कार ई-विटारा के नियर टर्म प्रोडक्शन टारगेट को दो-तिहाई कम कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एक डॉक्यूमेंट से पता चला है कि चीन के निर्यात प्रतिबंध ने ऑटो इंडस्ट्री के सामने संकट पैदा कर दिया है। भारत की टॉप कार मेकर मारुति सुजूकी अब अप्रैल और सितंबर के बीच करीब 8,200 ई-विटारा बनाने की योजना बना रही है, जबकि वास्तविक टारगेट 26,500 था। इससे पहले सोमवार को कंपनी ने कहा था कि उसने अभी तक सप्लाई पर रेयर अर्थ मेटल्स के संकट से कोई असर नहीं देखा है।

रिपोर्ट में डॉक्यूमेंट के मुताबिक कंपनी ने रेयर अर्थ्स मैटीरियल्स में सप्लाई की कमी का हवाला दिया। ये मैग्नेट और अलग-अलग तरह की हाईटेक इंडस्ट्रीज में अन्य कम्पोनेंट को बनाने के लिए जरूरी है। डॉक्यूमेंट में कहा गया है कि मारुति अभी भी मार्च 2026 को समाप्त होने वाले साल के लिए 67,000 ईवी के अपने प्रोडक्शन टारगेट को बाद के महीनों में प्रोडक्शन बढ़ाकर पूरा करने की योजना बना रही है। कुछ रेयर अर्थ्स निर्यातों पर चीन के प्रतिबंधों ने ग्लोबल ऑटो इंडस्ट्री को हिला दिया है। कंपनियों ने सप्लाई चेन पर गंभीर असर पड़ने की बात कही, जबकि अमेरिका, यूरोप और जापान की कुछ कंपनियों को बीजिंग से लाइसेंस मिलने के बाद सप्लाई में आसानी दिख रही है। भारत अभी भी चीन की मंजूरी का इंतजार कर रहा है। मारुति ने जनवरी में ऑटो एक्सपो में ई-विटारा को पेश किया था। यह देश में मारुति के ईवी पुश के लिए अहम है। मोदी सरकार ने 2030 तक कुल ऑटो सेल्स में ईवी सेल्स 30 फीसदी तक करने का लक्ष्य रखा है, जो पिछले साल करीब 2.5 फीसदी थी।

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत, एशियाई बाजार में तेजी

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ कारोबार करने के बाद बंद हुए। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। वहीं एशियाई बाजार में आमतौर पर खरीदारी का रुख बना हुआ है।

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान खरीदारी का रुख बना रहा, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.55 प्रतिशत की तेजी के साथ 6,038.81 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 123.75 अंक यानी 0.63 प्रतिशत उछल कर 19,714.99 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 87.41 अंक यानी 0.20 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 42,779.46 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार उतार-चढ़ाव होता रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.23 प्रतिशत की मजबूती के साथ 8,853.08 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.16 प्रतिशत की बढ़त के साथ 7,804.33 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके विपरित डीएएक्स इंडेक्स 186.76 अंक यानी 0.78 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 23,987.56 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजार में आमतौर पर खरीदारी का रुख बना हुआ है। एशिया के नौ बाजार में से सात के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि दो सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.54 प्रतिशत की गिरावट के साथ 7,192.05 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.51 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 3,913.79 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है।

दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.12 प्रतिशत की मजबूती के साथ 25,175 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.20 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,141.48 अंक के स्तर पर आ गया है। हैंग सेंग इंडेक्स ने बड़ी छलांग लगाई है। फिलहाल ये सूचकांक 234.39 अंक यानी 0.97 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,397.26 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 149.72 अंक यानी 0.67 प्रतिशत की तेजी के साथ 22,391.86 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा कोस्पी इंडेक्स 0.67 प्रतिशत उछल कर 2,891.21 अंक के स्तर पर, शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.53 प्रतिशत की बढ़त के साथ 3,402.77 अंक के स्तर पर और निक्केई इंडेक्स 158.54 अंक यानी 0.41 प्रतिशत की मजबूती के साथ 38,370.05 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

विराट और रोहित के लिए ऑस्ट्रेलिया दौरे में विदायी कार्यक्रम रखेगा सीए

मुम्बई

भारतीय एकदिवसीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा और विराट कोहली को अक्टूबर-नवंबर में ऑस्ट्रेलिया दौर में यादगार विदायी मिल सकती है। रोहित और विराट के 2027 विश्वकप तक ही खेलने की संभावना है। ऐसे में ये इन दोनो का अंतिम ऑस्ट्रेलिया दौरा होगा। साल 2026 में ऑस्ट्रेलिया में कोई एकदिवसीय सीरीजमें नहीं है। ऐसे में इस बात की पूरी संभावना है कि यह विराट और रोहित की ऑस्ट्रेलिया में आखिरी सीरीज होगी और आखिरी दौरा भी होगा। यही वजह है कि ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट बोर्ड (सीए) इन दोनो के लिए विदाई कार्यक्रम की योजना बना रहा है।

सीए के मुख्य कार्यकारी टॉड ग्रीनबर्ग ने कहा है कि ऑस्ट्रेलिया का अगली गर्मियों में व्यस्त कार्यक्रम है। इस दौरान विराट और रोहित अंतिम बार ऑस्ट्रेलिया में खेलते नजर आएंगे। वे एकदिवीसय सीरीज का हिस्सा होंगे। ग्रीनबर्ग ने कहा, यह क्रिकेट का एक बहुत बड़ा सत्र है, जिसमें भारतीय महिला और पुरुष दोनों टीमें शामिल हैं। साथ ही, एशेज भी होनी है। लगभग दो दशकों में पहली बार ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट पूरे देश के हर एक हिस्से में खेला जाएगा।

उन्होंने साथ ही कहा, रिकॉर्ड तोड़ टिकट बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान बिके थे और हमें उम्मीद है कि इस गर्मियों में भी ऐसा ही रहेगा। अगर आप आने वाले खिलाड़ियों की गुणवत्ता के बारे में सोचते हैं, खासकर भारत से यह अंतिम बार हो सकता है जब हम विराट और रोहित शर्मा अपने देश में खेलते हुए देखें। अगर ऐसा होता है, तो हम यह तय करना चाहते हैं कि हम उन्हें शानदार विदाई दें और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उनके अविश्वसनीय योगदान को स्वीकार करें।

मुझे कप्तानी करना पसंद : श्रेयस अय्यर

मुम्बई । बल्लेबाज श्रेयस अय्यर की कप्तानी में इस बार पंजाब किंग्स आईपीएल के फाइनल में पहुंची थी हालांकि वहां उसे हार का सामना करना पड़ा। वहीं श्रेयस की कप्तानी में ही अब सोबो मुंबई फाल्कंस टीम टी-20 मुंबई लीग के फाइनल में पहुंच गयी है। इसी को लेकर श्रेयस ने कहा है कि दबाव हमेशा ही होता है पर उन्हें कप्तानी करना पसंद है। श्रेयस कितने आत्मविश्वास से भरे हैं। इसका अंदाजा इसी से लगा सकते हैं कि यह क्रिकेटर अपनी कप्तानी में एक साल के भीतर चौथा फाइनल खेलने जा रहा है। अय्यर ने कप्तानी को लेकर कहा कि उन्हें नेतृत्व करना पसंद हैं। उसके साथ आने वाली चुनौतियों और जिम्मेदारियों का आनंद उठाते हैं। उन्होंने कहा, कप्तानी में हमेशा दबाव होता है लेकिन मुझे अगुआई करना पसंद है। मैं इसे 22 साल की उम्र से कर रहा हूं और मैं इसके साथ आने वाली चुनौती और जिम्मेदारी को उठाने का आनंद लेता हूं। टी-20 मुंबई लीग के सेमीफाइनल में मंगलवार को मुंबई फाल्कंस ने बांद्रा ब्लास्टर्स को 5 विकेट से हराया। अब श्रेयस अय्यर की अगुआई वाली फाल्कंस 12 जून को वानखेड़े स्टेडियम में मराठा रॉयल्स के खिलाफ खिताबी मुकाबला खेलेगी। पिछले एक साल में इस क्रिकेटर ने अपनी कप्तानी में अलग-अलग टीमों को अलग-अलग 4 टूर्नामेंट्स के फाइनल में पहुंचाया है। अय्यर ने मई 2024 में कोलकाता नाइट राइडर्स को अपनी कप्तानी में आईपीएल चैंपियन बनाया।

न्यूज ब्रीफ

भारतीय शूटिंग को नई उड़ान देगा एसएलआई : एलावेनिल वलारिवन

नई दिल्ली। नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई) द्वारा हाल ही में लॉन्च की गई शूटिंग लीग ऑफ इंडिया (एसएलआई) को लेकर देशभर में उत्साह का माहौल है। इस बीच भारत की स्टार शूटर एलावेनिल वलारिवन ने एसएलआई को खेल के लिए गेम-चेंजर बताया है। म्यूनिख में आयोजित आईएसएसएफ वर्ल्ड कप में कांस्य पदक जीतने वाली एलावेनिल ने कहा कि वह इस लीग को लेकर बेहद उत्साहित हैं। एलावेनिल ने एक आधिकारिक बयान में कहा, यह हमारे खेल के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है क्योंकि ऐसा पहली बार हो रहा है। मैं इसे लेकर बहुत उत्साहित हूं और मुझे यकीन है कि हर खिलाड़ी इस लीग को लेकर उत्साहित होगा। उन्होंने कहा, इस लीग में प्रतिस्पर्धा का स्तर बहुत ऊंचा होगा और इसका फायदा हमें अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में देखने को मिलेगा। यह सभी खिलाड़ियों के लिए एक अच्छा माहौल और बड़ा मोटिवेशन साबित होगा। एलावेनिल ने विदेशी खिलाड़ियों की भागीदारी को लेकर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा, मैं हमेशा दूसरे एथलीट्स से सीखने के मौके का इंतजार करती हूं और यह लीग उनके अनुभव को अपनाने का एक बेहतरीन जरिया बनेगी। एक ही टीम में रहकर उनके आइडियाज को समझना और साझा करना आसान होगा। खासतौर पर युवा और नए खिलाड़ी सीनियर एथलीट्स से बहुत कुछ सीख सकेंगे और मैं खुद भी इस अनुभव को लेकर उत्साहित हूं। दो बार की ओलंपियन एलावेनिल का मानना है कि यह लीग शूटिंग को देशभर में नई पहचान दिलाएगी। उन्होंने कहा, यह लीग आम जनता के बीच शूटिंग खेल की समझ और लोकप्रियता को बढ़ाने में अहम भूमिका निभाएगी। जब लोग इस खेल को उसके असली प्रारूप में देखेंगे तो इससे जुड़ाव और बढ़ेगा और उम्मीद है कि ज्यादा युवा इसे पेशेवर रूप में अपनाना चाहेंगे।

निकोलस पूरन बने एमआई न्यूयॉर्क के कप्तान

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज के पूर्व क्रिकेटर निकोलस पूरन को अमेरिका की मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) में एमआई न्यूयॉर्क टीम का कप्तान नियुक्त किया गया है। 2025 सीजन से पहले यह घोषणा ऐसे समय पर की गई है जब पूरन ने ठीक एक दिन पहले ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा की थी। फ्रेंचाइजी ने एक बयान में बताया कि हमारा हीरो, हमारा लीजेंड, हमारा कप्तान! 29 वर्षीय पॉकेट डायनामाइट, एमआई न्यूयॉर्क सुपरस्टार निकोलस पूरन को कॉग्निजेंट मेजर लीग क्रिकेट के 2025 सीजन से पहले एमआई न्यूयॉर्क का कप्तान बनाया गया है। निकोलस को दुनिया के बेहतरीन टी20 खिलाड़ियों में गिना जाता है। उन्होंने वेस्टइंडीज के लिए कुल 167 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले, जिसमें 106 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले शामिल हैं, जो किसी भी वेस्टइंडीज खिलाड़ी द्वारा सबसे ज्यादा हैं। इसके साथ ही वे वेस्टइंडीज की ओर से टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज भी रहे, जिन्होंने 2,275 रन बनाए। निकोलस पूरन ने 2024 में अपने करियर का सबसे शानदार वर्ष बिताया। उन्होंने कैलेंडर ईयर में रिकॉर्ड 170 छक्के लगाए। इसके बाद इस साल आईपीएल 2025 में लखनऊ सुपर जायंट्स की तरफ से खेलते हुए शानदार प्रदर्शन किया।

आईओसी अध्यक्षीय हस्तांतरण समारोह 23 जून को

लुसाने (स्विट्ज़रलैंड)। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के निवर्तमान अध्यक्ष थॉमस बाक 23 जून को एक विशेष समारोह के दौरान आधिकारिक रूप से अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी किर्स्टी कोवेंट्री को सौंपेंगे। यह हस्तांतरण समारोह आईओसी मुख्यालय 'ओलंपिक हाउस' में सुबह 11 बजे से दोपहर 12:15 बजे (भारतीय समयानुसार दोपहर 2:30 बजे से 3:45 बजे तक) आयोजित किया जाएगा। थॉमस बाक ने 2013 में ब्यूनस आयर्स में आयोजित 125वें आईओसी सत्र में चुनाव जीतकर नौवें अध्यक्ष के रूप में पदभार संभाला था। उन्होंने आठ वर्षों का पहला कार्यकाल पूरा करने के बाद मार्च 2021 में बिना किसी विरोध के पुनः निर्वाचित होकर दूसरा चार वर्षीय कार्यकाल शुरू किया। मार्च 2025 में ग्रीस में आयोजित 144वें आईओसी सत्र के दौरान उन्हें आईओसी का आजीवन मानद अध्यक्ष चुना गया। वहीं, मार्च 2025 में चुनी गई किर्स्टी कोवेंट्री आईओसी की 10वीं अध्यक्ष बनने जा रही हैं। वे इस ऐतिहासिक जिम्मेदारी को संभालने वाली पहली अफ्रीकी और पहली महिला अध्यक्ष होंगी।

फीफा विश्व कप 2026 क्वालिफायर्स : अल्माडा ने अर्जेंटीना की बचाई लाज, ऑस्ट्रेलिया-जापान सहित कई टीमें क्वालिफाई

नई दिल्ली

मंगलवार को खेले गए फीफा विश्व कप 2026 क्वालिफायर्स के मुकाबलों में रोमांच चरम पर रहा, जहां एक ओर अर्जेंटीना ने 10 खिलाड़ियों के साथ कोलंबिया से ड्रॉ खेलते हुए अपराजित क्रम बरकरार रखा, वहीं ऑस्ट्रेलिया, जापान, ईरान, दक्षिण कोरिया और उज़बेकिस्तान जैसी टीमों ने अगले साल होने वाले विश्व कप के लिए अपना स्थान पक्का कर लिया।

अल्माडा ने दिलाई अर्जेंटीना को राहत – ब्यूनस आयर्स में खेले गए मुकाबले में अर्जेंटीना को कोलंबिया के खिलाफ 1-1 की बराबरी पर संतोष करना पड़ा। कोलंबिया ने मैच के 24वें मिनट में लुइस डियाज़ के शानदार एकल प्रयास से बढ़त बना ली थी। अर्जेंटीना की मुश्किलें तब और बढ़ गईं जब एंज़ो फर्नांडीज को दूसरे हाफ में रेड कार्ड दिखाया गया, लेकिन 81वें मिनट में थियागो अल्माडा ने बराबरी का गोल दागकर अपनी टीम को हार से बचा लिया और अर्जेंटीना की अपराजित लय को पांच मैचों तक पहुंचा दिया।

ऑस्ट्रेलिया की शानदार वापसी और क्वालिफिकेशन पक्का – जेद्दा में ऑस्ट्रेलिया ने सऊदी अरब को 2-1 से हराकर लगातार छठी बार फीफा विश्व कप के लिए क्वालिफाई कर लिया। पहले गोल सऊदी अरब की ओर से अब्दुलरहमान अल-ओबूद ने 19वें मिनट में किया। लेकिन ऑस्ट्रेलिया ने पहले हाफ के अंत में कॉनर मेटकाफ और फिर दूसरे हाफ की शुरुआत में मिच ड्यूक के गोल की बदौलत वापसी की। गोलकीपर मैटी रयान ने अपने 100वें अंतरराष्ट्रीय मैच में आखिरी पलों में पेनल्टी बचाकर जीत सुनिश्चित की।

जापान, ईरान और दक्षिण कोरिया का दबदबा – जापान ने इंडोनेशिया को 6-0 से रौंदकर ग्रुप ष्ट में शीर्ष स्थान हासिल किया, जिसमें डाइची कामाडा ने पहले हाफ में दो गोल किए। ईरान ने तेहरान में नॉर्थ कोरिया को 3-0 से हराया और ग्रुप में पहले स्थान पर रहा। वहीं दक्षिण कोरिया ने कुवैत को 4-0 से हराकर ग्रुप क्र में अपराजित रहते हुए शीर्ष स्थान पाया।

ओमान की आखिरी सांस में उम्मीद बची, फिलिस्तीन बाहर – जॉर्डन में खेले गए मुकाबले में ओमान और फिलिस्तीन के बीच 1-1 की बराबरी हुई। फिलिस्तीन ने 49वें मिनट में बढ़त ली थी, लेकिन अंत समय में ओमान को पेनल्टी मिली, जिसे इस्साम अल-साबीह ने गोल में बदलकर अपनी टीम की क्वालीफिकेशन की उम्मीदों को जिंदा रखा।

अन्य मुकाबले– उज़बेकिस्तान ने कतर को 3-0 से हरा कर ग्रुप में दूसरा स्थान पाया। यूएई और किर्गिस्तान का मुकाबला 1-1 की बराबरी पर रहा, जिससे यूएई ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। जोर्डन ने पहले ही क्वालिफाई कर लिया था, लेकिन उसे इराक से 1-0 से हार का सामना करना पड़ा।

ब्राज़ील और इक्वाडोर ने पक्की की विश्व कप 2026 की टिकट

नई दिल्ली। साओ पाउलो और लीमा में बुधवार (भारतीय समयानुसार) को खेले गए मुकाबलों में ब्राजील और इक्वाडोर ने फीफा विश्व कप 2026 के लिए अपनी जगह पक्की कर ली। ब्राजील ने कोरिंथियंस एरिना में पराग्वे को 1-0 से हराकर, जबकि इक्वाडोर ने पेरू के खिलाफ 0-0 की ड्रॉ खेलकर क्वालीफिकेशन सुनिश्चित किया। ब्राजील के लिए एकमात्र गोल रियल मैड्रिड के स्टार फॉरवर्ड विनीसियस जूनियर ने 44वें मिनट में किया। उन्होंने मैथ्यूस कुन्हा के पास पर नजदीक से गेंद को गोलपोस्ट में डालते हुए टीम को बढ़त दिलाई। यह ब्राजील के नए कोच कार्लो एंसेलोटी की पहली जीत रही, जो उनके घरेलू डेब्यू में ही मिली। इस जीत के साथ ब्राजील अब 16 मैचों में 25 अंकों के साथ कॉनमेबोल क्वालीफाइंग स्टैंडिंग में तीसरे स्थान पर पहुंच गया है, जिससे वह शीर्ष छह में रहते हुए सीधे विश्व कप के लिए क्वालिफाई कर गया। इसके साथ ही ब्राजील ने अपने ऐतिहासिक रिकॉर्ड को कायम रखा- वह एकमात्र देश है जिसने अब तक हर फीफा विश्व कप टूर्नामेंट में भाग लिया है। वहीं इक्वाडोर ने भी पेरू से ड्रॉ खेलकर कुल 25 अंकों के साथ दक्षिण अमेरिका की टॉप छह टीमों में जगह बना ली।

चिली लगातार तीसरे फीफा वर्ल्ड कप से बाहर, कोच रिकार्डो गरेका ने दिया इस्तीफा

साओ पाउलो

चिली की राष्ट्रीय फुटबॉल टीम को एक और बड़ा झटका लगा है। टीम फीफा विश्व कप 2026 के लिए क्वालिफाई करने में नाकाम रही है और लगातार तीसरे वर्ल्ड कप से बाहर हो गई है। मंगलवार को एल एल्टो (बोलीविया) में खेले गए मुकाबले में चिली को बोलीविया के हाथों 0-2 से हार झेलनी पड़ी, जिससे वह दक्षिण अमेरिकी क्वालीफाइंग राउंड-रॉबिन प्रतियोगिता में सबसे आखिरी स्थान पर ही बनी रही।

इस निराशाजनक प्रदर्शन के बाद टीम के मुख्य कोच रिकार्डो गरेका ने इस्तीफे की घोषणा कर दी। अर्जेंटीना के 67 वर्षीय इस कोच ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, मैं खिलाड़ियों और अधिकारियों को उनके समर्थन के लिए सार्वजनिक रूप से धन्यवाद देना चाहता हूं। मैं अब टीम को छोड़ रहा हूं।

चिली की गोल्डन जनरेशन जिसने 2015 और 2016 में दो कोपा अमेरिका खिताब जीते थे, अब इतिहास बन चुकी है। टीम के दिग्गज स्ट्राइकर एलेक्सिस सांचेज़ ने हार के बाद कहा, बहुत दुख हो रहा है, मैंने ऐसा पहले कभी महसूस नहीं किया। हमें लोगों से माफ़ी मांगनी चाहिए। बदलाव की शुरुआत हो चुकी है, गोल्डन जनरेशन अब दफन हो चुकी है — मैं अकेला बचा हूं।

बोलीविया ने मैच की शुरुआत में ही पांचवें मिनट में मिगुएल तेरेसेरोस के गोल से बढ़त बना ली थी। 90वें मिनट में एंज़ो मोंटेरो ने दूसरा गोल कर चिली की उम्मीदों पर पूरी तरह पानी फेर दिया। यह मुकाबला ला पाज़ के बाहरी इलाके स्थित 4,150 मीटर की ऊंचाई पर एल एल्टो स्टेडियम में खेला गया।

दूसरी ओर, उरुग्वे ने वेनेज़ुएला को 2-0 से हराकर क्वालिफाइंग स्टैंडिंग में बड़ी छलांग लगाई है। रोड्रिगो अग्विरे और जॉर्जियन डे अरेस्काएटा के गोलों की बदौलत उरुग्वे ने 16 मैचों में 24 अंकों के साथ शीर्ष छह में जगह मजबूत कर ली है, जो सीधे विश्व कप में एंट्री के लिए जरूरी है।

अब सातवें स्थान की इंटरकॉन्टिनेंटल प्लेऑफ की दौड़ बोलीविया (17 अंक) और वेनेज़ुएला (18 अंक) के बीच रोचक बनती जा रही है। चिली का सपना एक बार फिर अधूरा रह गया है।

फीफा विश्व कप 2026 क्वालिफायर - वांग युडोंग के पेनल्टी गोल से चीन ने बहरीन को 1-0 से हराया

18 वर्षीय युवा फारवर्ड वांग युडोंग द्वारा इंजरी टाइम में किए गए पेनल्टी गोल की बदौलत चीन ने मंगलवार को बहरीन को 1-0 से हराकर फीफा विश्व कप 2026 क्वालिफाइंग अभियान का समापन जीत के साथ किया। पिछले गुरुवार को क्रमशः इंडोनेशिया और सऊदी अरब से हारने के बाद चीन और बहरीन दोनों ही टीमें ग्रुप स्टेज से बाहर हो चुकी थीं और एशियाई क्वालिफायर प्लेऑफ के अगले चरण में जगह नहीं बना सकीं। सम्मान के मैच कहे जा रहे इस अंतिम मुकाबले के पहले हाफ में दोनों टीमों के पास गोल करने के बहुत कम मौके आए। दूसरे हाफ में चीन ने बेहतर नियंत्रण दिखाया। वांग युडोंग ने बाएं छोर से लगातार आक्रमण किए और कई बार गोल के करीब पहुंचे, लेकिन बहरीन के गोलकीपर ने उनके सभी प्रयासों को नाकाम कर दिया। आखिरकार, 93वें मिनट में वांग को अपनी मेहनत का फल मिला। वांग झिमिंग की क्रॉस गेंद पर बहरीन के डिफेंडर के हैंडबॉल करने पर चीन को पेनल्टी मिली।

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने बेल्जियम को 2-1 से हराया

एंटवर्प

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने यूरोप दौरे पर अपना विजय अभियान जारी रखते हुए मंगलवार को बेल्जियम के खिलाफ 2-1 से रोमांचक जीत दर्ज की। यह मुकाबला बेल्जियम के एंटवर्प स्थित हॉकी सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, विलरिज्कसे प्लेन में खेला गया। भारत की ओर से ललथनतलुआंगी (35वें मिनट) और गीता यादव (50वें मिनट) ने गोल किए।

मुकाबले की शुरुआत से दोनों टीमों के बीच जबरदस्त संघर्ष देखने को मिला, लेकिन पहले हाफ में कोई भी टीम गोल नहीं कर सकी। मैच का पहला गोल 35वें मिनट में भारत को पेनल्टी स्ट्रोक के रूप में मिला, जिसे ललथनतलुआंगी ने सफलतापूर्वक गोल में तब्दील कर भारत को बढ़त दिलाई।

चौथे और अंतिम क्वार्टर में बेल्जियम की ओर से वैन हेलमॉन्ट ने 48वें मिनट में फील्ड गोल करते हुए स्कोर को 1-1 की बराबरी पर ला दिया। हालांकि, इसके तुरंत बाद 50वें मिनट में गीता यादव ने शानदार फील्ड गोल करते हुए भारत को दोबारा बढ़त दिला दी।

इसके बाद भारतीय डिफेंस ने मजबूती से खेल दिखाया और बेल्जियम के आखिरी समय में किए गए लगातार हमलों को नाकाम कर दिया। इस जीत के साथ भारत ने बेल्जियम के खिलाफ लगातार दूसरी जीत दर्ज की है। भारतीय जूनियर महिला टीम अब अपने यूरोप दौरे का अंतिम मुकाबला 12 जून को एक बार फिर बेल्जियम के खिलाफ खेलेगी।

यूरोप दौरे पर दर्ज की लगातार दूसरी जीत

इंग्लैंड ने तीसरे टी20 में वेस्टइंडीज 37 रन से हराया, दूसरी बार किया क्लीन स्वीप

साउथैम्पटन

इंग्लैंड ने मंगलवार को साउथैम्पटन के यूटिलिटा बाउल मैदान पर खेले गए तीसरे और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में वेस्टइंडीज को 37 रनों से हराकर तीन मैचों की श्रृंखला 3-0 से अपने नाम कर ली। यह इंग्लैंड की 2021 के बाद पहली टी20आई सीरीज में क्लीन स्वीप है। इस जीत के साथ इंग्लैंड ने सीमित ओवरों के नए कप्तान हैरी ब्रुक के नेतृत्व में लगातार दूसरी सीरीज में क्लीन स्वीप किया। टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड ने 3 विकेट पर 248 रन बनाए, जो घरेलू सरजमीं पर उनका अब तक का सर्वोच्च स्कोर है।

डकेट और स्मिथ की धमाकेदार शुरुआत

ओपनर बेन डकेट ने सिर्फ 20 गेंदों में अपना तीसरा टी20 अर्धशतक जड़ते हुए 84 रनों की धमाकेदार पारी खेली। उनके साथ जेमी स्मिथ ने

भी 60 रनों की पारी खेलते हुए टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अपना पहला अर्धशतक पूरा किया। दोनों ने मिलकर सिर्फ 9 ओवर में 120 रन जोड़े। जैकब बेथेल ने अंत में 36 रन की नाबाद तेज पारी खेली जिससे इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज के सामने 249 रनों का विशाल लक्ष्य रखा।

वेस्टइंडीज की लड़खड़ाती पारी

लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज की टीम ने 14 छक्के जरूर लगाए, लेकिन 8 विकेट पर 211 रन ही बना सकी। रोवमैन पॉवेल ने 45 गेंदों में नाबाद 79 रनों की शानदार पारी खेली, लेकिन बाकी बल्लेबाज उनका साथ नहीं दे सके। इंग्लैंड की ओर से मार्क वुड ने 31 रन देकर 3 विकेट झटके। इस जीत के साथ इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में पहली बार 19-18 की बढ़त बना ली है।

डकेट बने इंग्लैंड के भरोसेमंद ओपनर

बेन डकेट ने अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से एक बार फिर साबित कर दिया कि वे इंग्लैंड के सबसे भरोसेमंद मल्टी-फॉर्मेट ओपनर हैं। उनकी पारी में शानदार रिवर्स स्वीप, कवर्स के ऊपर से शॉट्स और स्क्वायर लेग के पीछे छक्का शामिल था, जिसने दर्शकों को झूमने पर मजबूर कर दिया।

डकेट की बल्लेबाजी ने युवा ओपनर स्मिथ को भी आत्मविश्वास दिया, जिन्होंने दोनों फॉर्मेट में इस सप्ताह पहला अर्धशतक जमाया है।

वेस्टइंडीज के लिए चिंता की घड़ी

पिछले 48 घंटे वेस्टइंडीज क्रिकेट के लिए सबसे निराशाजनक साबित हुए हैं। पहले रविवार को सीरीज हार और फिर मंगलवार को एकतरफा हार। इसके बीच सोमवार को स्टार बल्लेबाज़ निकोलस पूरन ने सिर्फ 29 साल की उम्र में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेकर सभी को चौंका दिया।

एक समय टी20 क्रिकेट की बादशाह रही वेस्टइंडीज टीम अब संघर्ष करती नजर आ रही है। हाल ही में समाप्त हुई इस सीरीज ने यह साफ कर दिया कि यह टीम अब उतनी प्रभावशाली नहीं रही, भले ही उसने इंग्लैंड से ज्यादा (35) छक्के लगाए हों।

स्कोरकार्ड:

इंग्लैंड: 248/3 (बेन डकेट 84, जेमी स्मिथ 60*, जैकब बेथेल 36*)

वेस्टइंडीज: 211/8 (रोवमैन पॉवेल 79*, शाई होप 45, मार्क वुड 3/31)

इंग्लैंड ने मैच 37 रन से जीता, सीरीज 3-0 से अपने नाम की।

कांगू वर्कआउट से जुड़ी बातों को जानें

क्या आप जानते है कि कांगू जम्प आपके शरीर को कई तरह के आराम पंहुचाता है। एक्सरसाइज शरीर के लिए जरूरी होती है पर कई बार बोरिंग लगती है। लेकिन कांगू जम्प के साथ आपको ऐसी शिकायत नहीं रहेगी। नाचते भागते करने वाली ये एक्सरसाइज आपके शरीर पर ज्यादा दबाव नहीं डालते हुए आसानी से आपको स्वस्थ रखती है।

जब हो पहली फिटनेस क्लास

किसी भी नई चीज की शुरुआत के दौरान हम काफी बेचैनी महसूस करते हैं। नतीजतन हम गहरे प्रेशर में आ जाते हैं या फिर हमारा आत्मविश्वास डोल जाता है। ठीक यही बात पहली फिटनेस क्लास पर भी लागू होती है। यहां ऐसे ही बातों का जिक्र हो रहा है।

छुपकर रहना

नई फिटनेस क्लास में अकसर लोग फिटनेस इंस्ट्रक्टर से छिपने की कोशिश करते हैं। मानों उनकी परीक्षा ली जा रही हो। जबकि ऐसा करने की बजाय फिट रहने के लिए इंस्ट्रक्टर से नजदीकियां बढ़ाना आवश्यक है।

इंस्ट्रक्टर की नजर

यदि आपका इंस्ट्रक्टर आपसे कहे कि उसकी नजर आप पर है तो इस बात से परेशान न हो। असल में ज्यादातर लोग अपनी नई फिटनेस क्लास में इंस्ट्रक्टर से डरते हैं। ध्यान रखें कि वे भी कभी नवसीखिए थे। अतः खुद को सबसे पिछड़ा हुआ न समझें।

पोस्चर पर नजर

मैं कैसा दिख रहा हूं, लोग मेरे बारे में क्या कहेंगे? वगैरह-वगैरह। फिटनेस सेंटर में एक्सरसाइज करते वक्त इस तरह की बातें भी अकसर परेशान करती हैं। लेकिन यकीन मानिए फिटनेस क्लास में फैशन से ज्यादा कम्फर्ट मायने रखता है।

इंस्ट्रक्टर का पागलपन

नई क्लास में इंस्ट्रक्टर अकसर समझ नहीं आते। यही कारण है कि शुरुआत में हमें इंस्ट्रक्टर का अच्छा खासा खौफ रहता है। लेकिन इस विषय में परेशान होने की बजाय जरूरी यह है कि उसे समझें। उससे नजरें न चुराएं। समस्या होने पर उससे सीधे संपर्क करें।

मशीन की जानकारी

निःसंदेह इस दुनिया में हर कोई पर्फेक्ट नहीं है। ऐसे में यदि फिटनेस क्लास में आपको कोई नई मशीन दिखती है तो उस संदर्भ में फिटनसे इंस्ट्रक्टर से पूछने में हिचकिचाएं नहीं। जबकि नई क्लास में भी लोग इस सवाल को पूछने से बचते हैं।

प्रतिस्पर्धा से बचें

किसने कौन सी मशीन में एक्सरसाइज की है या किसने कितना वजन उठाया है? इस तरह के सवाल पहली क्लास में आना लाजिमी है। लेकिन आप पहले ही दिन उनसे अपनी तुलना न करने लगे। याद रखें तुलना करेंगे तो नुकसान में रहेंगे।

अकेले वार्म अप करना

अकेले वार्म अप करने में कई लोग शर्म महसूस करते हैं। लेकिन क्या आपको लगता है कि इसकी जरूरत है? बिल्कुल नहीं। शुरुआती स्तर में वार्म अप करना आवश्यक है। अतः दूसरों की अनदेखी करें और एक्सरसाइज पर ध्यान दें।

तालमेल न बैठना

हो सकता है कि पहली क्लास में आपका फिटनेस सेंटर में मौजूद अन्य लोगों के साथ तालमेल न बैठे। लेकिन इसको समस्या का सबब नहीं बनाना चाहिए, न ही चिंता का विषय। इसके इतर जरूरी यह है कि उन्हें देखते हुए एक्सरसाइज पर ध्यान दें।

क्या मैं सही कर रहा हूं

फिटनेस सेंटर में पहले दिन इस तरह का ख्याल भी बार बार आता है। असल में हम फिटनेस क्लास के पहले दिन खुद को कम और दूसरों को ज्यादा देखते हैं। नतीजतन बार बार खुद से यह सवाल करते हैं कि क्या हम सही कर रहे हैं। याद रखें कि अगर आपकी एक्सरसाइज गलत होगी तो इंस्ट्रक्टर खुद आपकी मदद करेंगे।

नए खून में आक्रामक व्यवहार...

इस लेख में युवाओं को समझने का प्रयास किया गया है ताकि हमें मुद्दों की सही समझ हो और हम अपने व्यवहार में सही परिवर्तन ला सकें। आक्रामकता ऐसे भौतिक या मौखिक व्यवहार को कहते हैं जिसका मकसद किसी को चोट पहुंचाना होता है।

आक्रामकता दो तरह की होती हैं, पहली, शत्रुतापूर्ण आक्रामकता, जो गुस्से से पनपती है और इसका मकसद दूसरों को घायल करना होता है। दूसरी होती है औजार के तौर इस्तेमाल होने वाली आक्रामकता। इसमें आक्रामकता को हथियार बनाकर कोई मकसद हासिल किया जाता है और इसमें हमलावर व्यक्ति को उकसाने वाला मौलिक तत्व दूसरे को चोट पहुंचाना नहीं होता। मिसाल के तौर कोई लड़का अपने साथियों के साथ मिलकर अपनी कक्षा के किसी लड़के को उसके किसी व्यवहार से खफा होकर उसे पीटता है क्योंकि वह उससे बदला लेना चाहता है। यह शत्रुतापूर्ण आक्रामकता है जो आवेश और भावनात्मक उफान से जन्मी है। दूसरी ओर किसी खास अच्छे या बुरे मकसद के लिए जुनून की तरह आक्रामकता सामने आती है जो सामाजिक राष्ट्रीय हितों की रक्षा या के लिए भी हो सकती है।

बच्चा आक्रामक क्यों होता है?

एक मत यह है कि मूल प्रवृत्ति और कुंठा हमारे भीतर आक्रामकता की प्रबल भावना पैदा करती है जबकि दूसरा मत यह है कि सीखने से हमारे भीतर की आक्रामकता बाहर आती है। इसका मतलब यह हुआ कि अनुभव और दूसरों को देखने से हम यह सीखते हैं कि आक्रामकता से कुछ हासिल होता है। किसी बच्चों के आक्रामक व्यवहार से दूसरे घबरा जाते हैं तो अन्य बच्चों में यह प्रवृत्ति बढ़ने की आशंका उन बच्चों से अधिक होती है, जो किसी बात का कड़ा दंड भुगत चुके होते हैं।

आक्रामकता एक जीव विज्ञान है

कुछ जैविक कारण भी आक्रामकता पैदा करते हैं जिनमें हार्मोन में परिवर्तन आना और शराब पीने से जनित आक्रामकता आदि शामिल हैं।

आपराधिक व्यवहार को समझना मनोविश्लेषण

मनोविश्लेषण के सिद्धांत के अनुसार जिस व्यक्ति में बहुत विध्वंसक प्रवृत्तियां होती हैं वह शुरुआती विकास के चरण में दबा हुआ होता है और वह अपने एवं वातावरण के बीच समायोजन नहीं कर पाता। इसका अर्थ यहां यह हुआ कि व्यक्तियों की अवधारणात्मक सोच शुरुआती स्तर पर पनपती है और यह विकसित अवस्था में नहीं बन पाती।

व्यक्तित्व के विकार

ऐसे व्यक्तियों में समाज विरोधी व्यक्तित्व के विकार भी होते हैं। इन व्यक्तियों में सामाजिक नियमों से बंधने की प्रवृत्ति नहीं होती, उनका आवेश पर नियंत्रण खराब होता है, वे बहुत आक्रामक होते हैं और उनमें पछतावे की भावना नहीं होती। ये लक्षण बहुत शुरुआत में ही पनप जाते हैं। बच्चों में इसे 'आचरण विकार' वाले व्यक्तित्व के तौर पर देखा जाता है। ऐसे बच्चे बहुत छिपाव वाले, आक्रामक और सभी नियमों को तोड़ने वाले होते हैं।

समूह मनोविज्ञान

इनमें से अनेक किशोर अपना गुट बना लेते हैं। ऐसे गुट में आपसी जुड़ाव बहुत मजबूत होता है और शुरुआती वर्षों में ही वे गुटों में शामिल हो चुके होते हैं। इस प्रक्रिया को 'निवैयक्तिकरण' कहते हैं जिसमें व्यक्ति अपना आत्मबोध खो देता है और उसमें निर्णय लेने की क्षमता नहीं रह जाती। वह ग्रुप में ही सोच पाता है और उसकी अपनी पहचान खत्म होती है। वह ग्रुप में ही अपनी पहचान देख पाता है। इसी वजह से वह जो कुछ करता है, गुट में करता है और गुट न हो तो वह कुछ नहीं कर पाता।

देखकर सीखना

जब कोई बच्चा शुरूआती जीवन में हिंसा देखता है तो उसके मन में इसके प्रति संवेदनशीलता कम होती जाती है और वह बिना किसी पश्चाताप के हिंसा में संलग्न हो सकता है। जो लड़के विध्वंस और हिंसा के सम्पर्क में अधिक रहते हैं, उन पर इसका बहुत अधिक असर पड़ता है। हिंसा में लगे रहने वाले दोस्तों के सम्पर्क में रहने वाले लड़कों या आक्रामक माता-पिता के साथ जीने वालों में आक्रामकता पैदा होती है और वे हिंसा और अपराध से हिचकिचाते नहीं हैं।

अन्य कारण

सामाजिक-आर्थिक भेद की भूमिका : जो विभिन्न सामाजिक गुटों के बीच बढ़ता भेदभाव देखता है, उससे अपेक्षाकृत वंचित होने की भावना बढ़ती है। इससे युवाओं में आपराधिक व्यवहार भी बढ़ता है।

कानूनी प्रणाली : जब बड़े अपराधिक मामलों में किसी को सजा नहीं हो पाती और मामलों में देरी होती रहती है तो इससे किशोरों के मन में यह भावना पनपती है कि वे अपराध से बच निकलेंगे और इससे उनका भय कम होता है।

टेलीविजन : टीवी में काफी हिंसा दिखाई जाती है। अध्ययनों से पता चला है कि हिंसा देखने से आक्रामक व्यवहार में बढ़ोत्तरी होती है क्योंकि इससे देखने वाले की हिचक कम होती है। आक्रामक विचारों से दर्शक की हिंसा के प्रति संवेदनशीलता पर असर पड़ता है। टीवी पर हिंसा देखने का मुख्य प्रभाव हिंसा के प्रति हिचक खोना और संवेदनशीलता घटने के तौर पर होता है और वास्तविक अवधारणा तथा सीखी गई अवधारणा में विकार आता है। लिहाजा यह जरूरी है कि बच्चों को हिंसक कार्यम न देखने दिए जाएं और अभिभावक उन पर अपना सख्त नियंत्रण रखें।

नशे का इस्तेमाल

यह देखने में आया है कि किशोरों में शराब और अन्य रसायन लेने की प्रवृत्ति बढ़ रही है। इसका हिंसा और आक्रामकता से सीधा संबंध है। हिंसक व्यवहार को बढ़ावा देने वाले कारक अनेक शोध अध्ययनों से निष्कर्ष निकला है कि जटिल संवादों और विभिन्न कारकों के मिलने से किशोरों और बच्चों में हिंसक व्यवहार का जोखिम पैदा होता है। इन कारकों में शामिल है -

- पिछले आक्रामक या हिंसक व्यवहार
- भौतिक या यौन प्रताड़ना का शिकार होना
- घर या समुदाय में हिंसा का सामना करना

आनुवांशिक कारण

- मीडिया, टीवी फिल्म आदि में हिंसा देखना
- शराब या नशा करना एवं घर में हथियार होना
- तनावपूर्ण पारिवारिक सामाजिक आर्थिक कारण (गरीबी, बेहद वंचित होना, शादी टूटना, तलाकशुदा मां या पिता के साथ जीना, बेरोजगारी, परिवार से समर्थन बंद होना आदि)

हिंसक व्यवहार के सिगनल क्या हैं?

जो बच्चा गंभीर हिंसक प्रवृत्ति का शिकार हो सकते हैं उनमें ये लक्षण देखे जा सकते हैं

- बेहद गुस्सैल
- अक्सर बेकाबू होना और झगड़ने पर आमादा
- बेहद चिड़चिड़ा होना
- अत्यंत आवेश में रहना
- आसानी से कुंठित होना

हिंसक व्यवहार का पैमाना

बच्चों और किशोरों में हिंसक व्यवहार जिन हदों तक जा सकता हैं वे हैं - विस्फोटक मिजाज, भौतिक आक्रामकता, लड़ाई, धमकियां और या दूसरों को चोट पहुंचाना, हथियारों का इस्तेमाल करना, जानवरों के प्रति क्रूरता, आग लगाना, सम्पत्ति को जानबूझ कर नुकसान पहुंचाना और तोड़फोड़ करना।

भरपूर ऊर्जा से जिएं जिंदगी...

छोटी-छोटी बातें आपकी जिंदगी में खुशियां ला सकती हैं आप ऐसी ही बातों का खयाल रखें और सुकूनभरी जिंदगी का स्वागत करें। आप जिंदगी को भरपूर ऊर्जा के साथ जिएं। कुछ चीजें जो आपके नियंत्रण में न हों उन्हें होने दें। उसके लिए व्यर्थ ही परेशान न हों।

जैसे मौसम का प्रभाव, बस का देर से आना, लोगों का व्यवहार और ट्रैफिक की लंबी की कतार। कई लोग ऐसी परिस्थितियों में नियंत्रण खो देते हैं और तनाव में आ जाते हैं। इस तरह से जीने का आखिर मतलब क्या है? अपने जीवन में उर्जा को बनाए रखें और जीवन में आने वाले सकरात्मक बदलावों को महसूस कीजिए।

आशावादी नजरिया अपनाएं

दुनिया के बारे में एक आशावादी नजरिया अपनाए जाने की जरूरत है। अक्सर होता ये है कि हमारा पूरा फोकस समस्याओं पर ही होता है। इस तरह की सोच कभी भी अच्छी नहीं कही जा सकती है।

आप आज से ही पॉजिटिव सोचना शुरू कर दें और देखें कि बाहरी दुनिया कितनी खूबसूरत है। सोचें एक सुबह जो हर रोज नई शुरुआत का मौका देती है, एक दोपहर जो आपको आगे बढने को प्रेरित करती है। एक शाम जो दुनिया की सुंदरता से परिचित करती है। रात जब आती है तो सोचने-विचारने का मौका देती है एक नये दिन की शुरुआत के लिए आराम भी। आपके इस जीवन में सौंदर्य, प्रेम, दया, सबकुछ है. लेकिन नकारात्मक सोच के कारण आप इस ओर नहीं देख पाते हैं। एक बार सकारात्मक नजरिया अपनाकर देखें, आप पाएंगे कि अचानक कुछ अच्छा लगने लगा है। बस जीवन में आने वाली खुशियों का इंतजार करें। आपको अपनी किस्मत अच्छी लगने लगेगी।

गुस्सा करना छोड़ें

एक बार गौतम बुद्ध ने कहा था कि किसी पर गुस्सा करना उस पर गर्म कोयले से प्रहार करने जैसा है जिससे कि तुम भी जलोगे। इसलिए आप दूसरों पर गुस्सा करना करना छोड़ दें। इसका प्रभाव दूसरे से ज्यादा आप पर पड़ेगा। अगर आप दूसरों की गलतियों को माफ करना सीख जाते हैं तो आप पाएंगे की कि दुनिया में बहुत से सकारात्मक बदलाव आ रहे हैं। यह स्थिति यथार्थ से भागने की नहीं बल्कि उसके और ज्यादा करीब जाने की है। अपने जीवन को जंग मत बनाइए। आपकी ही तरह आपके करीबियों को भी आपके प्रेम, और सम्मान की जरूरत है।

जड़ता को छोड़ें

डेविड कैम्पबेल ने एक बार कहा था तुम जो करना चाहते हो, उसको बार-बार याद करना ही अनुशासन है। अपने जीवन में कुछ सपने मूल्य और नजरिया विकसित कर लेना चाहिए। दृढ इच्छा शक्ति के दम पर ही जीवन में खुशियों को पाया जा सकता है। ऐसा तो नहीं कि आप एक अंधी दौड़ में शामिल हो गए हैं जिसका कोई उद्देश्य नहीं। आपको सोचने की फुर्सत ही नहीं बस दौड़े जा रहे हैं। इस जड़ता को छोड़ दीजिए। ठहरकर सोचें और फिर उद्देश्य और सपनों को पूरा करने की दिशा में आगे बढें।

खुद फैसले लेना सीखें

कहीं आप अपने फैसले लेने में हिचकिचाते तो नहीं हैं। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है कि कोई आपके फैसलों के बारे में क्या सोचता है। आप खुद को दूसरों से बेहतर जानते हैं, इसलिए ये आपको ही डिसाइड करना है कि आपको अपने जीवन और खुशियों को बनाए रखने के लिए क्या करना है। यह जान लें कि आपको समझे और जाने बिना कोई भी व्यक्ति आपको सही तरीके से गाइड नहीं कर सकता है। कोई भी व्यक्ति आपको पूरी तरह से नहीं समझ सकता है। इसलिए आप दूसरों पर निर्भर रहना छोड़ दें। आपको लगेगा आप सही मायने में जीवन जी रहे हैं। ऐसा करने पर आपको महसूस होगा कि आप खुद में संपूर्ण हैं और दुनिया में किसी से भी ज्यादा खूबसूरती से जी रहे हैं।

रेसिपी

नींबू का खट्टा- मीठा अचार

सामग्री

आधा किलो नींबू, आधा किलो शक्कर, 1 से 2 छोटी चम्मच काला नमक, एक छोटी चम्मच बड़ी इलाइची पाउडर, 6 से 8 पिसी काली मिर्च, आधी छोटी चम्मच लाल मिर्च, 4 से 5 चम्मच नमक

विधि

एक-एक नींबू को 4 टुकड़ों में काटकर उसमें नमक डालकर नर्म होने के लिए 25 दिन से 30 दिन के लिए एक जार में रख दें बीच-बीच में नींबू को चलाते और देखते रहें। जब नींबू नर्म हो जाए तो नींबू में शक्कर, काला नमक, काली मिर्च, लाल मिर्च और बड़ी इलाइची का पाउडर मिलाकर 3 से 4 दिन के लिए धूप में रख दें। हर दिन साफ और सूखे चम्मच से अचार को जरूर चलाएं। एक सप्ताह में नींबू का मीठा अचार अच्छे से बन जाएगा। ध्यान रखें अचार को हमेशा साफ और सूखे चम्मच से ही लें।

ब्रेड भटूरे

साम्रगी

मैदा दो कप, सूजी एक स्पून, ब्रेड स्लाइस आठ, नमक स्वादानुसार, दही तीन स्पून, जीरा आधा टी स्पून, तेल अवयस्कता अनुसार

विधि

सबसे पहले आप ब्रेड की स्लाइस के चारों किनारों के ब्राउन कलर के पार्ट को हटा दीजिए और ब्रेड स्लाइस के सफेद भाग को मिक्सी से पीस लीजिए। अब ब्रेड पाउडर को एक बाउल में डाले और उसमे मैदा, जीरा, सूजी, नमक, दही डालकर अच्छी तरह मिला लीजिए। अब उसमें थोड़ा-थोड़ा पानी डालकर आटा गूंथ लें और गुंथे हुए आटे को ढ़क्कर थोड़ी देर साइड पर रख दीजिए। अब एक कढ़ाई में तेल डालकर गरम कीजिए। अब आटे से लोई तोड़ कर छोटी-छोटी लोई बनाईए। अब आटे की लोई लेकर रोटी की तरह भटूरा बेल कर गरम तेल में डालें। धीमी आंच पर भटूरे को दोनों तरफ से तलकर प्लेट में निकाल कर अलग रख लीजिए। उसके बाद हरी धनिया, प्याज, अदरक, हरी मिर्च और नींबू के स्लाइस से सजाकर परोसें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**